RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 245
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जुलाई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

वाणी कपूर ने माना, तैयारी का बढ़ा है महत्व
विविध-12

www.dailypioneer.com

विकास दुबे दो साथियों के साथ उज्जैन से गिरफ्तार

● आठ पुलिसकर्मियों के हत्यारे को लेकर उप्र पुलिस कानपुर के लिए रवाना

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल, उज्जैन

उत्तर प्रदेश के कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी और कुख्यात अपराधी विकास दुबे को उसके दो साथियों के साथ पुलिस ने बृहस्पतिवार की सुबह मध्य प्रदेश के उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर परिसर से गिरफ्तार किया है। उज्जैन के एसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जांच के लिए हमने विकास दुबे को हिरासत में रखा था। कानपुर एसपी का एक पत्र मिलाए जिसमें उन्होंने कहा कि वह वांछित अपराधी है, हमें सौंप दिया जाए। इसलिए हमने जरूरी कागजी कार्रवाई करने के बाद उसे यूपी पुलिस को सौंप दिया है। इससे पहले मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल में मीडिया को बताया, हमने दुबे को गिरफ्तार कर लिया है। उसके दो साथी-बिट्टू और सुरेश भी महाकाल मंदिर से गिरफ्तार किए गए हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि दुबे के बारे में जानकारी कैसे मिली, मिश्रा ने बताया, प्रारंभिक दृष्टि में पता चला था कि वह पूजा करने के लिए गया है। उन्होंने कहा, मंदिर परिसर में तैनात हमारे एक कांस्टेबल घनश्याम को शक हुआ। यह सब प्राइमरी बात है। इसको अंतिम न माने। उसको शक हुआ तो उसने अपने दूसरे साथी को बताया और उसके बाद चार कांस्टेबलों ने उसे (दुबे) एक तरफ बुलाकर बिठा लिया और उसके बाद उसे पुलिस हिरासत में लिया गया।

यह पूछे जाने पर कि क्या मंदिर समिति के लोगों ने भी पहचान की थी और पुलिस को इसके बारे में बताया तो मिश्रा (शेष पेज 9)

उज्जैन में मध्य प्रदेश की पुलिस की गिरफ्त में कुख्यात अपराधी विकास दुबे

दो और साथियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● फरीदाबाद से पकड़ा गया प्रभात हिरासत से भागने की कोशिश में कानपुर में मारा गया

● बेकरू कांड में शामिल रहा बउआ दुबे इटावा में ढेर

कानपुर कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे की उज्जैन में नाटकीय ढंग से हुई गिरफ्तारी से पहले बृहस्पतिवार की सुबह पुलिस ने उसके दो और साथियों को मुठभेड़ में मार गिराया।

पुलिस ने बताया कि कानपुर पुलिस टीम ने फरीदाबाद में गिरफ्तार विकास दुबे के खास प्रभात मिश्रा को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर कानपुर आ रही थी तभी बीच रास्ते में प्रभात ने पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की, इसी दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग भी कर दी। पुलिस ने भी गोली चलाई तो प्रभात घायल हो गया, अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं विकास का दूसरा साथी प्रवीण उर्फ बउआ दुबे भी इटावा में मारा गया। बउआ दुबे पर 50 हजार का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ बिकरू गांव में पुलिस टीम पर हुए हमले में शामिल होने के आरोप में चौबेपुर थाने में केस भी दर्ज था। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार की (शेष पेज 9)

भारत, चीन के बीच कूटनीतिक स्तर की पहली वार्ता जल्द, सीमाई मसले एजेंडा

● दोनों देशों ने दिया वार्ता से आपसी मुद्दे सुलझाने पर जोर, भारत का कड़ा रुख- एलएसी का सख्ती से सम्मान हो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लद्दाख में चीन सीमा पर कम होते तनाव के बीच दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर की पहली वार्ता जल्द हो सकती है। इसमें सीमा से जुड़े मसलों पर बातचीत होगी। दोनों देशों की सेनाओं के बिना अड़चन चौथे दिन पीछे हटने के साथ भारत ने गुरुवार को अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सख्ती से सम्मान होना चाहिए और किसी भी पक्ष को इस आपसी सहमति को तोड़ने के लिए एकतरफा कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

भारत ने दोनों देशों के बीच वार्ता प्रक्रिया को जारी रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इसी तरह चीन ने भी इस पर रजामंदी जताई। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच नए सिरे से कमांडर स्तर की बातचीत शीघ्र होगी। इसमें सीमा से संबंधित मुद्दे पर परामर्श और समन्वय तंत्र पर वार्ता की जाएगी। बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि सीमा पर स्थिति स्थिर बनी हुई है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, सीमा पर तनाव कम हो गया है। दोनों सेनाएं पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले सभी चार स्थानों से कमोबेश पीछे हट चुकी हैं।

यहां पिछले आठ हफ्तों से तनाव की स्थिति बनी हुई थी और गलवान घाटी में 15 जून को खूनी झड़पें भी हुई थीं। नई दिल्ली ने यह भी कहा कि हम सीमाई क्षेत्रों में शांति व्यवस्था स्थापित करने और बातचीत के माध्यम से मतभेदों का समाधान करने की आवश्यकता के साथ-साथ भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए भी दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने देश का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि विशेष प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बनी सहमति के अनुसार सीमा पर तनाव कम करने और सेनाएं पीछे हटाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों के राजनयिक और सैन्य अधिकारी अपनी बैठकें जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की अगली बैठक जल्द होगी।

पिछले पांच दिनों में हुई घटनाओं का क्रमवार ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) ने 5 जुलाई को टेलीफोन पर बातचीत की थी। इसमें भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों पर स्पष्ट और गहन चर्चा की गई। बातचीत के दौरान एनएसए ने गलवान घाटी क्षेत्र सहित एलएसी के साथ हाल के घटनाक्रमों पर स्पष्ट रूप से भारत की स्थिति सामने रखी। एनएसए ने इस संदर्भ में जोर देकर कहा कि भारतीय सैनिकों ने हमेशा सीमा प्रबंधन के प्रति एक बहुत ही जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाया। साथ ही, हमारी सेना भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध रही है। इस वार्ता में दोनों विशेष प्रतिनिधियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सीमा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए शांति आवश्यक है। इस संबंध में उन्होंने (शेष पेज 9)

घाटी में भाजपा नेता हत्याकांड

सवालों के घेरे में पुलिस, बारी की सुरक्षा में तैनात 10 जवान गिरफ्तार

मोहित कंधारी। नई दिल्ली

● लापरवाही बरतने पर कार्रवाई, हमले के वक्त भाजपा नेता के साथ एक भी नहीं था मौजूदः आईजी

● आतंकियों ने बुधवार की देर रात पिता व भाई समेत बारी को उतारा मौत के घाट, उच्चस्तरीय जांच शुरू

हिजबुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्वॉय बुरहान वानी की चौथी बरसी के मौके पर दो करीबी रिश्तेदारों समेत भाजपा नेता शेख वासिम बारी की हत्या ने जहां पुलिस की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं वहीं, घाटी में आतंकवाद की वापसी की आशंका भी पैदा हो गई है।

हत्यारों को पकड़ने के लिए व्यापक अभियान छेड़ने के अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस ने लापरवाही बरतने के आरोप में अपने ही 10 जवानों को गिरफ्तार भी कर लिया है। इन्हें बारी की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था लेकिन जब भाजपा नेता पर जानलेवा हमला हुआ तब इनमें से एक भी उनके साथ मौजूद नहीं था। पिछले साल 5 अगस्त को धारा 370 को हटाने और जम्मू कश्मीर राज्य के पुनर्गठन के बाद, योजनाबद्ध तरीके से किसी राजनीतिक नेता की हत्या का यह एक बड़ा मामला है। इससे पहले 8 जून को आतंकियों ने अनंतनाग के सरपंच को मौत के घाट उतारा था।

बारी हत्याकांड की आरंभिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, लश्कर (एलईटी) के एक स्थानीय आतंकी ने पाकिस्तान के एक विदेशी आतंकवादी के साथ मिलकर इसे अंजाम दिया। बुधवार की देर रात ये दोनों पैदल आए और भाजपा नेता, उनके पिता और भाई के सिर में बेहद करीब से (शेष पेज 9)

सीआईसीएसई बोर्ड 10वीं, 12वीं के नतीजे आज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

काउन्सिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशंस (सीआईसीएसई) बोर्ड 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा के नतीजे शुक्रवार को घोषित करेगा। बोर्ड के सचिव गेरी अराथून ने यह जानकारी दी। अराथून ने बृहस्पतिवार को कहा, कक्षा 10 वीं (आईसीएसई) और कक्षा 12वीं (आईएससी) की वर्ष 2020 की परीक्षाओं के नतीजे शुक्रवार 10 जुलाई को अपराह्न तीन बजे घोषित किए जाएंगे। नतीजे बोर्ड की वेबसाइट और एसएमएस सुविधा के जरिए उपलब्ध कराए जाएंगे। कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर लंबित परीक्षाएं रद्द होने के चलते सीआईएससीई बोर्ड ने पिछले सप्ताह इन दो कक्षाओं के लिए एक वैकल्पिक मूल्यांकन योजना की घोषणा की थी। योजना के मुताबिक, उम्मीदवारों का मूल्यांकन तीन मापदंडों के आधार पर किया जाएगा। इनमें- सर्वश्रेष्ठ तीन विषयों के अंक, उनके आंतरिक मूल्यांकन के अंक और प्रोजेक्ट का मूल्यांकन शामिल है। छात्रों को उन विषयों में से तीन के सर्वश्रेष्ठ प्रतिशत अंकों का एक औसत मिलेगा जिसके लिए बोर्ड परीक्षा हो चुकी है।

कुलभूषण जाधव मामले में कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा भारत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह मौत की सजा पाए भारतीय कुलभूषण जाधव के मामले में कानूनी विकल्पों को टटोल रहा है। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने दावा किया था कि जासूसी के आरोप में सैन्य अदालत से मौत की सजा पाए जाधव ने पुनर्विचार याचिका दायर करने से इनकार कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने यहां एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में कहा, इस चरण में, हम अपने कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम भारतीय नागरिक की जिंदगी बचाने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने अप्रैल 2017 में भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त जाधव को जासूसी और आतंकवाद के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी। इसके कुछ हफ्तों बाद भारत ने जाधव को दूतावास पहुंच नहीं दिए जाने और उसे सुनाई गई मौत की सजा को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में अपील की थी। आईसीजे ने तब पाकिस्तान को सजा पर अमल करने से रोक दिया था। हेग स्थित अदालत ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि पाकिस्तान को जाधव को दोषी ठहराए जाने और सजा पर प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार करना चाहिए और बिना किसी देरी के उसे भारतीय दूतावास की पहुंच उपलब्ध करानी चाहिए।

पाकिस्तान ने बुधवार को कहा था कि जाधव ने विकल्प दिए जाने के बावजूद अपनी सजा के खिलाफ इस्लामाबाद हाई कोर्ट में अपील दायर करने से इनकार कर दिया है। इसके कुछ घंटों बाद ही भारत ने पाकिस्तान के इस दावे को स्वांग करार देते हुए कहा कि जाधव को अधिकार छोड़ने के लिए मजबूर किया गया।

नेपाल ने भारतीय समाचार चैनलों का प्रसारण रोका, दूरदर्शन का प्रसारण चालू

भाषा। काठमांडू

नेपाल ने बृहस्पतिवार को दूरदर्शन को छोड़कर अन्य सभी भारतीय समाचार चैनलों का प्रसारण बंद करते हुए आरोप लगाया कि वो ऐसी खबरें दिखा रहे हैं जिससे देश की राष्ट्रीय भावनाएं आहत हो रही हैं। इस मुद्दे पर भारत की तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। घटनाक्रम के बारे में जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि दिल्ली में नेपाली दूतावास ने भारत सरकार को भारतीय चैनलों द्वारा नेपाल के राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर की जा रही कवरेज पर अपने नजरिए से अवगत करा दिया है। मल्टी सिस्टम ऑपरेटर (एमएसओ) के अध्यक्ष, विदेशी चैनल के वितरक दिनेश सुबेदी ने यहां संवाददाताओं को बताया, हमनें दूरदर्शन को छोड़कर सभी भारतीय समाचार चैनलों का प्रसारण रोक दिया है। उन्होंने कहा, हमनें भारत के निजी समाचार चैनलों का प्रसारण रोक दिया है क्योंकि वे नेपाल की राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करने वाली खबरें दिखा रहे थे। कुछ भारतीय चैनलों द्वारा प्रधानमंत्री केपी शर्मा (शेष पेज 9)

राणा कपूर, वधावन बंधुओं की 2,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● यस बैंक से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यस बैंक से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर और डीएचएफएल कंपनी के वधावन बंधुओं की 2,800 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें लंदन और न्यूयॉर्क के फ्लैट भी शामिल हैं।प्रवर्तन निदेशालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि उसने मनी लांड्रिंग रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत 2,203 करोड़ रुपए की संपत्तियों की कुर्की का अस्थाई आदेश दिया है।

इन संपत्तियों का मौजूदा बाजार मूल्य 2,800 करोड़ रुपए से अधिक है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि इन संपत्तियों में देश और विदेश में अचल संपत्तियां, बैंक खाते, निवेश और लक्जरी वाहन शामिल हैं। ईडी ने कहा कि ये संपत्तियां राणा कपूर और वधावन बंधुओं कपिल और धीर तथा उनके नियंत्रण वाली इकाइयों की है। कपूर (62) और वधावन बंधुओं को जांच एजेंसी ने इसी साल के शुरू में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं। कपूर की कुर्क की गई संपत्तियों में दिल्ली के पॉश इलाके अमृता शेरगिल मार्ग में स्थित बंगला (40 नंबर) शामिल है। इसका मूल्य 685 करोड़ रुपए है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि इसके अलावा कपूर की दक्षिण मुंबई के कंबाला हिल इलाके स्थित आवासीय इमारत खुर्शिदाबाद, मुंबई के नेपियन सी रोड पर तीन डूप्लेक्स फ्लैट, एनसीपीए, नरीमन पॉइंट में एक फ्लैट और वर्ली क्षेत्र में इंडिया बुल्स ब्लू में आठ फ्लैट शामिल हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि कपूर से संबंधित इन संपत्तियों का कुल मूल्य 792 करोड़ रुपए है, लेकिन इनका मौजूदा बाजार मूल्य 1,400 करोड़ रुपए है। ईडी ने कहा कि दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) के मामले में प्रवर्तक भाइयों (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	36,737	↑ 408	
निफ्टी	10,813	↑ 107	
सोना	50,184	↑ 232	/10g
चांदी	52,930	↑ 1275	/kg

क्विक न्यूज

नोएडा प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता यादव सिंह को जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने नोएडा प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता यादव सिंह की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका बुधवार को मंजूर कर ली और सीबीआई अदालत द्वारा तय शर्तों को पूरा करने पर सिंह की रिहाई का निर्देश दिया। यादव सिंह की याचिका मंजूर करते हुए अदालत ने कहा, सीबीआई की यह दलील है कि लॉकडाउन के दौरान अदालतें बंद रही। लेकिन इस दौरान ऐसा तो नही है कि कोई अपराध नही हुआ और ना ही कोई गिरफ्तारी हुई। इसलिए सीबीआई की यह दलील उचित नही है। अदालत ने विशेष अदालत द्वारा तय शर्तों को पूरा करने पर याचिकाकर्ता को तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया। बुधवार को अदालत ने दोनो पक्षो की दलीले सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यूएई जाने-आने वालों को बड़ी राहत, 12 से शुरू होंगी उड़ानें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पहले 15 दिन के लिए होगी व्यवस्था, समीक्षा के बाद भविष्य पर फैसला

भारत और यूएई के बीच 12 जुलाई से उड़ानें शुरू हो जाएंगी। काम, घर या परिवारों में लौटने के लिए बेताब लोगों को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने यह फैसला किया है। यह व्यवस्था 15 दिनों के लिए होगी और 26 जुलाई के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी।

इसके बाद जरूरत के हिसाब से व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। दोनों देषों के बीच उड़ानें संचालित करने का फैसला होने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस ने वंदे भारत मिशन के तहत भारत से यूएई के लिए उड़ानों की टिकट बुकिंग खोल दी। कई लोग भारत से यूएई और अन्य देशों के लिए हवाई यात्रा दोबारा षुरू करने के लिए सोषल मीडिया पर आवाज उठा रहे थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि यूएई हवाई कंपनियों द्वारा संचालित चार्टर विमानों से भारतीय नागरिकों को लाया जाएगा और वापसी में आईसीए अनुमोदित यूएई के निवासियों को ले जाने की अनुमति होगी। मंत्रालय ने कहा कि यूएई से भारतीय नागरिकों को लाने वाले भारतीय विमानन कंपनियों के विमानों को भी आईसीए (फेडरल अथॉरिटी फॉर आइडेंटिटी एंड सिटिजनशिप) अनुमोदित यूएई नागरिकों को ले जाने की अनुमति दी जाएगी। भारत ने कोरोनो वायरस महामारी के कारण सभी निर्धारित (शेष पेज 9)

प्राचीन स्मारकों में शूटिंग के लिए 15-20 दिन के अंदर अनुमति दी जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल ने बृहस्पतिवार को फिल्म उद्योग से कहा कि वे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत आने वाले पुरातत्वीय स्थलों एवं प्राचीन स्मारकों में शूटिंग करें। साथ ही पटेल ने उन्हें आश्वासन दिया कि शूटिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के 15-20 दिन के अंदर ही उन्हें अनुमति प्रदान कर दी जाएगी। यहां फिक्की के एक कार्यक्रम में पटेल ने कहा, इस समय फिल्म उद्योग के लिए विदेशी गंतव्यों पर जाकर शूटिंग करना मुश्किल होगा इसलिए हमने सुझाव दिया कि वे पूर्वोत्तर के राज्यों में जा सकते हैं। उन्होंने कहा, इससे प्रधानमंत्री की लोगों से की गई देश के विभिन्न हिस्सों में घूमने की अपील भी पूरी हो जाएगी। मैंने (शेष पेज 9)

भारत में अभी सामुदायिक संक्रमण नहीं

● कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोत्तरी के बीच सरकार का दावा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चेन्नई स्टेशन पर रेलगाड़ी की प्रतीक्षा में एक श्रमिक की पत्नी और बच्ची

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी के बीच सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत कोविड-19 के सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में अभी नहीं पहुंचा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में ओएसडी राजेश भूषण से जब यह पूछा गया कि क्या भारत सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में पहुंच गया है, तो उन्होंने कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय (हषवर्धन) ने जीओएम के बाद आज भी स्पष्ट किया कि भारत अब भी सामुदायिक स्तर पर संक्रमण के चरण में नहीं पहुंचा है।

कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर संक्रमण फैला है। उन्होंने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश के केवल 49 जिलों में कोरोना वायरस संक्रमण के 80 प्रतिशत मामले हैं। यदि 733 से अधिक जिलों वाले देश के 49 जिलों में 80 प्रतिशत मामले सामने आए हैं, तो सामुदायिक स्तर पर संक्रमण फैलने की बात करना सही नहीं है। भूषण ने कहा कि यदि कोई संक्रमित व्यक्ति पाया जाता है, तो निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत उसके संपर्क में आए लोगों का तीन दिन में पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत, प्रति 10 लाख लोगों में कोविड-19 संक्रमण के मामले और मौत की संख्या की सबसे कम दर वाले देशों में शामिल है। आईसीएमआर (शेष पेज 9)

देश में 24,879 नए मामले, 487 और मौतें हुईं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में एक दिन में कोरोना वायरस के सर्वाधिक 24,879 मामले सामने आने के साथ ही बृहस्पतिवार को संक्रमितों की कुल संख्या 7,67,296 पर पहुंच गई। दिल्ली में 2,187 नए मामले सामने आए और पिछले 24 घंटों में संक्रमण के कारण 45 मौतें हुई हैं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश से करीब 75 फीसदी नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार 487 और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 21,129 हो गई। देश में 4,76,377 लोग स्वस्थ (शेष पेज 9)

हरियाणा में अपराध का ग्राफ 3.75 प्रतिशत तक कम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

2020 के प्रथम 6 माह के दौरान पुलिस ने पेश किए आंकड़े

हत्या, डकैती, अपहरण जैसे जघन्य अपराध में आई गिरावट-डीजीपी

हरियाणा में साल 2020 के प्रथम छह माह के दौरान हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, लूटपाट, फिरौती के लिए अपहरण सहित अन्य जघन्य अपराध के मामलों में कमी आई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल कुल अपराध का ग्राफ 3.75 प्रतिशत तक कम हुआ है।

इस साल जनवरी-जून 2020 के बीच आईपीसी के तहत दर्ज 49,978 मामलों की तुलना में 2019 की इसी अवधि के दौरान 51928 मामले दर्ज हुए। पुलिस द्वारा प्रथम 6 माह की अवधि में हत्या के 84.63 प्रतिशत मामलों, गैर इरादतन हत्या के 100 प्रतिशत, हत्या को प्रयास के 91.75 प्रतिशत, चोट के 97.66 प्रतिशत और अपहरण के 83.59 प्रतिशत मामलों को सफलतापूर्वक सुलझाया गया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मनोज यादव ने इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां बताया कि गत 6 माह में क्राइम अगेंस्ट पर्सन्स के मामलों में 4.06 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जनवरी से जून 2020 में हत्या के मामलों की संख्या 2019 की समान अवधि की तुलना में 590 से घटकर 488 रह गई जो 17.28 प्रतिशत की गिरावट है। हत्या का प्रयास की घटनाओं में भी कमी आई है जो 467 से घटकर 449 रह गई। उन्होंने बताया कि अन्य गंभीर अपराधों में, गलत तरीके से कारावास के मामलों में 957 केस (18.56 प्रतिशत) की कमी आई है। 2019 में जहां 5155 मामले दर्ज हुए थे वही इस साल 4198 मामले पंजीकृत हुए। वहीं क्रिमिनल ट्रैसपास के मामलों पर भी अंकुश लगा है जो इस साल 23 कम पंजीबद्ध हुए हैं।

लड़कों और पुरुषों के अपहरण की वारदातें भी साल 2019 के 350 से घटकर 2020 में 262 रह गई, जोकि 25.14 प्रतिशत कम है। इसी प्रकार, संपत्ति के खिलाफ अपराध की वारदातों का ग्राफ भी कम हुआ है। जनवरी-जून 2020 में सेंधमारी के मामलों की संख्या में 9.67 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2019 के प्रथम 6 माह में जहां 3607 मामले सामने आए, वहीं 2020 की इसी अवधि में यह कम होकर 3258 रह गए। चोरी के मामलों की संख्या में भी 31.12 फीसदी की भारी गिरावट देखी गई जो 11794 से घटकर 8123 रह गई। लूट मामलों की संख्या भी 667 से कम होकर 500 रह गई। पिछले साल 2019 में स्नैचिंग के 1023 मामले रिपोर्ट हुए थे, जो 2020 में 670 तक रह गए।

डकैती का ग्राफ भी अपेक्षाकृत बेहतर रहा जिसमें 10.66 प्रतिशत तक की कमी आई। हालांकि, आईपीसी की धारा 188, जो कानूनन आदेशों के उल्लंघन से संबंधित है, के तहत दर्ज मामलों भी वृद्धि देखी गई, जिनकी संख्या 2019 के 98 मामलों से बढ़कर इस साल 4189 दर्ज की गई। डीजीपी ने कहा कि राज्य में बढ़ाई गई गश्त और पुलिसकर्मियों की पैनी निगरानी से अपराध के ग्राफ को काफी हद तक नीचे लाने में मदद मिली है।

पैनोरमा से लेकर थर्ड गेट तक सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर

सड़क निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी सहन : सुधा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

महाराणा प्रताप चौक के समीप किया सड़क निर्माण।

थानेसर विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि पिपली से थर्ड गेट तक सड़क निमार्ण कार्य को तेजी के साथ पूरा किया जाए। सड़क निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इसलिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सड़क निर्माण कार्य का नियमित रूप से निरीक्षण करे और ठेकेदार से नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट हासिल करते रहे।

इस निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाना है। वे वीरवार को सेक्टर 7 आवास से दूरभाष पर पिपली से लेकर थर्ड गेट तक सड़क निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट के बारे में फीडबैक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के कारण पिपली से थर्ड गेट तक बन रही सड़क में ठेकेदार को मैटिरियल प्राप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा था, जिसके कारण इस सड़क का निर्माण कार्य धीरे-धीरे चल रहा है। प्रोजेक्ट पर 57 करोड़ 35 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी और सिक्स लेन की सड़क के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को प्रोजेक्ट को तेज गति के साथ करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पैनोरमा से लेकर थर्ड गेट तक सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है और पिछले दो दिन पहले पैनोरमा के सामने से काली बजरी डालने का काम शुरू कर दिया था, लेकिन बरसात के कारण इस कार्य को रोकना पड़ा, इतना ही नहीं थर्ड गेट तक मैटलिंग का कार्य किया जा रहा है और मोहन नगर आरओबी पर एक तरफ लैग से सड़क की कटाई का काम शुरु कर दिया गया है। इस प्रोजेक्ट के बारे में लोक निर्माण विभाग को स्पष्ट आदेश दिए गए है कि जिस-जिस जगह पर सड़क की हालत काफी खस्ता है, उस जगह पर सबसे पहले कार्य किया जाए। विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को सख्त आदेश दिए गए है कि सड़क निर्माण कार्य रुकना चाहिए और इस प्रोजेक्ट को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाना जरूरी है।

शहीद फ्लाइट लेफ्टीनेंट आशीष तंवर के नाम से होगा दीघौट का राजकीय विद्यालय

शहीद को सम्मान देते हुए ग्राम पंचायत के सर्वसम्मति प्रस्ताव को दी सरकार ने मंजूरी

पलवल। पलवल जिला के गांव दीघौट के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नाम शहीद फ्लाइट लेफ्टीनेट आशीष तंवर कर दिया है। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि शहीद आशीष तंवर वायु सेना में फ्लाइट लेफ्टीनेंट के पद पर कार्यरत थे, जिनका 02 जून 2019 को अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले में भारतीय वायु सेना के एएन-32 विमान दुर्घटना में निधन हो गया। उन्होंने बताया कि शहीद आशीष तंवर ने साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करने में अपने प्राणों का बलिदान दिया।

उल्लेखनीय है कि इंडियन एयरपोर्स के एएन-32 विमान ने असम के जोरहाट से अरुणाचल के मेंचुका के लिए तीन जून को उड़ान भरी थी, जिसका करीब आधे घंटे बाद ही संपर्क टूट गया था। विमान में पलवल निवासी आशीष तंवर सहित 13 जवान सवार थे। 13 जून को सर्च अभियान दल ने विमान तक पहुंचकर सभी 13 जवानों की मृत्यु होने की पुष्टि कर दी थी। उपायुक्त ने बताया कि दीघौट गांव की पंचायत ने सर्वसम्मति से शहीद को सम्मान देते हुए गांव दीघौट के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नाम बदलकर शहीद फ्लाइट लेफ्टीनेंट आशीष तंवर रखने के लिए प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखा। उपायुक्त पलवल ने प्रदेश सरकार के नियमानुसार गांव दीघौट के राजकीय विद्यालय का नाम बदलकर शहीद फ्लाइट लेफ्टीनेंट आशीष तंवर रखने का निर्णय लिया है।

नप में शामिल करने के विरोध में ढाणी किरारोद अफगान पंचायत पहुंची सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नारनौल

इससे पूर्व सरपंचों ने ज्ञापन देकर की नगर परिषद में शामिल ना करने की मांग

नगर परिषद में आसपास के गांव शामिल करने के विरोध में ढाणी किरारोद अफगान की पंचायत ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट की डबल बैंच में याचिका दायर की गई है। पंचायत को आशा है कि उनकी याचिका पर शीध्र सुनवाई हो सकती है। यदि याचिका पर सुनवाई होती है तो नारनौल की कुछ उन पंचायतों मे से भी कोर्ट में जा सकती है जो नगर परिषद में शामिल होने से इंकार कर रही है। शहर के साथ लगते गांवो को पंचायत की बजाय नगर परिषद में शामिल किये जाने का विरोध लगातार जारी है।

गांव पटिकरा, कोजिन्दा, शाहपुर व नूनी अव्वल के सरपंचों ने इस संबंध में जिला प्रशासन को अपने अपने ज्ञापन सौंप कर इन गांवों को नगर परिषद के दायरे से बाहर रखने की मांग कर रखी है। इससे पहले ग्राम पंचायत नीरपुर व नसीबपुर द्वारा भी उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जा चुका है। पटिकरा के सरपंच सुभाष यादव ने नगर परिषद में शामिल किये जाने के विरोध को लेकर बताया की सरकार ने नगर पालिका अधिनियम 1973 की धारा 5 व 6 के तहत इन गांवों को नगर परिषद में शामिल करने की अधिसूचना जारी की है। इसलिए इन सभी गांवों की पंचायतों ने प्रस्ताव पारित कर सरकार से अनुरोध किया है कि उनके गांवों को नगर परिषद में शामिल न किया जाए। उन्होंने कहा इन गांवों के लोगों की आजीविका पशुपालन व कृषि के ऊपर ही निर्भर है, नगर परिषद में आने के बाद इतने टैक्स लग जाएंगे को लोगो का जीना मुहाल हो जाएगा। इस अवसर पर कोजिन्दा के सरपंच विनोद कुमार, नूनी अव्वल की सरपंच कुमारी पूनम आदि उपस्थित थे।

विवाहिता की मौत पति गिरफ्तार

रेवाड़ी। जिले के गांव लाधूवास अहीर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इधर मायका पक्ष ने इसे दहेज के लिए की गई हत्या करार देते हुए पति सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया। पुलिस ने शिकायत के बाद पति को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला अलवर के गांव श्योपुर निवासी मृतका के पिता कैलाश ने पुलिस को शिकायत दी कि उनकी बेटी की दहेज को लेकर हत्या की गई है। उन्होंने शिकायत में कहा कि आठ साल पहले कविता की शादी लाधूवास गुर्जर निवासी रामपाल के बेटे कृष्ण कुमार से की थी। शादी के बाद से ही पति व सास द्वारा दहेज की खातिर कविता को प्रताड़ित किया जा रहा था। इसको लेकर पंचायत भी हुई थी तथा बाद में उनके खिलाफ मुंडावर थाना में केस भी दर्ज कराया था। शिकायत में कहा गया कि सामाजिक रूप से हुए फैसले के बाद अगस्त 2019 को कविता वापस अपने ससुराल आ गई थी, लेकिन उसे प्रताड़ित करने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा।

स्कूल संचालक व तहसीलदार के खिलाफ रेप का मामला दर्ज

सामाजिक संस्थाओं ने आईजी को ज्ञापन देकर मामले की जांच कर सच्चाई लाने की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

एक महिला की शिकायत पर महिला थाने में शहर के एक नामी स्कूल संचालक व तहसीलदार के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया है। वहीं सामाजिक संस्थाओं ने आईजी को ज्ञापन देकर इस मामले की जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

महिला थाना पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर प्रताप पब्लिक स्कूल के संचालक अजय भाटिया, तहसीलदार करनाल राजबक्श व एक अन्य महिला के खिलाफ दर्ज मामले में कोई अधिकारी बोलने से परहेज कर रहा है। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला का कहना है कि वह स्कूल में असिसटेंट लाइब्रेरियन के पद पर काम करती थी। इस दौरान ज्यादा वेतन देने का कह कर उसके साथ गलत काम किया। जब उसने इसकी शिकायत करनी चाही तो उसके खिलाफ ही संचालक ने शिकायत कर दी। दोनों कथित आरोपी सामने आकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। हालाकि यह मामला दिनभर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। इस मामले को लेकर गुरुवार को शहर की सामाजिक संस्थाओं ने आईजी भारती अरोडा को ज्ञापन देकर इस मामले की सच्चाई को सामने लाने की मांग की।

ज्ञापन देने वाली संस्थाओं में निफा, अभिभावक एकता मंच, यस हुई कैन, वायस आफ इंडिया सहित अन्य संस्थाओ के प्रतिनिधि शामिल रहे। निफा के चेयरमैन प्रीतपाल सिंह पन्नू ने बताया कि ज्ञापन में कहा गया है कि नामी स्कूल संचालक व तहसीलदार करनाल के खिलाफ रेप का मामला दर्ज होना समाज के लिए बेहद परेशान करने वाला है। उन्होंने कहा कि जिन कंधों पर संस्कारों के प्रचार व रक्षा की जिम्मेदारी है अगर वह लोग ऐसे कार्यों में संलिप्त होगे तो समाज को ऐसे अपराधो से कौन बचाएगा।

उन्होंने कहा कि इस मामले को दबाया नहीं जाना चाहिए बल्कि इसकी सच्चाई सामने लाई जाए ताकि दूध का दूध ओर पानी का पानी हो सके। उन्होंने कहा कि जांच होने तक तहसीलदार को निलम्बित कर यहा से हटाया जाए ताकि वह जांच को प्रभावित न कर सके। उन्होंने कहा कि आई जी महिला होने के कारण इस मामले की तह तक जाकर सच्चाई को जनता के सामने लाए।

मैक्स सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल, वैशाली में सफलतापूर्वक स्वैप रीनल ट्रांसप्लांट किया

किडनी प्रत्यारोपण के दोनों रोगियों की रिकवरी अच्छी हो रही है

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सामुदायिक सद्भाव की अनुकरणीय मिसाल पेश करते हुए, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली ने किडनी प्राप्तकर्ताओं और किडनी दाताओं की सहमति से एक बेहद सफल रीनल स्वैप ट्रांसप्लांट सर्जरी को सफल अंजाम दिया। हालांकि पहले मामले में प्राप्तकर्ता और दाता के ब्लड ग्रुप कम्पैटिबल नहीं थे, जबकि दूसरे मामले में, ब्लड ग्रुप मेल नहीं खा रहे थे। मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए और साथ ही कोविड-19 के इस कठिन समय के कारण, यह प्रत्यारोपण किडनी प्राप्तकर्ताओं के जीवन को बचाने के लिए दाताओं के अंगों की अदला-बदली का एक मिसाल पेश करता है।

नूर हसन और रोहित वत्स क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित थे और ये दोनों ही इलाज के लिए फरवरी में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली आये थे। इन दोनों को तत्काल किडनी प्रत्यारोपण कराने की आवश्यकता थी। हापुड़ के 25 वर्षीय हसन का ब्लड ग्रुप ए निगेटिव था। उसकी पत्नी बाबी सोफिया संभावित दाता थी, लेकिन उसका ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव था। इस कारण दाता के रूप में कम्पैटिबल नहीं थी। उसी दौरान, मुजफ्फरनगर के बी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप वाले 36 वर्षीय रोहित वत्स भी गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए अस्पताल आये। वत्स के पिता, राजेंद्र कुमार अपनी किडनी दान करने के लिए तैयार थे, लेकिन उनका ब्लड ग्रुप ए पॉजिटिव होने के कारण, उनके ब्लड ग्रुप पूरी तरह से बेमेल थे।

मैक्स हॉस्पिटल, वैशाली में नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट मेडिसिन की निदेशक डॉ. नीरू अग्रवाल ने कहा, नूर हसन की किडनी हाई ब्लड प्रेशर के कारण फेल हो गई थी और जब वह हमारे पास आये थे, उस समय बहुत बीमार थे। उनका हृदय भी बहुत खराब ढंग से कार्य कर रहा था और उनकी स्थिति तेजी से बिगड़ रही थी इसलिए हमें पहले उन्हें स्थिर करने पर काम करना था। रोहित वत्स मधुमेह से पीड़ित थे और उनका रीनल फेल्योर हो गया था। हालांकि उनके पिता किडनी दान करना चाहते थे, लेकिन उनके ब्लड ग्रुप मेल नहीं खा रहे थे। इसका मतलब यह था कि हमे एक एबीओ- इनकम्पैटिबल ट्रांसप्लांट का विकल्प चुनना पड़ता। लेकिन, यह बहुत अच्छा विचार नहीं था क्योंकि रोहित के रक्त में उसके पिता के खिलाफ एंटीबॉडी बहुत अधिक थे और ग्राफ्ट के लंबे समय तक सफल रहने की संभावना कम थी। इसके अलावा, इसमें खर्च भी बहुत अधिक आता।

टाटा स्टील बीएसएल ने वन महोत्सव के दौरान यूपी के अपने परिचालनों में 10000 पौधे लगाए

एक दिन में यूपी सरकार के रिकॉर्ड 25 करोड़ पौधारोपण में योगदान दिया

वित्तीय वर्ष में अपने ग्रीन ड्राइव के तहत 1,10,000से अधिक पौधे लगाएगी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

टाटा स्टील बीएसएल की साहिबाबाद इकाई ने वन महोत्सव के अवसर पर उत्तर प्रदेश के अपने परिचालन स्थानों पर 10,000 पौधे लगा कर राज्य सरकार के मेगा प्लांटेशन अभियान में सबसे बड़ा योगदान दिया। स्टील कंपनी ने हापुड़ जिले के पिलखुवा स्टॉक यार्ड में पांच अलग-अलग स्थानीय प्रजातियों के 9500 पौधे लगाए हैं। राज्य के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद में ट्यूब प्लांट में 500 पौधे लगाए।

इस पौधारोपण ने उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा पूरे राज्य में 5 जुलाई, 2020 को एक ही दिन में 25 करोड़ पौधे लगाने की व्यापक हरित पहल में योगदान दिया। रोपे गए पौधे के विकास और उत्तरजीविता की निगरानी के लिए पौधों को (पौधारोपण प्रबंधन प्रणाली-पीएमएस) नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जियो-टैग किया गया है। सस्टेनेबिलिटी की अपनी यात्रा के तहत टाटा स्टील बीएसएल ने अपने परिचालन स्थानों में इस वित्तीय वर्ष में 1,10,000 और पौधे लगाने की योजना बनाई है। इससे पहले विश्व पर्यावरण दिवस पर कंपनी ने ओडिशा के धेंकनाल जिले में 1300 पौधे लगाए थे।

हनुमान मंदिर के महंत राघव दास शास्त्री को मारने की दी थी सुपारी

कैथल। महंत रामभज दास हत्याकांड व लूट मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे 2 आरोपियों से पूछताछ करते हुए सीआईए-1 द्वारा आरोपियों द्वारा प्रयुक्त की गई सोनीपत से चोरी की टाटा नैक्सन कार और बाबा के खून से सना हुआ डंडा बरामद किया है। दोनों आरोपी 9 जुलाई को अदालत में पेश कर दिए गये, जहां से दोनों को न्यायालय के आदेशानुसार 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक मंहत द्वारा कैथल के एक प्राचीन मंदिर की गद्दी हथियाने के लिए मंदिर के वयोवृद्ध पुजारी की हत्या के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी थी। योजना अनुसार वयोवृद्ध पुजारी की हत्या का आरोप उसकी मौत उपरांत गद्दी को प्राप्त करने की दावेदारी करने वाले एक अन्य पुजारी पर मढ़ने की योजना थी। परंतु योजना के सिरे चढ़ने से पूर्व ही एंडवास पैसे लेन-देन की वजह कारण दोनों पक्षों के मध्य हुए झगड़े में आरोपियों द्वारा मारी गई चोटों के कारण महंत रामभज दास की मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

पाल गडरिया समाज को एससी-बी श्रेणी में शामिल करने की मांग

रादौर। हरियाणा वाल्मीकि महापंचायत की बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कर्मवीर पोटली ने की। उन्होंने कहा कि पाल गडरिया समाज को सरकार की ओर से एससी श्रेणी में शामिल किया गया है, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उन्हें एससी वर्ग की कौन सी श्रेणी में शामिल किया जाएगा। वह प्रदेश सरकार से मांग करते हैं कि गडरिया समाज को एससी बी श्रेणी में शामिल किया जाए। क्योंकि एससी ए श्रेणी में जातियों की संख्या पहले से ही ज्यादा है। इस समय एससी ए श्रेणी में 36 जातियां शामिल की गई हैं। जबकि एससी-बी श्रेणी में जातियों की संख्या महज 6 है। इसलिए यह जरूरी है कि पाल समाज को एससी बी श्रेणी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार यदि गडरिया समाज को ए श्रेणी में शामिल करती है, तो हरियाणा वाल्मीकि महापंचायत मजबूरन विरोध करने पर विवश होगी। उन्होंने कहा कि सरकार को वाल्मीकि समाज के हितों को ध्यान में रखकर यह फैसला लेना चाहिए। वाल्मीकि समाज ने हमेशा से ही सरकार के हित में कार्य किया है। इसलिए सरकार को भी उनके हितों की तरफ ध्यान देना होगा। इस अवसर पर मनोज वाल्मीकि, शन्टी बिढलान, अमन वाल्मीकि, अमित बिढलान आदि मौजूद थे।

पीटीआई शिक्षक ने अर्धनग्न होकर जताया रोष

कुरुक्षेत्र। हरियाणा शारिरिक शिक्षक संघर्ष समिति का धरना लघु सचिवालय समक्ष 25वें दिन भी जारी रहा। वीरवार को क्रमिक अनशन पर बैठने वालों में अनिल कुमार, कर्मवीर सिंह, राजेश कुमार और मनोज कुमार शामिल रहे। धरने पर बैठे पीटीआई शिक्षक संजीव गुप्ता ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया और सरकार के प्रति रोष प्रकट किया। धरने को समर्थन देते हुए शहीद सेवा दाल के राज्य प्रधान संसार सिंह व जिला प्रधान रिंकू पंडित ने सरकार कि कर्मचारी विरोधी नीति का पुरजोर विरोध किया। इसके अतिरिक्त भारतीय किसान यूनियन, सर्व कर्मचारी संघ, वाल्मीकि अम्बेडकर कर्मचारी एसोसिएशन, हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ, सर्व कर्मचारी महासंघ, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, पुरानी पैंशन बहाली संघ, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ व अन्य संगठनों ने मिलकर धरने पर समर्थन दिया। इस अवसर पर रणधीर सिंह सैनी, रमन शर्मा, अनिल मोर, नरेन्द्र शर्मा, श्याम सुंदर, राजेश, कर्मवीर राणा कमला, मनोज, प्रवीण, अंजू वेदी, पिंकी देवी, जसप्रीत, जयभगवान आदि जिला के सभी पीटीआई व डीपीई उपस्थित रहे।

कैथल में मिले दो ओर कोरोना पॉजिटिव केस

कैथल। जिलाधीश सुजान सिंह ने कैथल स्थित रामनगर की गली नंबर 6 तथा फतेहपुर में गुरु ब्रह्मानंद चौक पाई रोड नजदीक क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव केस मिलने पर कंटेनमेंट जोन बनाकर सील करने के आदेश जारी किए गए हैं। इन जगहों पर आवागमन पर पूर्णत: पाबंदी रहेगी। इसके साथ-साथ इन क्षेत्रों के आसपास 3 किलोमीटर की परिधि में पड़ने वाले क्षेत्र को बफर जोन घोषित किया है। रामनगर की गली नंबर छह जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता कर्मवीर सिंह और नायब तहसीलदार सुभाष चंद्र को फतेहपुर कंटेनमेंट जोन का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिलाधीशन सुजान सिंह ने दोनों कंटेनमैंट जोन में बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से मुहैया करवाई जाएगी।

नाबालिग की शादी कराने के मामले में माता-पिता गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। नाबालिग लड़की की शादी रचाने के मामले में महिला थाना पुलिस ने माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने बताया कि लाडवा की एक कॉलोनी की रहने वाली नाबालिग लड़की ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी कि सीवन का रहने वाला गगन पुत्र नवीन मिड्ढा काफी समय से आ रहा था। अक्सर उसके घर पर अपने माता-पिता को भी लेकर आता था। नजदीकियां बढ़ाते हुए उसने घर में उसे अकेला देख जबरन शारीरिक संबंध बना डाले। यह सिलसिला कई बार चला। शादी का दबाव बनाने उपरांत उससे परिजनों ने शादी कर दी। शादी के बाद पति गगन, ससुर नवीन मिड्ढा, सास निशा मिड्ढा व गगन का मित्र सुमित आदि उसे दहेज के लिए मारपीट व प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता के मुताबिक गगन उसे मोबाइल पर अश्लील फिल्म दिखाता। पुलिस ने इस मामले में महिला थाना में ससुराल पक्ष के लोगों के साथ-साथ पीड़िता के माता-पिता को भी नामजद करते हुए विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। महिला थाना प्रभारी सुनीता रावत ने जांच महिला अधिकारी तारो देवी को सौंपी थी। पुलिस ने जांच करते हुए नाबालिग लडक़ी की शादी रचाने के मामले में पिता सुभाष व मां किरण बाला को लाडवा से गिरफ्तार कर लिया है।

पीटीआई शिक्षकों को झूठ के आधार पर बरगला रहे सुरजेवाला

कैथल। स्थानीय भाजपा विधायक लीला राम ने पूर्व मंत्री रणदीप सिंह सुरजेवाला पर करारा प्रहार करते हुए कहा है कि पिछली सरकार में विधायक होते हुए भी पांच सालों में विधानसभा का मुंह भी न देखने वाले सुरजेवाला अब 1983 पीटीआई अध्यापकों की बहाली के लिए कानून बनाने की बात करते हैं। जनसमस्याएं सुनते हुए विधायक ने कहा कि रणदीप सिंह सुरजेवाला यहां से विधायक रहते हुए भाजपा सरकार के पहले प्लान में केवल सात बार विधानसभा में पहुंचे ऐसे प्रतिनिधि जिन्होंने विधायक रहते हुए विधानसभा पहुंचकर लोगों के दुख दर्द और मुद्दों को उठाने की जहमत तक न उठाई हो वो इन अध्यापकों की बहाली का दावा किस आधार पर कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में कैथल विधानसभा क्षेत्र अभूतपूर्व विकास की ओर मुख्यमंत्री की अगुवाई में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यही बात रणदीप सिंह सुरजेवाला को शायद पचाना मुश्किल हो रहा है। सीधे-सीधे वो बेबुनियाद अनाप शनाप बयानबाजी करके लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने का असफल प्रयास करते रहते हैं, लेकिन विस क्षेत्र की जनता ने उन्हें सिरे से नकार दिया।

कनाडा भेजने के नाम पर लाखों हड़पने वाले तीन पर केस

कुरुक्षेत्र। वर्क परमिट वीजा पर कनाडा भेजने का झांसा देकर लाखों रुपये के मामले में पुलिस ने दम्पत्ति सहित तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर-3 निवासी सुखचैन सिंह पुत्र अजीत सिंह ने शिकायत की कि वह काफी समय से कनाडा जाना चाह रहा था। 2018 में उसकी मुलाकात पुरानी नीलोखेड़ी के रहने वाले गौरव, नीलम व अमित के साथ हुई। बातचीत के दौरान इन तीनों ने उसे कहा कि वर्क वीजा पर वह तुम्हें कनाडा भेज सकते हैं। इन लोगों ने कहा कि उनका मोहाली में रुद्राक्ष ग्रुप के नाम से कार्यालय बना हुआ है। इन लोगों की बातों पर यकीन करते हुए सौदा तय होने पर साढे 11 लाख रुपए दे दिए। कई माह बीत जाने के बाद भी भुगतभोगी को कनाडा नहीं भेजा।

कमिश्नर सिस्टम खत्म होने की अफवाह पर विराम

सुरक्षा समिति के अध्यक्ष होंगे नोएडा और लखनऊ के पुलिस कमिश्नर

रिंकू यादव। नोएडा

आलोक सिंह

लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर में सुरक्षा समिति के अध्यक्ष अब पुलिस कमिश्नर होंगे, जिलाधिकारी को अब जिला सुरक्षा समिति का सदस्य बना दिया गया है। जीवन भय के आधार पर आयुक्त की अध्यक्षता वाली समिति 6 महीने के लिए लोगों को गनर दे सकेगी गृह विभाग ने मंत्री परिषद में सुरक्षा मामलों की नीति में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। गौतमबुद्ध नगर और लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम को खत्म करने की अफवाहों को उत्तर प्रदेश सरकार ने विराम लगा दिया है।

लखनऊ में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नोएडा और लखनऊ के पुलिस कमिश्नर को और शक्तिशाली बनाया गया है। अब जिले में गनर, शैडो और गारद मुहैया कराने का अधिकार पुलिस कमिश्नर के पास होगा पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में ही जिले की सुरक्षा समिति काम करेगी। मंत्री परिषद के कार्यवृत्त पर बुधवार की देर रात शासन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनपद गौतमबुद्ध नगर और लखनऊ के शहरी क्षेत्रों में पुलिस कमिश्नर प्रणाली स्थापित हो गई है।

ऐसे में सुरक्षा के लिए गनर, शैडो और गारद उपलब्ध कराए जाने की नीति में बड़े बदलाव किए गए हैं। गृह विभाग की ओर से संशोधित नीति का प्रस्ताव मंत्रीपरिषद के समक्ष प्रस्तुत किया था, जिसे मंजूरी दे दी गई है।

अब नई नीति के मुताबिक गौतमबुद्ध नगर और लखनऊ में सुरक्षा के लिए गनर, शैडो और गारद उपलब्ध करवाने के लिए समिति गठित की जाएगी। इस समिति के अध्यक्ष पुलिस कमिश्नर होंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त इसके सदस्य होंगे। जिला अधिकारी स्वयं या अपर जिलाधिकारी स्तर के अफसर को बतौर सदस्य नामित कर सकते हैं। एसीपी, इंस्पेक्टर और एलआईयू के इंस्पेक्टर इस समिति के सदस्य रहेंगे।

अभी तक जिला सुरक्षा समिति के अध्यक्ष डीएम होते थे। पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में गठित सुरक्षा समिति जिले में किसी भी व्यक्ति अथवा महानुभाव को जीवन भय के आधार पर सुरक्षा उपलब्ध करवाएगी। यह समिति जीवन भय वाले व्यक्ति को शुरुआत में 2 माह के लिए सुरक्षा देगी। दो-दो माह के लिए दो बार इस समिति को सुरक्षा आगे बढ़ाने की शक्ति दी गई है।

कमिश्नर की अध्यक्षता वाली समिति 6 माह के लिए सुरक्षा प्रदान कर सकती है। समय-समय पर सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा करने का अधिकार होगा। पुलिस और लोकल इंटेलिजेंस से मिलने वाली रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा को बढ़ाया, घटाया अथवा खत्म किया जा सकता है।

डीएम को भी बनाया गया समिति का सदस्य

नए सिस्टम के तरह जिलाधिकारीको अब समिति का सदस्य बना गया है। सुरक्षा देने के बाद पुलिस की यह जिम्मेदारी भी होगी कि उसके जीवन भय के कारण का निराकरण किया जाए। अगर 6 माह के बाद भी उस व्यक्ति को सुरक्षा की आवश्यकता है तो पुलिस कमिश्नर शासन को रिपोर्ट भेजकर सुरक्षा आगे के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव और सिफारिश भेजें। छह महीने की सुरक्षा अवधि पूर्ण होने से पहले पुलिस कमिश्नर और उनकी समिति सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगी। आगे कोई भी बदलाव करने की शक्तियां मंत्रिपरिषद ने योगी को दे दी हैं।

राजधानी में कोरोना रिकवरी रेट 74 फीसद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण का कहर थमने का नाम नहीं ले रह है। गुरुवार को दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 2033 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 48 लोगों ने दम तोड़ा है। वहीं, संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,04,864 गई है। इसके अलावा कोरोना

● पिछले चौबीस घंटे में आए 2033 मरीज, 48 लोगों की हुई मौत

वायरस की इस महामारी की वजह से अब तक 3,213 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। दिल्ली सरकार के अनुसार रिकवरी रेट 74 फीसद हो गया है। दिल्ली में गुरुवार को 9,461 आरटी-पीसीआर और 12,567 रेपिड एंटीजन टेस्ट किए गए हैं। कुल मिलाकर दिल्ली में आज 22028 टेस्ट हुए हैं। इसके अलावा दिल्ली में अब तक कुल 7,01,859 टेस्ट हुए हो चुके हैं।

दिल्ली सरकार के मुताबिक, राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के 2033 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 1,04,864 पहुंच गया है। इस समय कोरोना के 23,452 एक्टिव केस हैं, जबकि बुधवार को यह संख्या 25,449 थी। वहीं, अब तक 78,199 लोग कोविड-19 की महामारी को मात देकर घर लौट चुके हैं, जबकि सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में कोविड-19 से 48 लोगों की मौत हुई। इसके साथ मरने वालों को आंकड़ा बढ़कर 3213 हो गया है। हालांकि राहत की बात ये है कि इस दौरान करीब चार हजार लोग ठीक होने के बाद डिस्चार्ज भी हुए हैं।

पराली के धुएं से बचने की रणनीति बनी

● मुख्य सचिवों से मांगा एक्शन प्लान, किसानों को प्रोत्साहन राशि पर सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सर्दियों के दौरान दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और पराली के धुएं पर अंकुश के लिए पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) की बृहस्पतिवार को अहम बैठक हुई।

ईपीसीए के अधिकारियों ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और केंद्र के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिये प्रदूषण के पर उठाए गए कदमों की समीक्षा की।

बैठक में कोरोना के मद्देनजर राश्ट्रीय राजधानी को हरियाणा-पंजाब से आने वाले पराली के धुएं से हर हाल में बचाने पर मंथन हुआ। राज्यों के बीच इस तरह की समीक्षा हर दो हफ्ते में होगी। इस समीक्षा बैठक में यह तय होगा कि हमें वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए क्या-क्या कदम उठाने हैं। लिहाजा, इससे निपटने की तैयारी शुरू कर दी गई है। समय रहते एक्शन प्लान बन गया तो उसकी खामियां दूर करना भी आसान होगा। गौरतलब है हर साल अक्टूबर से पराली के धुएं की वजह से दिल्ली-एनसीआर में दमघोंटू प्रदूषण शुरू हो जाता है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से उनकी तैयारी का ब्योरा मांगा गया है।

गर्भवती की कोरोना जांच पर भ्रम, सरकार को कोर्ट की लगी फटकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रसव या जरूरी इलाज के लिए अस्पताल जाने वाली हर गर्भवती महिला को कोविड-19 की जांच कराने की जरूरत है या नहीं, इस बारे पर स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को आप सरकार की खिंचाई की।

अदालत ने कहा कि एक सही मुद्दे को नौकरशाही के जाल में उलझा दिया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर जांच जरूरी है तो कम से कम समय में नमूना लेकर नतीजा बताना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने कहा कि जनहित याचिका दायर होने के बाद से दिल्ली सरकार को गर्भवती महिलाओं की तेजी से जांच करने और नतीजे देने के लिए चार-पांच मौके दिए गए लेकिन इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। पीठ ने कहा, एक जरूरी मानवीय समस्या को नौकरशाही में उलझा दिया गया। यह पूरी तरह से अक्षम्य है।

कोरोना संक्रमण से दिल्ली पुलिस के एएसआई की मौत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए दिल्ली पुलिस के सहायक उप निरीक्षक की बृहस्पतिवार सुबह अस्पताल में मौत हो गई।

जीवन सिंह दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के मोटर ट्रांसपोर्ट विभाग में तैनात थे। पुलिस के अनुसार 21 जून को सिंह के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी और 23 जून को उन्हें आईबीएस लाजपत नगर में भर्ती कराया गया था।

उन्होंने बताया कि 27 जून को उन्हें गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकीप्लाज्मा थेरेपी भी की गई लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं आया। पुलिस उपायुक्त सुमन नालवा ने बताया कि वह वेंटिलेटर पर थे।

85 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग दंपति ने दी कोविड-19 को मात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में 87 साल की महिला और अल्जाइमर से पीड़ित उनके 90 वर्षीय पति ने कोरोना को मात दे दी है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बुजुर्ग दंपति का इलाज करने वाले शहर के एक अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में बुजुर्गों की सबसे अधिक मौत होने के आंकड़ों को देखते हुए इस दंपति का स्वस्थ होना अन्य मरीजों के लिए आशा की किरण है। 25 मई को 87 वर्षीय महिला को कूल्हे में फ्रैक्चर के बाद अस्पताल लाया गया था और उन्हें तुरंत सर्जरी कराने की सलाह दी गई थी। सर्जरी से पहले उनकी कोविड-19 की जांच की गई और वह संक्रमित पाई। इसके बाद उनके परिवार के सदस्यों की भी जांच की गई और उनके पति भी संक्रमित पाए गए।

दंपति को शुरुआत में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला जांच में संक्रमित नहीं पाई गई तो उनकी सफल सर्जरी की गई। सीनियर कंसल्टेंट एवं ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. यतींद्र खरबंदा ने बताया, अधिक उम्र के और कई बीमारियों से पीड़ित लोगों को कोविड-19 से सबसे अधिक खतरा है और उनकी सबसे अधिक मौत हुई हैं।

मुंडका के माल गोदाम में लगी आग पर पाया काबू

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मुंडका में एक मालगोदाम में लगी आग पर आठ घंटे के अभियान के बाद काबू पा लिया गया। दिल्ली दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस आग में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि बुधवार रात 10 बजे आग के संबंध में जानकारी मिली थी जिसके बाद दमकल के 34 वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया था। बृहस्पतिवार को सुबह छह बजे तक आग पर नियंत्रण पा लिया गया।

नपेंगे नोएडा में वायु सेना की जमीन हड़पने वाले

● डीएम और पुलिस कमिश्नर को कोर्ट ने कार्रवाई का आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिला अदालत ने वायुसेना भूमि घोटाले को के आरोपियों को जमानत अर्जी खारिज कर दी।

उनके खिलाफ चल रहे मुकदमों की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश पुलिस आयुक्त को दिया है। साथ ही गौतमबुद्ध नगर के जिला अधिकारी को आदेश दिया है कि वह पूरे मामले की जांच करें। भूमि घोटाले को अंजाम देने वाले लोगों पर कार्रवाई करें।

इस बारे में उत्तर प्रदेश सरकार और रक्षा मंत्रालय को अवगत कराएं। अभियुक्तों की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार पांडेय की अदालत ने जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त को पूरे मामले में संज्ञान लेने और सभी जिम्मेदार आरोपियों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। न्यायालय की ओर से आदेश पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को भेजा गया है। अदालत ने ग्रेटर नोएडा में दर्ज दो मुकदमों की जांच कर रहे आईओ पर कठोर कार्रवाई करने के लिए पुलिस आयुक्त को आदेश भेजा है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार पांडे ने गौतम बुध नगर के पुलिस कमिश्नर को आदेश दिया है कि मामले की जांच कर रहे इंस्पेक्टर एनपी सिंह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

अंतिम वर्ष की परीक्षाओं की जानकारी दे डीयू: हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को 10 जुलाई से 15 अगस्त के बाद तक स्थगित की गई स्नातक की अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के कार्यक्रम ब्योरा देते हुए हलफनामा दाखिल करने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालय से कहा कि हलफनामे में यह ब्योरा दिया जाए कि वह परीक्षाएं ऑनलाइन, ऑफलाइन या दोनों तरह से कैसे कराएगा और इसके अलावा उसमें प्रस्तावित तारीखों का पूरा विवरण भी दे, ताकि छात्रों को स्पष्टता मिल सके।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सुब्रहमण्यम प्रसाद की एक पीठ ने कहा, हम सभी परीक्षा प्रक्रिया से गुजरे हैं और यह छात्रों के लिए काफी मशक्कत वाली होती है।

अदालत ने वकील सचिन दत्ता द्वारा अतिरिक्त समय की मांग करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। दत्ता ने कहा था कि यूजीसी एक नई योजना बनाने के लिए विश्वविद्यालय को समय चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में निवेश को दिया प्रोत्साहन : सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री ने दिल्ली की अर्थव्यवस्था में निवेश करने के लिए खुदरा और ई-कॉमर्स फर्मों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों की जानकारी दी है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया गुरुवार को एक वेबिनार के माध्यम से 'इन्वेस्ट इंडिया एक्सक्लूसिव इन्वेस्टमेंट फोरम' को संबोधित कर रहे थे। इसमें प्रमुख खुदरा और ई-कॉमर्स कंपनियों के दिग्गज शामिल थे। इन्वेस्ट इंडिया, नेशनल इंवेस्टमेंट प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन एजेंसी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मंच का उद्देश्य एक-दूसरे के विचारों को साझा करने, अनुकूल नीतियों, तैयार बुनियादी ढांचे और दिल्ली के अन्य औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विवरणों को प्रदर्शित करने के लिए राज्य सरकार और संभावित निवेशकों को एक साझा मंच पर लाना था। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में निजी कंपनियों के लिए एक बेहतरीन निवेश की परिस्थितियाँ मौजूद हैं।

फायरिंग कर बनाई वीडियो, केस दर्ज

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र के बम्हैटा गांव में एक युवक द्वारा भैंसों के तबेले में ताबड़तोड़ फायरिंग का मामला सामने आया है। युवक फिल्मी गानों की धुन पर अवैध पिस्टल से फायरिंग करते हुए अपनी वीडियो बनवा रहा है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस के एंटी क्राइम हेल्पलाइन नंबर पर उक्त फायरिंग के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए कविनगर थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी युवक बम्हैटा निवासी दीपक यादव है, जो फरार चल रहा है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

बैरंग लौटा झील को कब्जामुक्त नहीं करा सका निगम

गाजियाबाद। हिंडन नदी से सटे अर्थला झील पर बसी अवैध कॉलोनी को जमींदोज करने गए दस्ते को जनता के भारी विरोध के चलते वापस आना पड़ा। दरअसल कुछ पर्यावरणविदों की याचिका पर एनजीटी ने गाजियाबाद नगर निगम को यह निर्देश जारी किए थे कि इस इलाके को कब्जा मुक्त कराकर पंचाट के समक्ष रिपोर्ट दाखिल करे। नगर निगम कई बार पुलिस बल के साथ इलाके को कब्जा मुक्त कराने के लिए जा चुका हैए लेकिन नागरिकों नागिन के विरोध के बाद सचल दस्ते को बैरन लौटना पता है

एनएसयूआई ने किया परीक्षाओं का विरोध

गाजियाबाद। यूजीसी द्वारा कोरोना संकट काल में परीक्षा कराए जाने के निर्णय के खिलाफ एनएसयूआई के पश्चिमी उत्तरप्रदेश के पदाधिकारियों ने एमएमएच कॉलेज के गेट पर यूजीसी के आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध किया। छात्र नेता रिजवान अली तंवर ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी में छात्रों के स्वास्थ्य व भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष सन्नी पांचाल का कहना है कि अगर यूजीसी अपने तुगलकी फैसले को वापस नहीं लेती है तो विरोध किया जाएगा।

नोएडा में एक दिन में कोरोना के 168 नए केस, कुल मरीज 3178

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में कोविड.19 के 168 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ जिले में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या 3178 हो गई है।

जिले में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से एक और व्यक्ति की मौत होने के साथ ही जिले में मरने वालों की संख्या 31 हो गई है। 125 लोग 24 घंटे के अंदर ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हुए हैं। नोएडा के जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर मनोज कश्यप ने बताया कि गुरुवार सुबह तक कोविड.19 के 168 नए मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि मिलाकर जनपद में अब तक 3178 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जिनमें 2136 लोग उपचार के दौरान ठीक होकर घर जा चुके हैं जबकि 1011 लोगों का उपचार विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

डॉक्टर मनोज कश्यप ने बताया कि कोरोनावायरस के संक्रमण की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच दिन से रोजाना 3000 से ज्यादा नमूनों की जांच की जा रही है।

मायूस कर रहे बदरा, उमस ने किया बेहाल

● दिल्ली-एनसीआर में अगले पांच दिन तक परेशान करेगी गर्मी, कहीं-कहीं हो सकती है हल्की बारिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बदरा तो झूम झूम आते हैं लेकिन झमाझम बारिष नहीं हो रही है। समय से पहले 25 जून को दिल्ली में दस्तक देकर मानसून गायब हो गया है। शहर के अलग-अलग इलाकों में बूंदाबांदी तो हर रोज हो रही है लेकिन मानसून की पहली वर्षा के बाद से लोग तेज बारिश के लिए तरस रहे हैं। कभी बादल छा जाते हैं तो कभी तेज धूप चुभने लगती है। दिन हो या रात, उमस ने शहरवासियों को बेहाल कर दिया है। जुलाई का पहला पखवाड़ा सूखा ही बीतता दिख रहा है। बुधवार सुबह से शाम तक आसमान में बादल छाए रहे। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हुई।

क्वॉरंटीन सेंटर बनाने को 3 होटल राजी, भेजा प्रस्ताव

गाजियाबाद। कोरोना वायरस के चलते होटलों में क्वॉरंटीन सेंटर बनाने की योजना में प्रशासन को सफलता मिली है। तीन होटल संचालकों ने होटल में क्वॉरंटीन सेंटर बनाने के लिए प्रस्ताव प्रशासन को भेज दिया है। यह तीनों होटल बजरिया रेलवे रोड पर स्थित हैं।

प्रशासन को अभी बाकी 32 होटलों के प्रस्ताव आने का इंतजार है। होटलों केउ सेंटर बनने से 1098 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था हो सकेगी। बता दें कि जिले में बढ़ रही कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या के चलते क्वॉरंटीन सेंटरों व बेड की कमी आड़े आ रही थी।

शारदा में आधे से भी कम खर्च पर मिलेगा प्राइवेट वार्ड

अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों से आठ हजार के जगह केवल 3500 रु प्रतिदिन लिया जाएगा शुल्क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का सस्ता इलाज करने के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा अस्पताल में इकोनॉमी वार्ड बनाया जाएगा। 50 बेड के इस वार्ड में निजी अस्पतालों के लिए तय दर से भी आधे में इलाज किया जाएगा।

इकोनॉमी वार्ड में प्रतिदिन एक मरीज से केवल 3500 रुपये लिए जाएंगे। जबकि, सरकार ने निजी अस्पतालों में इलाज के लिए एक प्रतिदिन एक मरीज से 8 हजार रुपये तय किए हैं। अस्पताल प्रशासन ने जानकारी दी है कि एक हफ्ते में यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे निजी अस्पताल में इलाज कराने वाले मरीजों को काफी राहत मिलेगी। गौतम बुद्ध नगर में कोरोना वायरस का संक्रमण काफी तेजी से फैलता जा रहा है। तेजी से फैलते कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण जनपद के सभी निवासियों में डर का माहौल बनता जा रहा है। पहले इसका इलाज सिर्फ सरकारी अस्पतालों में किया जा रहा था। मरीज बढ़ते देखकर सरकार ने निजी अस्पतालों को भी उपचार करने की मंजूरी दे दी थी।

गौतम बुद्ध नगर में फोर्टिस, यथार्थ, कैलाश और शारदा अस्पताल को कोविड-19 का इलाज करने की अनुमति दी गई है। लेकिन, निजी अस्पतालों में शुल्क काफी अधिक है। इसके चलते लोग निजी अस्पतालों में जाने से कतरा हैं। इसके बाद सरकार ने इलाज की दर तय कर दी हैं। सरकार की ओर से निजी अस्पतालों के लिए तय की गई दरें भी आम आदमी से काफी दूर हैं।

सरकार ने जनरल वार्ड का शुल्क प्रतिदिन के हिसाब से 8000 रूपए निर्धारित किया है। इसके चलते लोग निजी अस्पतालों में इलाज नहीं करा रहे हैं। अब शारदा अस्पताल ने इसको लेकर एक बड़ी पहल की है। शारदा अस्पताल ने मध्यम वर्गीय लोगों के लिए इकोनॉमी वार्ड शुरू करने की योजना बनाई है। हालांकि, यह वार्ड सिर्फ 50 बेड का होगा।

एमएमजी अस्पताल में बिना डॉक्टरी परामर्श के भी होगी कोविड-19 जांच

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद।

यदि आपको भी ऐसा लगता है कि आपमें कोरोना के लक्षण हैं या आप कोरोना की चपेट में हैं तो एमएमजी जिला अस्पताल में अपना टेस्ट करा सकते हैं। वह भी बिना किसी डॉक्टर की परामर्श के। अस्पताल प्रबंधन इमरजेंसी व हेल्प डेस्क पर आने वाले ऐसे लोगों का भी अनिवार्य रूप से टेस्ट कर रहा है, जिनमें कोरोना का कोई लक्षण है।

बता दें कि कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए अब रोजाना करीब चार हजार लोगों की कोरोना जांच की जा रही है। इसमें अधिकांश जांच रैपिड एंटीजन किट से की जा रही हैं। दरअसल, कोरोना को लेकर लगातार गाइडलाइंस में बदलाव हो रहा है। कोरोना का सैंपलिंग बूथ लगाने के बाद भी लोगों की जांच नहीं की जा रही थी। रोजाना ऐसे मामले सामने आते थे कि डॉक्टर की परामर्श के बाद भी लोगों को कोरोना जांच के लिए टरकाया जा रहा है। मगर अब ऐसा नहीं है। एमएमजी अस्पताल में जाने वाले लगभग हर व्यक्ति की कोरोना जांच की जा रही है।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग भार्गव ने बताया कि हाल में ही अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात एक चिकित्सक कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इस कारण एहतियात बरता जा रहा है। साथ ही सीएमओ की ओर से पर्याप्त संख्या में टेस्ट किट दी गई हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना के साथ भूकंप से भी निपटने को तैयारी में जुटे अधिकारी

बार-बार आ रहे भूकंप के मद्देनजर आपदा प्रबंधन हुआ सक्रिय

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में वीडियो कांफ्रेंसिंग से अधिकारियों की बेठक लेते राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयवर्धन को जानकारी देते गुरुग्राम के अधिकारी।

हरियाणा के राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयवर्धन ने गुरुवार को भूकंप जैसी आपदा के प्रबंधन को लेकर की गई तैयारियों का वीडिया कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में सेवानिवृत्त मेजर जनरल वीके दत्ता ने गुरुग्राम जिला से कनेक्टिड होकर आपदा के दौरान की जाने वाली तैयारियों के लिए जिला उपायुक्तों को ट्रेनिंग दी।

बैठक में विजयवर्धन ने कहा कि पिछले कुछ समय में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं, जोकि चिंता का विषय है। ऐसे में जरूरी है कि समय रहते इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि आपदा बिना किसी चेतावनी के अचानक आती है इसलिए जरूरी है कि हम समय रहते आपदा से निपटने को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि आपदा के समय प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी को अपनी ड्यूटी का पता होना अत्यंत आवश्यक है। हम सभी को आपदा के समय अपने उत्तरदायित्वों की जानकारी होनी चाहिए तभी हम भविष्य में इससे निपट सकते हैं। उन्होंने कहा कि आपदा के समय एनडीआरएफ, आर्म्ड फोर्स, सीआरपीएफ, एयरफोर्स आदि की आवश्यकता पड़ती है। किसी भी आपदा से निपटने के लिए हमे पहले से योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है कि क्या करना है और कैसे करना है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त अपने यहां आवश्यक सामान और उपकरणों की इंवेटरी तैयार कर लें।

प्रत्येक जिला में सिविल डिफेंस व नेहरू युवा केन्द्रों के वालंटियर तथा स्वयंसेवी संस्थाएं कार्यरत हैं, इसलिए उनसे तालमेल बनाते हुए काम करें। अधिक से अधिक लोगों को भूकंप के दौरान डूज एंड डोन्टस के बारे में बताएं और इसकी जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने उपायुक्त को कहा कि वे भूकंप को लेकर बने हुए जिला के डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान को रिव्यू करें और अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाएं ताकि समय आने पर उन्हें पता हो कि उन्हें क्या और कैसे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना है।

गुरुग्राम में नुकसान का भय है अधिक

विजयवर्धन ने कहा कि गुरुग्राम जिला में ऊंची इमारतों की अधिकता होने के कारण यहां जान-माल के नुकसान का भय अपेक्षाकृत अधिक है। उन्होंने कहा कि यहां पर उद्योग भी अन्य जिलों से ज्यादा है इसलिए जिला प्रशासन ऐसे उद्योगों से तालमेल स्थापित करते हुए आपदा प्रबंधन की इंवेटरी तैयार करें। उन्होंने कहा कि प्राइवेट संस्थानों के पास भी आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए काफी इंवेटरी होती है, यदि हमारे पास इसकी सूची होगी तो समय आने पर हम इसका इस्तेमाल प्रभावी तरीके से कर सकते हैं। उपायुक्त अमित खत्री ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को आश्वस्त करते हुए कहा कि गुरूग्राम जिला में आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों को लेकर निरंतर प्रयासरत है।

बच्चों से शिक्षा का अधिकार कोई छीन नहीं सकता : प्रदीप चौधरी

ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा की अलख जगाने के लिऐ वेबिनार आयोजित

गुरुग्राम। जिला ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, विशेषकर कन्याओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति जागरुकता लाने के लिए और बच्चों को शिक्षा की ओर ले जाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने एक वेबिनार का आयोजन अंसल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ के सहयोग से किया। इसमें लगभग 100 से 150 बालिकाओं ने भाग लिया और अपने शिक्षा से जुड़े संशय दूर किए।

कार्यक्रम में बतौर प्रवक्ता जिला विधिक सेवाए प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रदीप चौधरी ने बालिकाओं को शिक्षा के प्रति जानकारी देते हुए कहा कि सभी बच्चों का स्कूल में जाना अनिवार्य है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को ग्रहण करना आवश्यक है। श्री चौधरी ने बताया कि शिक्षा प्राप्त करना सभी का अधिकार है। इस अधिकार को उनसे कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रति रोके जाने पर उस व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इसमें सजा का प्रावधान भी है। उन्होंने कहा कि समाज की मानसिकता बदलना आवश्यक है और समाज की हर लड़की और लड़के, दोनों को शिक्षा में बराबर का हक है। समाज के हर व्यक्ति को शिक्षा के प्रति जागरूक होना आवश्यक है और सभी का शिक्षित होना भी, क्योंकि शिक्षित समाज ही विकास की ओर रखा जाने वाला पहला कदम है।

लाइव वेबिनार में मौजूद जिला शिक्षा अधिकारी इंदु बोकन ने बच्चों को बताया कि कैसे आज किसी भी समय शिक्षा प्राप्त की जा सकती है, जिससे कि बच्चो की शिक्षा पर कोरोना वायरस संक्रमण के चलते कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके चलते आज बच्चे लैपटॉप, मोबाइल या सिटी केबल के माध्यम से टीवी पर कहीं भी और कभी भी ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज ग्रामीण क्षेत्र में भी शिक्षा का रूप बदल रहा है। इसमें सकारात्मक बदलाव देखे जा रहे हैं। सभी स्कूलों में एक नियमित ढंग से बच्चों को शिक्षा दी जा रही है, साथ ही कमजोर बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।

अब रोजाना 2 हजार से बढ़ाकर 3 हजार कोरोना टेस्ट किए जाएंगे

जिला को मिल गई हैं 8 हजार एंटीजन रैपिड टेस्टिंग किट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला को 8 हजार एंटीजन रैपिड टेस्टिंग किट और प्राप्त हो गई हैं, जिससे अब जिला में चलाए जा रहे सघन टेस्टिंग तथा ट्रेसिंग अभियान को पहले की अपेक्षा और अधिक गति मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला में रोजाना किए जा रहे 2 हजार टेस्ट की संख्या बढ़ाकर अब तीन हजार किया जाएगा।

सिविल सर्जन डा. वीरेन्द्र यादव ने बताया कि जिला में कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए जरूरी है कि कोरोना आशंकित व्यक्तियों के स्वास्थ्य की समय रहते जांच की जाए। उन्होंने बताया कि जिला में जितनी जल्दी कोरोना संक्रमित व्यक्तियों की पहचान होगी उतना ही संक्रमण कम फैलेगा। एंटीजन टेस्टिंग किट के माध्यम से रोजाना 1500 मरीजों के टैस्ट किए जा रहे हैं जिसकी पुष्टि व्यक्ति को 15 मिनट से आधे घंटे के बीच में कर दी जाती है। इनके अलावा आरटीपीआर के माध्यम से टेस्टिंग प्रक्रिया भी लगातार जारी है।

गुरुग्राम को 150 हुए ठीक, 151 नए केस आए, एक की मौत

गुरुग्राम। जिला में गुरुवार को कोरोना के 151 नए केस आए, वहीं 1 व्यक्ति की मौत हो गई। अब तक जिला में 103 लोगों की हो चुकी है मौत। जिला में 6467 लोग पॉजिटिव हुए हैं, जिनमें से 5377 ठीक हो चुके हैं। जिला में अब तक 60574 लोगों को सर्विलांस पर लिया गया है। जबकि गत गुरुवार को 42269 लोगों को सर्विलांस किया गया था। एक सप्ताह में यहां 20 हजार से अधिक लोगों को सर्विलांस किया जा चुका है। सर्विलांस किए गए कुल लोगों में से 32720 लोगों ने सर्विलांस पीरियड पूरा कर लिया है। 27854 अंडर सर्विलांस हैं। अब तक 54724 लोगों के सेंपल कोरोना जांच को भेजे गए, जिनमें से 45465 नेगेटिव और 6467 पॉजिटिव आए हैं। गुरुवार को ठीक हुए 150 लोगों के बाद अब यहां एक्टिव केस 987 रह गए हैं। नगर निगम के जोन अनुसार जोन-1 में गुरुवार को 30 पॉजिटिव केस, जोन-2 में 37, जोन-3 में 19, जोन-4 में 20 पॉजिटिव केस आए। वहीं पटौदी खंड में 27, फर्रूखनगर में 1 और सोहना में 17 केस पॉजिटिव आज आए हैं।

हुड्डा के पूर्व अंकाउटेंट पर अवैध फैक्ट्री निर्मित करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आयुध डिपो 900 मीटर क्षेत्र में बिना नियमों के फैक्ट्री बनाने का आरोप

हुडा के एक पूर्व अकाउंटेंट पर आयुध डिपो क्षेत्र के 900 मीटर दायरे में अदालत के आदेशों की अवहेलना करके करीब 1000 गज में एक फैक्ट्री का निर्माण कर लिया है। शिकायतकर्ता बिजनेसमैन अरूण जांघू ने एचएसआईआईडीसी के एमडी को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि राधेश्याम गोयल जो कि हुडा सेक्टर-14 गुरुग्राम में अकाउंटेंट पद पर रहते हुए पहले तो सेक्टर-18 प्लाट नंबर 79 में नियमों की अवहेलना करते जमीन अर्जित की।

अब अपने पुत्र महेश गोयल के साथ मिलकर अदालती आदेशों की अवहेलना करते हुए फैक्ट्री का निर्माण भी पूरा करा लिया। आरोप है कि आरोपी ने पेससिटी-2 सैक्टर 37 में भी दो फैक्ट्रियां बनाई हैं, जिसमें एक फैक्ट्री की बिल्डिंग में अवैध रूप से टॉवर भी लगाए हैं। अरुण झांगू का आरोप है कि अंदाजा लगाया जा सकता है कि राधेश्याम ने हुडा विभाग में अकाउंटेंट के पद पर रहते हुए कितना अधिक भ्रष्टाचार किया होगा। आज गुरुग्राम जैसे शहर में इतनी अधिक प्रॉपर्टी वो भी अवैध रूप से अर्जित की गई है।

शिकायतकर्ता ने इस मामले में एचएसआईआईडीसी के एमडी से गुहार लगाई है कि उसकी सभी प्रॉपर्टी की जांच की जाए अन्यथा वे इस मामले में मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री समेत अदालत की शरण में जाने को मजबूर होंगे।

शेखुपुर माजरी की अहिरान ढाणी के लिए छलावा है जगमग योजना

फर्रुखनगर। बिजली विभाग द्वारा करीब 5 साल पहले ग्रामीण उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति के मकसद से शुरू की गई जगमग योजना बहुत से ग्रामीणों के लिए छलावा साबित हो रही है। यहां इन दिनों दो-तीन घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। जबकि सरकार दावे कर रही है कि सभी को 24 घंटे बिजली दी जा रही है।

बिजली सुचारू रूप से मिले इसके लिए भी विभाग के लगातार चक्कर काट रहे हैं और नेताओं से भी गुहार लगा रहे हैं। ग्रामीणों की सुनने वाला कोई नहीं है। इसी तरह का एक मामला खंड के गांव शेखुपुर माजरी की अहिरान ढाणी का है। जिसमें 50 घरों की आबादी में से 40 घरों के लोगों को जगमग योजना से जोड़ा गया है। उनको 24 घंटे बिजली मिल रही है। किंतु ढाणी में 10 परिवार ऐसे हैं, जिनको जगमग योजना से वंचित रखा गया।

नई गाइडलाइन जारी पालन करना जरूरी

गुरुग्राम। जिला प्रशासन ने एंटीजन टेस्टिंग के बाद अपनाई जाने वाली गाइडलाइन जारी की हैं। जिनका हर उस व्यक्ति को पालन करना जरूरी है, जिसका कोरोना संक्रमण की जांच के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट किया हो।

इन गाइडलाईन्स के बारे में जानकारी देते हुए उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि एंटीजन टेस्ट होने पर व्यक्ति के सैंपल की रिपोर्ट कोरोना संक्रमण के लिए पॉजिटिव आएगी या नेगेटिव आएगी। यदि टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो यह देखा जाना चाहिए कि व्यक्ति सिम्टोमैटिक है या एसिम्टोमैटिक। सिम्टोमैटिक मरीज वे होते हैं जिसमें बीमारी के लक्षण नजर आते हैं और एसिम्टोमैटिक वे मरीज होते हैं जिनमें बीमारी के लक्षण नहीं के बराबर होते हैं अथवा बहुत ही कम होते हैं। उन्होंने बताया कि नेगेटिव रिपोर्ट वाले व्यक्ति में यदि बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं तो उसे आरटीपीसीआर टेस्ट करवाने की सलाह दी जाती है। यदि कोई लक्षण नहीं दिखाई देते तो व्यक्ति को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। आरटीपीसीआर टेस्ट करवाने वाले व्यक्ति के लिए जरूरी है कि वह रिपोर्ट आने तक सेल्फ क्वारंटाइन में रहे अर्थात घर में अलग से रहने की व्यवस्था करे तथा किसी भी घर से सदस्य से संपर्क न करें। उन्होंने बताया कि एंटीजन टेस्टिंग के बाद पॉजिटिव पाए गए मरीज को आइसोलेशन में रखा जाना चाहिए और उसकी आइसोलेशन या अस्पताल में भर्ती करवाने के लिए काउंसलिंग की जानी आवश्यक है।

करेंट लगने से सुरक्षा गार्ड की मौत

सोहना। सोहना में 35 वर्षीय सुरक्षा गार्ड की बिजली का करेंट लगने से मौत हो गई। मृतक मूलरूप से बिहार निवासी था। जो गुरुवार सुबह शहर के चुंगी नंबर मार्ग पर भवन निर्माण स्थल पर सुरक्षा गार्ड की नौकरी करता था। सोहना सिटी चौकी प्रभारी एसआई सुन्दरपाल ने बताया कि सुरक्षा गार्ड निर्माणाधीन मकान की दीवार पर लगे बिजली बोर्ड के पास मृत पड़े मिलने की सूचना दी थी। जिसका एक हाथ बिजली के बोर्ड में लगे मोबाइल चार्जर से चिपका हुआ है। चौकी प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सोहना के नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। बिहार में रह रहे मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों के आने पर शव सौंप दिया जाएगा।

सरपंच पर पंचायती राशि में गबन करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के पुन्हाना उपमंडल के लहरवाडी गांव के लोगों ने सरपंच पर पंचायती राशि में गबन करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि सरपंच ने रिटर्निंग वाल, पीआरआई राशि में खानापूर्ति करके राशि को हडपने का काम किया है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने सीएम विंडो में शिकायत देकर सरपंच के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता अकबर ने सीएम विंडो में दी शिकायत में बताया कि गांव के सरपंच ने पंचायती विकास में नामात्र राशि लगाकर करोड़ों रुपये हड़पने का काम किया है। आरोप है कि मजदूरों के नाम से बनवाए गए मनरेगा जॉब कार्डों में एक ही फोटो को कई कई जॉब कार्डों पर चस्पा किया गया है। जिन मजदूरों के नाम से जॉब कार्ड बनाए गए हैं, उन्हें इस बात का आज तक भी पता नहीं है कि उनके नाम से सरपंच ने जॉब कार्ड बना रखे हैं और उनसे लेनदेन की जा रही है। इसके अलावा ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सरपंच ने तालाब की खुदाई के कार्य को कागजों में दिखाया हुआ है जबकि जमीनी स्तर पर देखा जाए तो तालाब में कोई काम नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने ईमानदार मुख्यमंत्री मनोहर लाल व जिला प्रशासन से पंचायती कामों की जांच कर सरपंच के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

जर्जर भवनों में चल रहे सरकारी विभाग

नरेश कुमार। सोहना

सोहना की पुरानी तहसील कार्यालय का जर्जर भवन। इसी भवन में चलता है डाकघर कार्यालय।

सोहना में आधा दर्जन से भी अधिक सरकारी विभागों के कार्यालय जर्जर भवनों में चल रहे हैं। जिससे कर्मचारी और अधिकारी भवनों की छत से टपकते बरसाती पानी और प्लास्टर की मार झेलने को मजबूर हैं।

बरसात का मौसम शुरू होने के साथ सरकारी विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों की रूह कापने लगती है। क्योंकि बारिश के मौसम में उनके सिर और टेबल के ऊपर बरसात का पानी या फिर छत से प्लास्टर गिरता रहता है। जिससे उनके कार्य करते समय ध्यान जर्जर हालत में खड़े भवन की छत और दीवारों पर अधिक रहता है। ऐसे भवनों में कर्मचारी जान हथेली पर रखकर अपनी ड्यूटी करने को मजबूर हैं।

कौन-कौन से विभाग है जर्जर भवनों में

सोहना में देश की आजादी से पहले बना पुरानी तहसील कार्यालय भवन आज जर्जर हालत में है। जहां पर तहसील कार्यालय से पहले सरकारी अस्पताल होता था। आज यहां के सभी भवनों की हालत जर्जर है, लेकिन परिसर में बने भवनों में केन्द्र सरकार का डाक विभाग कार्यालय, कृषि विभाग का खंड कार्यालय और हाल ही में सिटी पुलिस चौकी प्रभारी का दफ्तर बनाया गया है। इसके अलावा पंचायत विभाग के खंड कार्यालय परिसर में पुराने भवनों में खाद्य आपूर्ति विभाग का खंड कार्यालय व बाल एवं महिला आयोग विभाग का ब्लॉक स्तरीय कार्यालय स्थापित हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी

कृषि विभाग के खंड अधिकारी अरुण सोलंकी ने बताया कि भवन काफी पुराना है। जिसकी छत से बारिश के दिनों में पानी के साथ-साथ प्लास्टर गिरता है, लेकिन उनके विभाग के पास अपना कोई भवन नहीं है। सिटी चौकी प्रभारी एसआई सुन्दरपाल ने बताया कि उनके पास एक मात्र हाल चौकी चलाने के लिए है। जरूरत के अनुसार पुराने तहसील परिसर की जर्जर भवन के दो कमरे ले तो लिए हैं, लेकिन दीवार, छत की हालत कमजोर है। बरसात का पानी भवन के अन्य कमरों में छत से गिरता रहता है।

काउंटर हस्ताक्षर कराने के लिए बच्चों को हो रही परेशानी

नूंह। शिक्षा विभाग द्वारा काउंटर हस्ताक्षर के लिए लागू किए गए नियम इन दिनों बच्चों के लिए किसी परेशानी से कम नहीं है। बार-बार अधिकारियों के चक्कर काटने के बावजूद बच्चों के दस्तावेजों पर काउंटर हस्ताक्षर नहीं हो पा रहे हैं। ताजा मामला पुन्हाना से सामने आया है, जहां पर यूनुस नाम के युवक ने खंड शिक्षा अधिकारी पर काउंटर हस्ताक्षर न करने का आरोप लगाते हुए सीएम विंडो में शिकायत दर्ज कराई है।

सीएम को भेजी शिकायत में यूनुस पुत्र नूर मोहम्मद निवासी पुन्हाना ने बताया कि उसके भतीजे अबूजर का दाखिला जवाहर नवोदय विद्यालय में होना है। आरोप है कि जब शिकायतकर्ता अबूजर के दस्तावेजों पर काउंटर हस्ताक्षर कराने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी सद्दीक अहमद के पास पहुंचे तो उन्होंने काउंटर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। दस्तावेजों पर काउंटर हस्ताक्षर न होने की वजह से अबूजर का दाखिला नहीं हो पा रहा है। जब इस बारे में पुन्हाना के खंड शिक्षा अधिकारी सद्दीक अहमद से बात की गई तो उन्होंने कहा कि काउंटर हस्ताक्षर के लिए बच्चे का हाजिरी रजिस्टर लाना अनिवार्य है, हाजिरी देखकर ही काउंटर हस्ताक्षर के लिए सिफारिश लिखी जाती है। जबकि शिकायतकर्ता का कहना है कि स्कूल संचालक ने स्कूल का रजिस्टर देने से इंकार कर दिया। विभागीय अधिकारियों की मानें तो काउंटर हस्ताक्षर के लिए बच्चों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में इस सारे मामले के लिए कौन जिम्मेदार है ये तो जांच का विषय है। शिकायतकर्ता ने सीएम को भेजी शिकायत में लापरवाह अधिकारियों पर शिकंजा कसने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

सोहना में कोरोना संक्रमित के एक दिन में आए 17 मामले

सोहना। सोहना में स्वास्थ्य विभाग ने 149 लोगों की जांच की और कोरोना संक्रमित के 17 मामले प्रकाश में आए हैं। सोहना में अब तक संक्रमितों की संख्या 100 के अंक को पार कर गई है। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को शहर के आबादी क्षेत्र शिव कुंड परिसर में लगाए कोरोना जांच शिविर गुरुग्राम से आई टीम लोगों की जांच की। शिव कुंड पर ठाकुरवाठा मोहल्ला सहित पठानवाड़ा मोहल्ला, खजूरवाड़ा और अन्य मोहल्लों से 149 लोगों ने कोरोना का टेस्ट कराया। डॉ. नवल किशोर ने बताया कि गुरुवार को सबसे ज्यादा एक दिन में 17 संक्रमित आए हैं। इससे पहले एक दिन में 16 मामले आए थे। उन्होंने ने बताया कि ठाकुरवाठा मोहल्ले में किराएदार रहते हैं। जो कोरोना संक्रमित आ रहे हैं।

सीनियर अधिकारी पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

गुरुग्राम। एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की महिला कर्मचारी ले अपने सीनियर अधिकारी पर अभद्र टिप्पणी करने, छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत में उसने कहा है कि यह कार्य करीब 8 महीने से उसका सीनियर अधिकारी कर रहा था। कार्यस्थल पर छेड़छाड़ की जांच के लिए बनाई गई कंपनी की कमेटी ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। इसलिए उसे थाने पहुंचना पड़ा। महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गरिमा के मुताबिक आरोपी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पीड़ित महिला नोएडा की रहने वाली है। पुलिस को दी शिकायत में उसने कहा है कि वह एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम करती है। एक मार्च 2019 को उनके टीम लीडर राहुल बख्शी ने काम के दौरान अभद्रता की। इसके बाद आरोपी 8 महीने तक उसे निशाना बनाता रहा। महिला ने आरोप लगाया कि काम के दौरान आरोपी ने कई बार उन्हें लेकर अभद्र टिप्पणी करते हुए छेड़छाड़ भी। महिला कर्मी ने इसकी शिकायत कंपनी प्रबंधन से की तो उन्होंने कमेटी गठित कर मामले की जांच कराई। कमेटी की आंतरिक जांच में आरोपी को क्लीन चिट देने के बाद बुधवार को महिला ने इसकी शिकायत महिला थाना पूर्व में की। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

एसई ने जनता दरबार लगाकर सुनी लोगों की समस्याएं

नूंह। नूंह के बिजली कार्यालय में बृहस्पतिवार को बिजली से संबंधित लोगों की समस्याएं सुनने के लिए डीएचबीवीएन के एसई एसएस सांगवान ने जनता दरबार लगाया। जिसमें बिजली से संबंधित लोगों की हर समस्या सुनी गई और उसका जल्द समाधान कराने का आश्वासन भी दिया। लोगों ने खुलकर एसई के सामने अपनी समस्याएं बताई। पत्रकारों से बातचीत में एसई एसएस सांगवान ने बताया कि नूंहवासियों को बिजली की समस्याओं को लेकर किसी तरह की परेशानी न हो और हर समस्या का समाधान समय पर हो इसी के लिए जनता दरबार लगाया है। उन्होंने बताया कि नूंह में हर बृहस्पतिवार को जनता दरबार लगता रहेगा। जनता दरबार में कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर आ सकता है। एसई ने बताया कि जिले में जल्द म्हारा गांव जगमग गांव योजना का कार्य पूरा होने वाला है, जिसके बाद जिलावासियों को 24 घंटे बिजली मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी एसडीओ को मीटिंग में बुलाकर हिदायतें दी गई हैं कि लोगों की समस्या का समाधान समय पर हो, किसी को भी छोटे मोटे काम के लिए परेशान न किया जाए। डीएचबीवीएन की ओर से टोल फ्री नंबर 1912 भी जारी किया है, जिस पर लोग बिजली से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। जनता दरबार में एक्सईएन नूंह, प्रमोद कुमार एसडीओ नूंह, शमीम अहमद एसडीओ नगीना, हर्ष गुप्ता पुन्हाना व लियाकत अली फिरोजपुर झिरका मौजूद रहे।

अभिनेता जगदीप के निधन पर जताया शोक

गुरुग्राम। निष्ठा सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष तथा हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष संजय भसीन ने फिल्म अभिनेता जगदीप के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कहा कि पिछले कुछ समय में ही सिनेमा के कई सितारों ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। बॉलीवुड के सूरमा भोपाली ढलती उम्र के कारण बीमारियों से ग्रस्त थे, जिन्होंने मुम्बई में 81 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। भसीन ने बताया कि जगदीप ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। इसके बाद दो बीघा जमीन से बतौर हास्य कलाकार की शुरुआत की। करीब 400 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले जगदीप ने अपनी अदाकारी से फिल्म जगत में एक विशेष पहचान बनाई। 1975 में आई शोले में निभाए गए सूरमा भोपाली के किरदार ने उन्हें बॉलीवुड में मशहूर किया था। इस किरदार के नाम पर 1988 में भी फिल्म बनी, उसमें भी मुख्य भूमिका जगदीप ने ही निभाई। निष्ठा सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष सुभाष सिंगला, उपाध्यक्ष रमेश कालड़ा, सचिव योगेश गुप्ता, अर्पित भसीन, हरजीत सिंह, जगभूषण गुप्ता, गोल्डी सिंगला, अनिल संदूजा, कमल यादव, वरिष्ठ रंगकर्मी मोहनकांत, हर्ष कुमार, रजनीश भनौट, अंकुश भसीन आदि ने भी अभिनेता जगदीप के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सोहना तहसील में हर रोज होंगी सौ रजिस्ट्रियां

सोहना। सोहना तहसील में एक दिन अब सौ रजिस्ट्री पंजीकृत की जाएंगी। इससे पहले एक दिन में मात्र 50 रजिस्ट्री ही पंजीकृत हो रही थीं। हरियाणा एफसीआर विभाग से स्थानीय अधिकारियों ने जून माह में पंजीकृत होने वाली रजिस्ट्रियों की संख्या में बढ़ौत्तरी की मांग की थी। नायब तहसीलदार दलबर दुग्गल ने बताया कि एक दिन में 50 रजिस्ट्री की संख्या बहुत ही कम थी। जिससे टोकन वितरण करने में परेशानियां हो रही थीं। आए दिन टोकन वितरण पर वाद-विवाद का माहौल बन रहा था। जिसको लेकर हरियाणा एफसीआर विभाग को पत्र लिखा गया था। तहसीलदार बंसीलाल ने बताया कि एक दिन में 100 टोकन से काम चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रियां पंजीकृत संख्या बढ़ने से राज्य सरकार को रेवन्यु की कमाई होती है। लॉकडाउन के दौरान सोहना तहसील से राज्य में सबसे ज्यादा पौना एक करोड़ रेवन्यु की कमाई की गई थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के राजस्व में आय होती है।

वार्ड-17 के भीम नगर में लगाया कोरोना जांच शिविर

गुरुग्राम। वार्ड-17 के अंतर्गत भीम नगर कॉलोनी में गुरुवार को लगाए गए छठे कोरोना जांच शिविर में 141 लोगों की जांच की गई, जिसमें 14 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। सभी को उनके स्वास्थ्य के हिसाब से आईसोलेशन में भेजा गया है। शिविर में नगर निगम कमिश्नर विनय प्रताप सिंह, सिविल सर्जन डॉ. विरेंद्र यादव भी पहुंचे और उन्होंने व्यवस्था देखी। निगम कमिश्नर विनय प्रताप सिंह ने लोगों को कहा कि वे सरकार, प्रशासन द्वारा बताए गए नियमों का पालन करें। यह हम सबकी भलाई के लिए है। सीएमओ डॉ. विरेंद्र यादव ने कहा कि कोरोना को लेकर किसी तरह का अफवाह नहीं फैलानी चाहिए। वार्ड-17 के पूर्व पार्षद एडवोकेट दलीप साहनी ने इस मौके पर कहा कि कोरोना से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यहां पहुंचने पर सीएमओ डा. विरेंद्र यादव के साथ-साथ शिविर में जांच कर रही डा. शैली का धन्यवाद करते हुए कहा कि कोरोना को फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग बेहतर कार्य कर रहा है।

कोरोना महामारी

एक मौत, 182 पॉजिटिव के साथ आंकड़ा पहुंचा 5105

बुधवार को हुई पांच पॉजिटिव की मौत, विभाग ने साधी चुप्पी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बृहस्पतिवार को विभाग ने एक की मौत और 182 पॉजिटिव की पुष्टि की है। पॉजिटिव का आंकड़ा 5105 पर पहुंच गया है। वहीं 138 लोगों ने बृहस्पतिवार को कोरोना को मात दे दी। बुधवार को कोरोना पॉजिटिव पांच मृतकों को विभाग ने अपने आंकड़ों में दर्शाया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किये जा रहे दावे जिले मे पूरी तरह से फेल साबित होते नजर आ रहे है। लोगों को अभी भी न तो मोबाइल पर और न ही डिस्पेंसरियों में रिपोर्ट उपलब्ध हो रही है। ऐसे में वह बीके में रिपोर्ट लेने पहुंच रहे है।

मृतक और पॉजिटिव : कोरोना पॉजिटिव 63 वर्षीय धौज निवासी एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि विभाग ने की है। वह अन्य कई गंभीर बीमारियों से ग्रस्त था। वहीं पॉजिटिव 182 में ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़, एनआईटी, जवाहर कालोनी, खेड़ी कला, डबुआ कालोनी, सेक्टर-82, सेक्टर-आठ, सेक्टर-16, धौज, एसजीएम नगर, प्रतापगढ़, सेक्टर-88, सारन, शिव दुर्गा बिहार के मरीज है।

ये मृतक नहीं शामिल : जिले में एसजीएम नगर निवासी 54 वर्षीय एक व्यक्ति, सरस्वती कालोनी का 30 वर्षीय व्यक्ति, 53 वर्षीय एनआईटी निवासी महिला इन तीनों की मौत ईएसआई मेडिकल कॉलेज में बुधवार को हुई थी। सेक्टर-17 निवासी 70 वर्षीय महिला की मौत शामिल है। वहीं बल्लभगढ़ निवासी 38 वर्षीय व्यक्ति जिसका शव बीके अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया था। इन पांचों का अंतिम संस्कार कोविड-19 गाइडलाइन के अनुसार किया गया। लेकिन विभाग पिछले दो दिनों से इन मृतकों के मामलों में चुपी साधे हुए है।

पॉजिटिव को कराया भर्ती : जिले में अभी तक मोबाइल और डिस्पेंसरियों में रिपोर्ट न मिलने के कारण लोगों को बीके सिविल अस्पताल के चक्कर काटने पड़ रहे है। बृहस्पतिवार को सीएमओं दफ्तर के निकट सुभाष नगर निवासी 42 वर्षीय एक व्यक्ति अपनी रिपोर्ट लेने पहुंचा। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर कंट्रोल रूम से एसएसआई-एसएलटी ऋषिराज गौतम को सूचना दी गई। उन्होंने मौके पर पहुंच कर आनन फानन में एम्बुलेंस के द्वारा मरीज को कोविड-19 अस्पताल में भर्ती करवाया।

ये है आंकड़ा

अब तक सैंपल लिए	31320
रिपोर्ट नेगेटिव आई	25930
पॉजिटिव पाये गए	5105
अब तक ठीक हुए	3987
अब तक मौतें	98
क्रिटिकल हालत	73
आईसीयू में भर्ती	25

कोविड-19 जांच करवाने आई महिला की मौत

- जांच करवाने से पहले हुई मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन ने सौंप दिया परिजनों को शव
- एम्बुलैंस चालक ने किया ले जाने से मना, अस्पताल प्रबंधन तब आया होश में

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके सिविल अस्पताल प्रबंधन कोरोना महामारी को बढ़ावा दे रहा है। इसका ताजा उदाहरण बीके सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में देखने को मिला। यहां बल्लभगढ़ से रेफर होकर आई महिला को दाखिल करने के बजाय हालत चिंताजनक होने के बाद भी कोविड-19 की जांच के लिए भेज दिया। लेकिन महिला की आईडीएसबी लैब में पहुंचते ही गिरकर मौत हो गई। अपातकालीन कक्ष में ले जाने पर महिला को मृत घोषित कर दिया और शव को परिजनों को सौंप दिया। एम्बुलैंस चालक द्वारा पूछने पर पता चला कि मृतक महिला कोरोना संभावित थी। शव ले जाने से इनकार करने पर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। समाजसेवी सतीश चौपड़ा द्वारा गुहार लगाने पर अस्पताल प्रबंधन की नींद खुली और महिला का अंतिम संस्कार कोविड-19 के तहत करवाने के लिए लिखा गया।

यह है मामला

नंगला निवासी सुनीता को हालत खराब होने पर बल्लभगढ़ के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 35 वर्षीय सुनीता को बल्लभगढ़ से बीके सिविल अस्पताल के लिए शुगर और बीपी हाई की समस्या से ग्रस्त होने पर रेफर कर दिया गया। यहां पहुंचने पर ड्यूटी डॉक्टर ने सुनीता को कोविड-19 संभावित बताते हुए जांच को भेज दिया। जांच करवाने आईडीएसबी प्रयोगशाला में पहुंची सुनिता की हालत खराब हो गई और वह वहीं गिर गई। सुनीता को परिजन अपातकालीन कक्ष में लेकर पहुंचे तो चिकित्सक ने उसे मृत घोषित करके शव को परिजनों को सौंप दिया।

परिजनों का हंगामा

परिजनों ने मृतका सुनीता के शव को ले जाने के लिए एम्बुलैंस की। एम्बुलैंस चालक ने कार्ड देखा तो उसपर मृतका को कोविड-19 संभावित लिखा हुआ था। जिस पर उसने ले जाने से मना कर दिया। ऐसे में परिजनों ने अपातकालीन कक्ष के बाहर शव लेकर हंगामा शुरू कर दिया। वहां मौजूद समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने परिजनों की परेशानियों को सुनकर चिकित्सक से मृतक सुनीता का कोविड-19 के तहत अंतिम संस्कार की गुहार लगाई। जिस पर अस्पताल प्रबंधन की नींद खुली और महिला को कोविड-19 संभावित मानते हुए उसका अंतिम संस्कार करवाने के लिए कहते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर मोरचरी में रखवा दिया।

आम आदमी पार्टी की जिला कार्यकारिणी घोषित

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी के सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डा. सुशील गुप्ता ने पार्टी पार्टी संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दिशा-निर्देशानुसार फरीदाबाद जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना के नेतृत्व में विनोद भाटी को संगठन मंत्री, भीम यादव को सचिव, राजन गुप्ता कोषाध्यक्ष, सुबोध शर्मा, डा. प्रिंस गिरी, दिनेश मंगला, निशांत बजाज एवं सुनील ग्रोवर को प्रवक्ता, नरेन्द्र सरोहा, रघुवर दयाल, हीरालाल सोनी, वाई के शर्मा, सोहनराज एवं कुलदीप चावला उपाध्यक्ष, रोशन झा, हिजबुल रहमान, डी एस चावला, मोहित गुप्ता, प्रभु दयाल, कृष्णवीर गोयल को संयुक्त सचिव, तेजवंत सिंह उर्फ बिट्टू संयोजक बडखल विधानसभा का संयोजक बनाया गया है।

सर्व कर्मचारी संघ ने ड्राफ्ट सौंप की पुरानी पेंशन बहाली की मांग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने सरकार को ड्राफ्ट सौंप कर एनपीएस को रद्द करके पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की मांग की है। ऐसा करने से प्रदेश के खजाने में सैंकड़ों करोड़ रुपये आएंगे, जो विकास कार्यों के लिए खर्च किए जा सकते हैं। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने यह मांग करते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा कोविड 19 के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट के नाम पर कर्मचारियों के वेतन भत्तों सहित कई अन्य सुविधाओं में कटौतियां की जा रही है।

हरियाणा सरकार द्वारा भी केन्द्र सरकार की भांति कार्यवाही करते हुए राज्य के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी पर डेढ़ साल और एलटीसी व नई भर्तियों पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा की गई इस कार्यवाही का देशभर में पुरजोर विरोध हो रहा है। उन्होंने बताया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा की गई इन कार्यवाहियों से कर्मचारियों पर किए जाने वाले खर्च को कम कर एक अल्पकालीन समय के लिए राशि जुटाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि उचित नहीं है। सरकार की इस कार्यवाही से अल्प समय के लिए तो राशि जुटा ली जाएगी।

एनपीएस से लग रही प्रदेश के खजाने को सैकड़ों करोड़ की चपत

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा मंत्री के खिलाफ किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। बीके चौक पर यूजीसी द्वारा अंतिम सत्र की लिखित या ऑनलाइन परीक्षाओ के आदेश आने के बाद से ही छात्रों ने विरोध दर्ज करवाना शुरू कर दिया है तो वही फरीदाबाद एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में सेकड़ो छात्रों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपने हकों की बात केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल की अर्थी मटके पर लगाकर रोष प्रदर्शन व्यक्त कर की। विकास फागना के नेतृत्व में छात्रों ने प्रदर्शन में भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तो वही राज्य सरकार को सचेत करने के लिए भी छात्रों में आक्रामकता दिखाई दी। विकास फागना ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार में कोई समन्वन्य नही है। इसके साथ ही यूजीसी का भी सरकारों से कोई समन्वय नही है, जो हर रोज खुद के ही आदेशो को बदलने का कार्य करते है। साथ ही भाजपा का छात्र संगठन एबीवीपी भी गिरगिट की तरह रंग बदलने में कम नही है और छात्र विरोधी चेहरा अब बेनकाब भी हो गया है। एक तरफ तो झूठे ढोंग कर पहले बिना परीक्षाओ के प्रोमोट करने के फैसले पर झूठा श्रेय लेने के लिए ब्यान देते है फिर उसके बाद अब जब छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने वाले फैसले जिसमे फाइनल सत्र के छात्रों को परीक्षाए देने के आदेश दिए है उसका स्वागत कर अपना असल चेहरा एबीवीपी ने दिखा दिया है।

परीक्षा का फैसला वापस लें सरकारः अत्री

फरीदाबाद । एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने फाइनल ईयर के छात्रों की परीक्षा लेने के विरोध में जेसी बोस यूनिवर्सिटी के गेट पर धरना दिया। इस धरने का नेतृत्व एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल और मनोहरलाल खट्टर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने कहा कोरोना महामारी के प्रकोप को देखने के बावजूद यूजीसी ने फाइनल ईयर के छात्रों की परीक्षा कराने का फैसला लिया है जोकि छात्रों की जान को जोखिम में डालने वाला तुगलकी फरमान है। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार बार-बार छात्रों की परीक्षाओं को लेकर अपने फैसले बदलती जा रही है। एनएसयूआई की मांग पर गत 12 जून को नॉन फाइनल ईयर तथा गैर-हरियाणवी फाइनल ईयर के छात्रों को बिना परीक्षा पास किया गया था और फाइनल ईयर, री-अपीयर और डिस्टेंस एजुकेशन के छात्रों को वंचित रख दिया था। ऐसे में एनएसयूआई ने सड़क से लेकर न्यायालय तक की लड़ाई लड़ी और 23 जून को फाइनल ईयर, री-अपीयर और डिस्टेंस एजुकेशन के छात्रों को भी पास कर दिया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम किया आयोजन

फरीदाबाद। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 119वीं जयंती 6 जुलाई के अवसर पर बडखल विधानसभा क्षेत्र के तीनों मंडलों में पौधोरोपण व सफाई अभियान का श्रीगणेश किया गया। इसी के तहत सैनिक कालोनी मस्जिद मोड़ से मुल्ला होटल एसजीएम नगर तक विधायक सीमा त्रिखा की देखरेख में पौधोरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह प्रण लिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की याद में आगामी तीन सप्ताह तक पूरे बडखल विधानसभा क्षेत्र में साफ-सफाई व पौधारोपण का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर महापौर सुमनबाला, पार्षद मनोज नासवा, दिनेश भाटिया, जसवंत सिंह, मंडल अध्यक्ष सतेंद्र पांडे, अमित आहुजा, अंजु भडाना, कर्मवीर बैंसला, सुरेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश ढींगड़ा, संजय महेन्द्रू, सुमित विज,आदि गणमान्य जन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एथलेटिक फेडरेशन कर रहा ई-पाठशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 8 जुलाई से 28 जुलाई तक होने वाले आनलाइन एथलेटिक्स कोचिंग व एजुकेशन कार्यक्रम (इसीपीइ) सेमिनार का बुद्धवार को आनलाइन उद्घाटन किया गया।

एथलेटिक्स फैडरेशन आफ इंडिया और भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 21 दिवसीय आनलाइन कोचिंग एवं एजुकेशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। भारतीय एथलेटिक संघ के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला, मुख्य कोच पी राधाकृष्णन नायर, हाई परफोरमेंस डायरेक्टर वोल्कर हरमन और साई कोच वजीर सिंह फौगाट हरियाणा सहित अन्य ने अपने वक्तव्य दिए। इस सेमिनार में हरियाणा के कई एथलेटिक कोच भी शामिल हुए। पहले दिन ओलम्पिक पदक विजेता व भारतीय एथलेटिक टीम के 400 मीटर दौड की मुख्य प्रशिक्षका गेलिना बुकहराना ने कहा कि ओलम्पिक स्तर के लिए 18 साल के बाद ही एथलीटों से अपेक्षा करें।

तरराष्ट्रीय आम महोत्सव

छोटा या बड़ा, है आम सभी का खास

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की एसजेएबी, जेआरसी और गाइड ने अंतरराष्ट्रीय आम महोत्सव के अवसर पर विशेष प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित की। एसजेएबी अधिकारी व प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि आम का वैज्ञानिक नाम मेंगीफेरा इंडिका है। आम एक भारतीय और स्वादिष्ट फल है। आम को फलों का राजा कहा जाता है क्यूंकि आम कई गुणों से भरपूर है आम बायोएक्टिव कंपाउंड और फाइबर होने के कारण यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। आम विटामिन ए, बी और सी के साथ-साथ पोटैशियम, मैग्नीशियम, कॉपर, कैल्शियम और फॉस्फोरस के सबसे बड़े स्त्रोतों में से एक हैं।

पत्थर से सिर कुचल कर बच्ची की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल इलाके की जमाई कालोनी में रहने वाली सात साल की एक बच्ची बीती रात रहस्यमय हालत में अपने घर से लापता हो गई। सुबह परिजनों ने बच्ची की तलाश की तो थोड़ी दूरी पर स्थित पहाड़ी झील में बच्ची शव पानी में तैर रहा था। पत्थर से सिर कुचल कर उसकी हत्या की गई थी। परिजनों की सूचना पर थाना डबुआ पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया। मृतका के पिता ने हत्या करने का संदेह अपने नाबालिग बेटे पर जताया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जानकारी के मुताबिक बड़खल की जमाई कालोनी में राजबीर सिंह अपने परिवार के साथ रहता है और मेहनत मजदूरी करने का काम करता है। उसकी सात साल की बेटी गौरी इलाके के एक स्कूल में पढ़ती थी। बताया गया है कि अन्य दिनों की तरह बीती शाम भी राजबीर काम से घर लौट आया था। उसी दौरान रात करीब आठ बजे के आसपास गौरी अचानक घर से निकल गई। लेकिन लौट कर नहीं आई। काफी इंतजार करने के बाद परिजनों ने आसपास गौरी की तलाश की। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। बृहस्पतिवार को सुबह सोकर उठने के बाद राजबीर ने आसपास के अन्य लोगों के साथ मिल फिर से बच्ची की तलाश शुरू कर दी। तलाश के दौरान वे पहाड़ियों की तरफ चले गए। जहां उन्होंने देखा कि एक झील में बच्ची का शव पानी में तैर रहा है। राजबीर ने अन्य लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला तो वह अन्य किसी का नहीं बल्कि गौरी का था। राजबीर ने मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दे दी। थोड़ी ही देर में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू कर दी। जिसके बाद शव को पुलिस ने कब्जे में लिया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में राजबीर ने अपने साढ़े 15 साल के बेटे पर बच्ची की हत्या करने के बाद शव को झील में फेंकने का संदेह जताया है। बताया गया है कि आरोपी किशोर नशे की लत का शिकार है। संदेह है कि नशे के दौरान किशोर का किसी बात को लेकर विवाद हो गया है। जिसका बदला लेने के लिए किशोर ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया है।

बड़खल क्षेत्र की जमाई कॉलोनी का मामला, भाई पर शक

पीएम स्ट्रीट वैन्डर्स को मिलेगा बिना गारंटी के लोन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के निग्मायुक्त डॉ. यश गर्ग, (आईएएस) ने नगर निगम के कार्यालय में सोशल डिस्टैंसिंग का ख्याल रखते हुए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अधिकारियों के अलावा नगर निगम क्षेत्र के गली-गली घूमकर फल, सब्जी व विभिन्न प्रकार की वस्तु विक्रेताओं एवं उनके प्रधानों ने भाग लिया। निग्मायुक्त डॉ. यश गर्ग ने कहा कि सरकार ने पीएम स्ट्रीट वैन्डर्स आत्मनिर्भर निधि योजना लागू की है। शहरी क्षेत्र में यह योजना नगर निगम के माध्यम से आरम्भ की गई है। नगर निगम क्षेत्र के एक स्थान पर लगाकर एवं गली-2 घूमकर फल सब्जी व विभिन्न प्रकार की वस्तु विक्रेता इस योजना का लाभ उठा सकते है। इस योजना के तहत इन विक्रेताओं को बिना किसी गारन्टी के बैंक के माध्यम से 10,000 रुपये तक का ऋण दिया जाएगा। नगर परियोजना अधिकारी द्वारका प्रसाद ने बताया कि नियमित भुगतान करने पर 7 प्रतिशत की ब्याज अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। डिजिटल लेनदेन पर साल मे 600 रुपये से 1200 रुपये तक केशबैक भी मिलेगा। जो विक्रेता सभी किस्तों की अदायगी समय पर करेंगे उन्हे 10 हजार से अधिक का ऋण भी मिल सकता है। इस योजना का लाभ लेने के लिए वेब पोर्टल के माध्यम से सीएससी व एप्प से प्रार्थी को आवेदन करना होगा। बैठक में ओल्ड व बल्लबगढ के संयुक्त आयुक्त विरेन्द्र चैधरी, एनआईटी के संयुक्त आयुक्त प्रशांत अटकान, मुख्य अभियन्ता ठाकुर लाल शर्मा, अधीक्षक अभियंता बिरेन्द्र कर्दम, वरिष्ठ वास्तुकार बीएस ढिल्लों, एसीपी आदर्श दीप सिंह, अनिल यादव, जयबीर राठी व अन्य, स्वास्थ्य अधिकारी, उदय भान शर्मा मौजूद रहे।

एफएफआरसी के चेयरमैन ने दिए स्कूलों को सख्त आदेश

फरीदाबाद। फीस को लेकर चेयरमैन एफएफआरसी द्वारा भेजे गए नोटिसों को हल्के में लेना स्कूल प्रबंधकों पर भारी पड़ गया। 8 जुलाई को चेयरमैन एफएफआरसी ने सख्त कदम उठाते हुए सभी स्कूल प्रबंधकों से नियमों का उल्लंघन करके वसूली गई बढ़ी हुई फीस को आगे की फीस में एडजस्ट करने। ट्यूशन फीस का ब्रेकअप देने और फीस न देने पर छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई बंद न करने के आदेश जारी किए हैं। इनका पालन न करने पर दोषी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को देंगे प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कम्युनिटी कॉलेज ऑफ स्किल डेवलपमेंट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रयास सोशल वेलफेयर सोसायटी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।

प्रयास सोसाइटी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए काम करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। इस समझौते पर कम्युनिटी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजीव गोयल और प्रयास सोसायटी के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार गुप्ता ने कुलपति प्रो दिनेश कुमार और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल डॉ. रश्मि पोपली और प्रयास सोसाइटी के महासचिव तरुण गुप्ता भी उपस्थित थे। डॉ. संजीव गोयल ने बताया कि इस समझौते से ऐसे विद्यार्थियों को भी लाभ होगा जो प्रयास सोसाइटी के प्रशिक्षण केन्द्रों में कौशल प्रशिक्षण ले रहे है।

राहतः अब पेपरलेस व आनलाइन बनेंगे ट्रेड लाइसेंस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के आयुक्त डा. यश गर्ग ने औद्योगिक जगत व व्यापारियों को एक बड़ी राहत देते हुए हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 330 व 331 के तहत औद्योगिक व वाणिज्यिक इकाईयों को ट्रेड लाईसेंस देने की प्रक्रिया का सरलीकरण करते हुए इसके लिए आवेदन करने से लेकर लाईसेंस जारी होने की पूरी प्रक्रिया को पेपरलेस व आनलाईन कर दिया है, जिसके लिए उन्होंने निगम के कराधान विभाग व संयुक्त आयुक्तों को बाकयदा लिखित आदेश भी जारी कर दिये हैं।

डा. गर्ग ने उम्मीद जाहिर की है कि इस निर्णय से लाईसेंस प्राप्त करने वाले लोगों की एक बड़ी समस्या का समाधान हो गया है। इसके इलावा सम्पति कर और पानी व सीवर चार्जिज सेवाओं को भी आनलाईन करने की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है, जिन्हें शीघ्र ही आनलाईन कर दिया जायेगा। निगमायुक्त डा. यश गर्ग ने यहां बताया कि अब किसी भी दुकानदार, व्यापारी व उद्योगपति को ट्रेड लाईसेंस प्राप्त करने के लिए नगर निगम के कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं होगी। हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 के तहत जिन औद्यागिक ईकाईयों व व्यापारिक संस्थानों को ट्रेड लाईसेंस लेना जरूरी होता है, उन्हें अब सरल हरियाणा पोर्टल पर जा कर अपनी ईकाई का मलकियत आदि का सबूत व आई.डी.प्रुफ अपलोड करके इसके लिए आवेदन करना होगा। इसके बाद सभी आवश्यक जानकारी फीड करने के बाद आवेदन सबमिट करना होगा। आनलाईन स्वीकृति के बाद निगम कार्यालय में आने की बजाए आनलाईन प्रक्रिया से ही निर्धारित शुल्क जमा करके वे अपना लाईसेंस आनलाईन डाउनलोड कर सकेंगे। निर्धारित शुल्क का विवरण शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा की यूएलबी बेबसाईट पर उपलब्ध है।

अप्रशिक्षित युवकों को नौकरी में कैसे दें आरक्षणः भाटिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रमुख औद्योगिक संगठन फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने हरियाणा मंत्रिमंडल द्वारा उद्योगों में भर्ती में 75 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को आरक्षण देने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते कहा है कि इससे जहां उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। वहीं प्रदेश में नया औद्योगिक निवेश भी प्रभावित होगा।

एसोसिएशन के प्रधान बीआर भाटिया ने कहा है कि उद्योगों में 75 प्रतिशत स्थानीय युवाओं की भर्ती का अध्यादेश वास्तव में उद्योग हित में नहीं है और इसके नकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। कहा गया है कि स्थानीय युवक प्रशिक्षित नहीं है और ट्रेनिंग भी लेना नहीं चाहते। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट सेंटर का जिक्र करते हुए कहा कि इस सेंटर में युवा वर्ग को ट्रेनिंग देने के सभी प्रबंध हैं। यही नहीं स्टाइपेंड के रूप में उन्हें प्रोत्साहन राशि भी जाती दी जाती है, परंतु जहां तक स्थानीय युवकों का प्रश्न है वे ट्रेनिंग नहीं लेते। ऐसे में सरकार द्वारा स्थानीय युवकों को ही नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण देने की शर्त उद्योग हित में नहीं कही जा सकती। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा। जब हम उद्योगों की कार्यशैली में कम से कम बाधाएं डालें। कोई भी उद्योग रोजगार देते समय सिर्फ कैंडिडेट के अनुभव व कुशलता को देखती है न कि वह किस प्रांत या प्रदेश से आया है। स्थानीय युवाओं की निपुणता को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक अवसर व संसाधन बढ़ाने चाहिए। जिसके लिए हरियाणा सरकार ने श्री विश्वकर्मा स्किल यूनीवर्सिटी स्थापित की है। उन्होंने बताया कि विभिन्न औद्योगिक संस्थानों द्वारा इस संबंध में एसोसिएशन से संपर्क किया जा रहा है और जानकारी मांगी जा रही है परंतु एसोसिएशन अभी अध्यादेश की प्रतीक्षा कर रही है और उसके बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

इस आरक्षण से उद्योगों पर पड़ेगा नकारात्मक प्रभाव

प्रदेश में नया औद्योगिक निवेश भी प्रभावित होगा

प्रवासियों पर नियंत्रण

अमेरिका में विदेशी छात्रों पर संकट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव वर्ष में कोविड-19 से लड़ने के बहाने उन विदेशी छात्रों से देश छोड़ने को कहा है जिनके विश्वविद्यालय केवल आनलाइन कक्षायें चला रहे हों। ऐसा न करने पर उनको देश से निकाल दिया जाएगा। हालांकि, इन संस्थानों में हाइब्रिड कोर्स-आनलाइन व आफ्लाइन पढ़ रहे छात्रों को थोड़ी राहत मिली है। ट्रंप की घोषणा से विदेशी छात्रों में अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति है जिन्होंने अपने कोर्स की पूरी फीस अदा कर दी है और अब उनको चिन्ता है कि क्या वे अमेरिका में अपना रहना वैध ठहराने के लिए आफ्लाइन कोर्सों में जा सकते हैं। इससे उनकी इंटर्नशिप, नौकरियों की उम्मीदें तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रभावित हुए हैं। अनेक प्रेक्षकों की राय है कि यह फैसला राजनीति से प्रेरित है और इसके कारण रोजगार में आप्रवासियों का हिस्सा घटेगा। यह संस्थानों को खुलने के लिए दबाव डालने की ट्रंप की चाल भी हो सकती है। महामारी के बाद अमेरिका के अधिकांश विश्वविद्यालय आनलाइन हो गए हैं। हार्वर्ड ने परिसर में रहने वाले सभी छात्रों समेत सबके लिए आनलाइन कक्षायें शुरू की हैं। इसलिए किसी छात्र को केवल अमेरिका में रहने के लिए हाइब्रिड कोर्स में शामिल होने की क्या जरूरत है। अमेरिका में छात्र वीसा वैसे भी जटिल थे और बीच में इनको रद्द करने का अर्थ यह भी होगा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थितियां ठीक होने पर भी इनका नवीनीकरण आसान नहीं होगा। इसके पीछे 'अमेरिकन नौकरियां अमेरिकनों के लिए' की भावना व्याप्त है, लेकिन इससे अमेरिकन शिक्षा अर्थव्यवस्था को धक्का लगेगा। अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारतीयों की उपस्थिति 18 प्रतिशत से अधिक है ओर यह आप्रवासी छात्रों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। विश्वविद्यालय अपनी आमदनी

नहीं खोना चाहते हैं क्योंकि छात्र आवास, सुविधाओं, भोजन, परिवहन व ट्यूशन के लिए अतिरिक्त भुगतान करते हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से एमआईटी व हार्वर्ड ने इस आदेश के खिलाफ संघीय अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। क्या अमेरिका अन्य देशों के लिए उच्च शिक्षा केन्द्र की अपनी विश्वसनीयता खोना चाहता है? क्या वह सोचता है कि भारत को इस कदम का नुकसान नहीं होगा जिसका मुख्य उद्देश्य चीनी छात्रों को बाहर का रास्ता दिखाना है जिनकी विदेशी छात्रों में सबसे बड़ी संख्या है?

अमेरिकन कौंसिल आन एजुकेशन के अनुसार, इस घोषणा से अमेरिकी प्रशासन आश्चर्यचकित है जो कक्षायें चलाते रहने के लिए प्रशंसा की उम्मीद लगाए बैठा था। यदि विश्वविद्यालय हाइब्रिड कक्षाओं की योजनायें बनाते हैं तो सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर क्या होगा क्योंकि वैश्विक महामारी की दूसरी लहर आने की आशंका है और ऐसे में उनको केवल आनलाइन कक्षाओं तक सीमित होना पड़ेगा? ऐसे में अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर अनेक नियंत्रण के कारण छात्र वापस कैसे लौटेंगे? फिलहाल विश्वविद्यालयों का प्रशासन अपने छात्र बचाए रखने के लिए हाइब्रिड माडलों पर जोर दे रहा है। इस तथ्य को भी अनदेखा किया जा रहा है कि अमेरिका को आप्रवासियों में प्रतिभा का लाभ होता है और उनमें से कुछ विशाल निगमों का नेतृत्व कर रहे हैं। ट्रंप को केवल अपने मतदाताओं की चिन्ता है और वे श्वेत नस्ल की श्रेष्ठता की भावना भी बहाल करना चाहते हैं। सभी प्रकार के प्रवासी कानूनों में परिवर्तन तथा विदेशियों पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों के अच्छे नतीजे नहीं होंगे। व्हाइट हाउस ने रोजगार-आधारित वीसा स्थगित कर वैध प्रवास पर भी लगाम लगाई है। इस प्रकार ट्रंप ने महामारी का प्रयोग कर 'अमेरिकन पहले' का अपना सपना आगे बढ़ाया है, जिसे पूरा करने का पहले उनका कोई इरादा नहीं था। अब वे वर्तमान निराशाजनक समय में इसे आगे बढ़ा रहे हैं ताकि कोई उनके गलत कामों पर ज्यादा ध्यान न दे। यदि वायरस का प्रकोप जारी रहता है तो इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता है कि आप एक कक्षा में पढ़ते हैं या दस में।

एकांत में रचनात्मकता का समय

एकान्त में हमारी विचार क्षमता सबसे तेज होती है और हम सबसे अच्छे विचार तैयार कर सकते हैं। दुनिया को थोड़ी दूर से देखने पर ही आप इसे समग्र रूप से देख कर इसके बारे में बेहतर समझदारी प्राप्त कर सकते हैं।

मोईन काज़ी
(लेखक विकास पेशेवर हैं)

हेनरी डेविड थूरो का कथन है, 'मुझे एकान्त से अच्छा कोई साथी कभी नहीं मिला।' किसी पुस्तक, संगीत या भीड़ से दूर घने जंगलों में जाने से अधिक मुझे कभी बेहतर, शांत, प्रसन्न व स्पष्ट होने का समय नहीं मिला। अपनी निजता और उससे मिलने वाले आनन्द के बारे में अधिकांश लोगों ने यही बात कही है। वास्तव में यह हर्षोन्माद की भावना से ज्यादा गहरी अनुभूति है। यह स्वयं को एकान्त में खो देने तथा थोड़े समय के लिए परिवार व मित्रों से अलग होकर रचनात्मकता का अनुभव प्राप्त करने जैसा है।

कोविड-19 ने लाखों लोगों को अपने आंतरिक विस्थापन में भेजा है और बहुत से लोग अकेलेपन की गंभीर भावना से ग्रस्त हो गए हैं। वैश्विक महामारी ने पहले के किसी अन्य समय की तुलना में हमें एकान्त का अनुभव कराया है। हालांकि, इससे हमारे मस्तिष्क एकान्त का अनुभव प्राप्त करने में सफल हुए हैं, पर इसके साथ जुड़ी भय व दुष्कल्पना जैसी भावनायें भी सामने आई हैं। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में इसेक्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में नतीजा निकाला है कि कोरोनावायरस वैश्विक महामारी के समय में पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा अधिक है। इस अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि महामारी के समय तनाव व एकान्त से पीड़ित महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है और यह 27 प्रतिशत हो गई है, जबकि सामान्य समय में यह 11 प्रतिशत थी। महामारी के कारण पैदा एकान्त, अनिश्चितता, अलगाव व आर्थिक बदहाली के कारण देश में आत्महत्या निवारण हेल्पलाइनों को आने वाले फोनों की संख्या बढ़ गई है।

भारत में मुंबई के एनजीओ वंडरवाला फाउंडेशन का लक्ष्य देश में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से पीड़ित लोगों की सहायता करना है। उसने बताया है कि लाकडाउन के पहले उसे रोज 90 तक फोन आते थे। लाकडाउन के बाद इनकी संख्या बढ़ कर रोज 150 तक हो गई है क्योंकि लोग एकान्त और अलगाव से निपटने में कठिनाई का अनुभव कर रहे हैं। इसके साथ ही फाउंडेशन को मिलने वाले ई-मेल की संख्या भी 80 से बढ़ कर 120 हो गई। आंशिक रूप से वर्तमान संकट के अत्यधिक भयावह लगने का कारण यह है कि इसने क्वारंटीन के बारे में भय पैदा किया है जो बिल्कुल अकेले छोड़ देने से जुड़ा है। इस भय का व्यक्तियों की सोच और उनके विश्व दृष्टिकोण पर गहरा प्रभाव पड़ा है। हम सभी एक-दूसरे से कट कर अपने घरेलू स्पेस के भीतर कैद हो गए हैं। यह दुनिया से काट देने वाली इक्कीसवीं शताब्दी की परिघटना है।

सोशल डिस्टेंसिंग तथा कभी-कभी स्वयं को क्वारंटीन कर लेना कोरोनावायरस से बचने का सबसे अच्छा सुरक्षा कवच है लेकिन यह हमारे लिए आसान नहीं है। इसकी एक अपरिहार्य कीमत सामाजिक अलगाव तथा हमारे एकान्त में वृद्धि है। वर्तमान समय में इतिहास के किसी अन्य समय की तुलना में ज्यादा लोग एकान्त में रह रहे हैं। एकान्त का यह अनुभव एक उपहार की तरह है जिससे मानवता की रक्षा हो सकती है। आज सारी दुनिया एक ही नाव में सवार है। हम चाहे जितना भयभीत अनुभव करें, पर हमने कभी स्वयं को इतना अकेला नहीं पाया था। इससे एक परिवार से जुड़े होने की भावना भी मजबूत हुई है। इससे स्पष्ट हुआ है कि केवल एक दूसरे की देखभाल कर ही हम बेहतर भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं और हम सभी इसी ग्रह पर निर्भर हैं। इससे स्पष्ट होता है कि दुनिया की सबसे अच्छी चीजों का उपहार मिलने के बावजूद हम व्यक्तियों के रूप में कितने असहाय हैं।

एकान्त एक ऐसी विशिष्ट स्थिति है जब कोई व्यक्ति स्वयं को लोगों के बीच रहते हुए भी सामाजिक रूप से अलग-थलग मानता है। हालांकि, एकान्त के भयानक हानिकारक प्रभाव अकेले रहने वाले लोगों की कुछ विशिष्टताओं के कारण नहीं होते हैं। इसके बजाय यह सामान्य लोगों के एकान्त में रहने पर पड़ने वाले प्रभाव हैं। इससे यह भावना पैदा होती है कि लाखों अन्य लोगों से घिरे होने के बावजूद हम उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। अकेले होना और एकान्त का अनुभव करना समान चीजें नहीं हैं। निश्चित रूप से अलग-थलग जीवन जीने वाले बहुत से लोग एकान्त का अनुभव नहीं करते हैं। अकेले या अविवाहित होने का अर्थ एकान्त का अनुभव हो सकता है, पर हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसी प्रकार किसी के साथ रिश्ते में होने का अर्थ आपको एकान्त से सुरक्षा देना नहीं भी हो सकता है। जिस प्रकार आप दूसरों के साथ होने पर भी स्वयं को अकेला अनुभव कर सकते हैं, उसी तरह आप केवल अपने साथ से ही अच्छी तरह संतुष्ट हो सकते हैं। हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अकेले कैसे हुआ जाता है।

महामारी के समय हमें अकेले नहीं रहना चाहिए क्योंकि इससे हम पराजित हो सकते हैं। हालांकि, इसका एक सकारात्मक पक्ष भी है। एकान्त में हमारी विचार क्षमता सबसे तेज होती है और हम सबसे अच्छे विचार तैयार कर सकते हैं। जब आप दुनिया को थोड़ी दूर से देखते हैं तभी आप इसे समग्र रूप से देख कर बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। हम इस द्वैध को पाने में सफल हो सकते हैं जो रचनात्मकता में महान योगदान करता है। एकान्त केवल अकेले रहना नहीं है, न ही इस एकान्त के अपरिहार्य परिणाम होते हैं। यह निकटता की स्थितियों में भी आसानी से पैदा हो सकता है। आप भीड़ में अकेले हो सकते हैं, जन्मदिवस पार्टी में अकेले हो सकते हैं और कभी-कभी अन्य निकटता व निकट संबंध होने पर भी ऐसा हो सकता है। एकान्त सामाजिक प्राणी के लिए एक भयंकर सपने की तरह है। यह हमारी सामाजिक दुनिया में एक वर्जना की तरह है। सामान्य स्थितियों व क्वारंटीन में यह स्थिति नहीं हो सकती है। अनेक प्रकार से एकान्त कष्ट का कारण भी हो सकता है। इसके शरीर और मन पर वास्तविक व दीर्घकालीन प्रभाव होते हैं। मानव जीवन के लिए संबंध बनाए रखना इतना जरूरी है कि इसकी कमी से थोड़ी आपातस्थिति जैसा अनुभव होता है।

हालांकि, अत्यधिक जुड़ाव वाली दुनिया में अकेले समय बिताना खासतौर से उस समय महत्वपूर्ण होता है जब हमारी आंतरिक भावनायें और विचार लगातार बातचीत या दूसरे लोगों द्वारा मिलने वाली जानकारियों से डूबने लगते हैं। हम में से बहुत से लोग 'कुछ न करने' को भौतिक अलगाव मान लेते हैं। लेकिन अलगाव एक ऐसी स्थिति होती है जो किसी स्थान या अंतिम लक्ष्य पर आधारित नहीं होती है। एकान्त में रहने की कला में महारत समाजविरोधी न होकर अपने प्रति ज्ञान और समझदारी को बढ़ाने में सहायक होती है। इससे हम दूसरों से बेहतर तरीके से जुड़ सकते हैं। एकान्त स्वयं को पुनर्जीवित करने का तथा अपने बारे में जानकारी गहरी करने का एक अवसर है। इससे हमें अपनी खोज करने और स्वयं को जानने में सहायता मिलती है। यह निकटता का विपरीत है, पर इससे हमें बाहरी दुनिया में स्वयं को प्रासांगिक बनाए रखने में मदद मिलती है।

मौन धार्मिक या अन्य प्रकार से आत्मचिंतन की पूर्व शर्त है। शांत रहने तथा मौन रहने का प्रयास आमतौर से शोर मचाने या शोर में रहने से अधिक लाभदायक हो सकता है। इसी कारण हम जंगलों, समुद्र के किनारे या पहाड़ों पर जाते हैं तथा स्वयं को पुनर्जीवित करते हैं। इसी कारण हम ध्यान लगाते हैं या पूजास्थलों के शांत स्थानों में समय बिताते हैं।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ और भीड़ से घिरे होने के बावजूद हम सबको आत्मानुभूति के लिए मौन की आवश्यकता होती है। मौन रह कर अपने भीतर झांकने से दिमाग तेज होता है तथा किसी मुद्दे, घटना या चारों ओर फैली भावनाओं के बारे में हमारी समझदारी बढ़ती है। शोर के बीच स्पष्ट विचार के लिए समय, स्पेस, एकान्त तथा समुचित मौन की आवश्यकता होती है। थूरो के अनुसार क्रान्ति की शुरुआत अपने घर से होती है और उसमें एक बार में एक व्यक्ति शामिल होता है। उन्होंने लिखा था, 'हमें पहले अकेले सफल होने का प्रयास करना चाहिए, इसके बाद हम एकसाथ सफलता का आनन्द उठा सकते हैं।' बुद्ध ने भी संकेत किया है कि हमें से प्रत्येक के भीतर 'शांति का द्वीप' होता है और हमें उस द्वीप में शरण लेकर अपने चारों ओर के लोगों और घटनाओं को अपनी आंतरिक शांति में बाधा नहीं डालने देनी चाहिए। इस महामारी ने हमें एकान्त और मौन प्रदान किया है। हम इस विरले उपहार को बरबाद कर सकते हैं या इसे अपनी रचनात्मकता बढ़ाने में प्रयोग कर सकते हैं।

नई परिपाटियों को जन्म देती महामारी

> **यूके की संसद ने अपनी 800 साल पुरानी कार्य प्रणाली में बदलाव लाने में अग्रणी होकर चंद सप्ताह पूर्व आभासी बैठक की थी। भारत भी उसका अनुसरण करने पर विचार कर रहा है।**

कल्याणी शंकर
(लेखिका राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

अपने सात दशक से अधिक लंबे संसदीय इतिहास में भारत की संसद का मानसून सत्र भी कुछ इस प्रकार होगा जिसमें कुछ सांसद भौतिक रूप से उपस्थित होंगे तो अन्य आभासी रूप से। इस मिश्रित प्रयोग की अनिवार्यता वर्तमान में जारी कोविड-19 संकट के कारण पैदा हुई है। भारतीय विधि निर्माता यदि सामूहिक रूप से सत्र में भाग नहीं लेते हैं तो वे भारतीय संविधान द्वारा सौंपी गई कानून बनाने, कार्यपालिका को जवाबदेह बनाने एवं बजट परीक्षण की भूमिका निभाने में विफल हो जाएंगे। संविधान के अनुसार संसद को छह महीने में कम से कम एक बार सत्र आयोजित करना आवश्यक है और छह महीने की अवधि 22 सितंबर को समाप्त हो रही है। बजट सत्र में कटौती तथा 23 मार्च को स्थगित हो जाने के साथ, विधायिका के लिए महामारी एवं उससे निबटने के तरीकों, गिरती अर्थव्यवस्था, लद्दाख में चीन से टकराव आदि बहुत से ज्वलंत मुद्दों पर कार्यपालिका पर सवाल उठाना कठिन हो गया है।

हालांकि, आभासी संसदीय सत्र आयोजित होना कोई नई बात नहीं है क्योंकि घातम कोरोनावायरस महामारी फैलने के बाद से बहुत से देशों ने इस पद्धति का सहारा लिया है। दुनियाभर की संसदें इस नए प्रयोग के साथ इस अभूतपूर्व संक्रमण के साथ समायोजित करने में लगी हुई हैं। मिस्र, जर्मनी, इस्राइल, स्वीडन और यूरोपीय संघ सभी आभासी बैठकें आयोजित कर रहे हैं। यूनाइटेड किंग्डम और फिलीपींस जैसे देशों ने भौतिक तथा दूरसंवेदी आभासी उपसिथति के इस मिश्रित मॉडल को अपनाया है।

हो सकता है कई लोग पूछें कि क्या संसद की बैठक रोगाणु संक्रमण के इस दौर के बीच होनी चाहिए? क्या विपक्ष ने कोविड-19 का हवाला देकर मार्च में सत्र स्थगित किए जाने की मांग नहीं की थी? अब स्थिति कहां बदल गई है? ठीक है, तथ्य यह है कि संवैधानिक आवश्यकताओं के अलावा, कार्यपालिका के लिए संकट से निबटने हेतु किए गए उपायों को विधायिका के समक्ष पेश करना आवश्यक है? दूसरे, कुछ आपातकालीन उपायों के लिए विधायन की आवश्यकता पड़ सकती है। विविध प्रकार के अध्यादेश होते हैं, जिन्हें संसद में पेश करने की आवश्यकता होती है। तीसरे, संसद का सत्र सरकार तथा सदस्यों के लिए विचारों के आदान प्रदान एवं संप्रेषण हेतु द्विमार्ग बन जाएगा।

कांग्रेसनीत विपक्ष द्वारा सत्र आयोजित किए जाने की मांग किए जाने के साथ एवं ऐसी बैठक से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को देखते हुए, राज्यसभा अध्यक्ष, वेंकैया नायडू और लोकसभाध्यक्ष, आम बिड़ला, ने तीन बैठकें की हैं। मगर अंतिम निर्णय प्रतीक्षित है क्योंकि फैसला सरकार को लेना है। दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी इस मिश्रित सत्र को आयोजित करने से जुड़ी चुनौतियों से अवगत हैं। पहली है आयोजन स्थल की चुनौती। उनके समक्ष केंद्रीय भवन में लोकसभा की राज्यसभा के साथ बैठक आयोजित करने समेत कई विकल्प हैं। राज्यसभा में सदस्यों की संख्या लोकसभा से कम होती है, और आवश्यक सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए राज्यसभा को लोकसभा के भवन में स्थानांतरित किया जा सकता है। राज्यसभा में 127 सदस्य बैठेंगे और शेष गलियारे में बैठेंगे। आभासी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सदन के भीतर व बाहर दोनों जगह परदे लगाने होंगे। जब तक संसद का नया भवन 2022 में बन नहीं जाता तब तक स्थानाभाव बना रहेगा।

दूसरी चुनौती है ऐसे सत्र की संभाव्यता। यूके समेत, बहुत से अन्य देशों की तरह, भारतीय संसद भी 21वीं सदी की आधुनिक तकनीकों को अपनाने के मामले में थोड़ा धीमी रही है। लेकिन अब कोरोनावायरस ने हर किसी को संचार की नई डिजिटल पद्धतियों के साथ प्रयोग करने का बल प्रदान किया है। भारत भी सांसदों की आभासी तथा भौतिक मौजूदगी के स्वस्थ मिश्रण पर आधारित मॉडल को अपनाने पर विचार रही है।

मिश्रित सत्र के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए, संसद को निर्बाध बिजली आपूर्ति, सदस्यों के लिए एक सुरक्षित ब्राडबैंड कनेक्शन, तात्कालिक अनुवाद उपकरणों आदि के साथ तैयार रहना चाहिए। जिला स्तर पर भी सदस्यों को आभासी रूप से जोड़ने के लिए, तैयारी में 25 करोड़ खर्च एवं तीन महीने का समय चाहिए। फिर तकनीकी ज्ञान से वंचित सदस्यों का क्या होगा? सत्र के लिए लोगों की कुल संख्या लगभग 3,500 होगी, जिनमें कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, मीडिया, सांसद और उनके स्टाफ शामिल हैं। उन्हें महामारी के जोखिम में डाल देना उचित नहीं है। तीसरा मुद्दा यह है कि सदन को सदस्यों को मत देने की क्षमता प्रदान करने, नए सदस्यों को शपथ दिलाने एवं शारीरिक दूरी, साफ सफाई तथा सदस्यों के परिवहन हेतु प्रभावी उपाय करने हेतु तैयार रहना होगा।

उसके पूर्व, लोकसभा सचिवालय ने संसदीय समूहों की भौतिक बैठकों के आयोजन की अनुमति दी है। यह अपने तरह की पहली होगी, जिसमें सदस्यों को कागजों की साफ्त प्रतियां दी जा रही हैं और सामाजिक दूरी तथा अन्य दिशा निर्देशों कार पालन करने को कहा गया है। मंत्रियों को समिति के समक्ष प्रस्तुत होने वाले सदस्यों की संख्या अधिकतम पांच रखने की सलाह दी गई है।

क्योंकि तैयारियां पूरे जोरों पर हैं, लाख टके का सवाल यह है कि संसद का मिश्रित सत्र कितना प्रभावी होगा? शारीरिक दूरी तथा अन्य उपायों को संसद की कार्यप्रणाली पर क्या प्रभाव पड़ेगा? विपक्ष कैसे काम करेगा? वे विरोध प्रदर्शन करने, शोर मचाने, कागज फेंकने तथा वाकआउट करने में सफल नहीं हो पाएंगे जैसा कि पहले किया करते थे। क्या वे अपनी कार्यप्रणाली बदलेंगे? यह तो समय ही बताएगा।एक चीज तो निश्चित है। पीठासीन अधिकारी 750 सांसदों को एकसाथ लाने के जोखिम से अवगत हैं। चुनौतियों से पार पाना महत्वपूर्ण है और व्यवस्था को दक्ष बनना होगा। महामारी के बावजूद, जन प्रतिनिधियों को आमजन के सरोकारों पर आवाज उठाने का अवसर मिलना ही चाहिए। हमें समय के अनुरूप चलना होगा और नई परिस्थिति से स्वयं का तालमेल बिठाना होगा। वर्तमान समय से बेहतर और कोई समय इसके लिए नहीं है।

आप की बात

लाकडाउन और महिलाएं

इस पुरुषवादी दुनिया में आम तौर पर घर की साफ-सफाई, चूल्हा-चौका, बच्चों की देख-रेख और कपड़े धोने के साथ रसोई का काम महिलाओं के जिम्मे होता है। हालांकि अब कामकाजी दंपतियों के मामले में यह सोच बदल रही है, लेकिन फिर भी ज्यादातर परिवारों में यही मानसिकता काम करती है। नतीजतन इस लंबे लॉकडाउन में ज्यादातर महिलाएं कामकाज के बोझ तले पिसने पर मजबूर हैं। भारतीय महिलाएं दूसरे देशों के मुकाबले रोजाना औसतन छह घंटे ज्यादा ऐसे काम करती हैं जिनके एवज में उनको पैसे भी नहीं मिलते। जबकि भारतीय पुरुष ऐसे कामों में एक घंटे से भी कम समय खर्च करते हैं और ज्यादा रुतबा रखते हैं। लॉकडाउन ने महिलाओं के लिए रोजगार की उपलब्धता को लगभग कम कर दिया है और देखभाल के काम का बोझ बढ़ गया है। घर पर परिवार के सभी सदस्यों के साथ बच्चों को स्कूल से बाहर खाना पकाने, साफ-सफाई, बच्चों की देखभाल और बुजुर्गों की देखभाल के कार्य अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। ग्रामीण महिलाओं में पहले से ही उच्च स्तर के कुपोषण की भी बढ़ने की संभावना है, क्योंकि घरों में भोजन की मात्रा कम हो रही है, लॉकडाउन के दौरान महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा दबाव में रही हैं।

– **डॉ. सत्यवान सौरभ,** दिल्ली

भारत में जल व खाद्य की बर्बादी

हमारे देश में उत्पन्न कुल उत्पादित अन्न ,फल और सब्जियों का लगभग चालिस प्रतिशत भाग उपभोक्ता तक पहुंचने से पूर्व ही कुव्यवस्था और उचित भंडारण न होने के कारण सड़गल कर खराब हो जाता है ,जबकि तीस करोड़ के लगभग गरीबी और बेरोजगारी से अभिशप्त लोग रात में भूखे पेट सो जाते हैं। एक तरफ हमारा भारत महान कथितमहाशक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है,लेकिन किसानों द्वारा उत्पादित अमूल्य भोज्य पदार्थों के उचित भंडारण और संरक्षण नहीं कर सकता। वही हालत इस देश की पानी के बारे में भी है ,जैसे यहां के राजनैतिक और प्रशासनिक कुव्यवस्था के कारण, करोड़ों टन अन्न को खुले में, बारिश में हर साल सड़ाकर नष्ट करने, जैसा जघन्य अपराध किया जाता है ,वही हाल हर साल वर्षा के मौसम में यहाँ पानी को बर्बाद करने और उसे संचित न करने का किया जाता है और गर्मी का मौसम आते-आते पूरे देश में पानी की किल्लत का हर साल रोना रोया जाता है। अगर भारत,भी इजरायल की तरह,जहां भारत के मुकाबले 2 प्रतिशत ही बारिश होती है ,पानी की बर्बादी रोककर और बारिश की एक-एक बूंद बचाकर अपने देश की पानी की जरूरत को पूरा करके ,उसी पानी से वह अपनी जरूरत का 93 प्रतिशत खाद्यान्न खुद ही उपजाता है।

– **निर्मल के शर्मा**, गाजियाबाद

अब भूटान से चीन का विवाद

चीन का भारत के साथ सीमा विवाद सुलझा नहीं कि उससे पहले भूटान के साथ ताजा सीमा विवाद सामने आया है । चीन कोविद-19 नामक विषाणु की उपज के चलते विश्व समुदाय की नजरों में गिर चुका है। उसके बावजूद भी वह अपनी बेजा हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आज चीन के न केवल दुनिया के सबसे शक्तिशाली मुल्क अमेरिका से बल्कि लगभग सभी अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध खराब हैं। कमोबेश, इन दिनों चीन के अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कजाकिस्तान और रूस समेत दुनिया के कई मुल्कों के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। पिछले कुछ महिनों से चीन का भारत के साथ सीमा संघर्ष चल रहा है जो फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। लेकिन इसी बीच चीन ने दुनिया के छोटे से शांतिप्रिय और प्यारे से देश भूटान से सीमा विवाद शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि वैश्विक पर्यावरण सुविधा की एक बैठक में पूर्वी भूटान स्थित सकतेंग वन्यजीव अभयारण्य से संबंधित परियोजना पर आपत्ति जताते हुए चीन ने कहा कि यह क्षेत्र चीन और भूटान के बीच विवादित क्षेत्र है।

– **अली खान**, जैसलमेर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

हम अमेरिका से अपील करते हैं कि वह तिब्बत से जुड़े मुद्दों के माध्यम से चीन के आंतरिक मामलों में दखल देना बंद करे और गलत रास्ते पर आगे न बढ़े।

-झाऊ लिजिआन
चीनी पदाधिकारी

मैं चीनी सैनिकों के पीछे हटने व टकराव त्यागने का स्वागत करता हूं। क्या कोई बताएगा कि वे किस जगह से पीछे हटे हैं और अब कहां पर हैं।

– **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

मोदी को लगता है कि दुनिया उनकी तरह है और हर किसी की कीमत लगाई जा सकती है व धमकाया जा सकता है।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

...तो टूटेगा खाकी और खादी का चक्रव्यूह

कमल दुबे। लखनऊ

आठ पुलिस जवानों की हत्या के बाद रातों रात दुर्दान्त अपराधी बने विकास दुबे की मध्य प्रदेश के उज्जैन में गिरफ्तारी से खाकी और खादी के गठजोड़ के पर्दे के उठने की उम्मीदें जागी हैं। खाकी और खादी की कोख से पैदा विकास दुबे के अपराधिक साम्राज्य को अनेक बड़े चेहरों का संरक्षण हासिल था। रिमाण्ड को दौरान विकास दुबे के बयानों के आधार पर पुलिस की कार्रवाई आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री योगी के सख्त रुख से उम्मीद की जा रही है कि विकास दुबे के आपराधिक साम्राज्य को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले खाकी और खादी के बड़े चेहरे सामने होंगे।

वैसे मुख्यमंत्री योगी खाकी के पीछे छिपे चेहरों से पर्दा उठाने का काम चौबेपुर थानाध्यक्ष विनय तिवारी की गिरफ्तारी सहित कई पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और एसटीएफ के प्रमुख अन्नत देव को हटाने के साथ शुरू भी कर चुके हैं लेकिन अभी खादी के पीछे छिपे चेहरों के बेनकाब होने का इंतजार है। विदित हो कि आठ पुलिस जवानों की हत्या के बाद हुई छानबीन में विकास दुबे की पुलिस महकमें और राजनीति में तगड़ी पैठ होने की बातें सामने आ चुकी हैं। खूनी नरसंहार की घटना के बाद शहीद पुलिस क्षेत्राधिकारी का पत्र गायब होना विकास के पुलिस के साथ रिश्तों का पुख्ता प्रमाण हैं। इसके अलावा सपा बसपा तथा भाजपा के कई नेताओं के तार विकास दुबे से जुड़े होने की बातें सामना आ रही हैं। इन पर हाथ डालने के लिये योगी सरकार विकास के बयानों को आधार बना सकती है। सीएम योगी की मंशा ऐसे सभी चेहरों को सामने लाने की है जो किसी न किसी रूप से विकास दुबे और उसके गैंग के लिये काम कर रहे थे। ऐसे सभी चेहरों को बेनकाब करने के लिये सीएम योगी कानून के दायरे में कार्रवाई करने की खुली छूट राज्य के पुलिस अफसरों को पहले ही दे चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि इन चेहरों को कानून की गिरफ्त में लाने के लिये विकास दुबे के बयान अहम भूमिका निभायेंगे।

मुख्यमंत्री योगी खाकी के पीछे छिपे चेहरों से पर्दा उठाने का काम चौबेपुर थानाध्यक्ष विनय तिवारी की गिरफ्तारी सहित कई पुलिस कर्मियों के खिलाफकार्रवाई और एसटीएफ के प्रमुख अन्नत देव को हटाने के साथ शुरू भी कर चुके है लेकिन अभी खादी के पीछे छिपे चेहरों के बेनकाब होने का इंतजार है

जानकारों के मुताबिक विकास दुबे को रिमाण्ड पर लेने के बाद एसटीएफ की टीम कल तक यहां पहुंचेगी और फिर इसके बाद शुरू होकर उससे पूछताछ का सिलसिला। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ चाहते थे कि विकास दुबे को जिन्दा या मुर्दा पकड़ कर कानून व्यवस्था को लेकर बड़ा संदेश दिया जाये। इसके लिये उन्होंने राज्य के पुलिस प्रशासन को हर तरह की खुली छूट दे दी थी। उन्होंने विकास दुबे का सफाया होने तक राज्य के तेज तर्रार पुलिस अफसरों की टीम को कानपुर में लगातार कैंप करने के सख्त निर्देश दिये थे। पूरे मामले में सीएम योगी की सीधे दिलचस्पी को देखते हुये राज्य के पुलिस अफसरों की दिली तमन्ना थी कि वह विकास को जिन्दा या मुर्दा पकड़ कर खाकी पर लगे दाग और अपने साथियों की शहादत का बदला लें लेकिन मध्य प्रदेश में उसकी गिरफ्तारी से राज्य के पुलिस अफसरों की उम्मीदों का धक्का लगा है। हालांकि पुलिस के इन अफसरों के पास मुख्यमंत्री को कुछ कर दिखाने के लिये विकास दुबे के आपराधिक साम्राज्य का पालन-पोषण करने वालों को बेनकाब करने का मौका बचा है।

हालांकि राज्य पुलिस विकास दुबे को भले ही न पकड़ पायी हो लेकिन उसने विकास के पांच साथियों का इनकाउन्टर तथा तीन साथियों को गिरफ्तार किया है। विगत तीन जुलाई को कानपुर में आठ पुलिस जवानों मौ मौत के बाद रातो रात दुर्दान्त अपराधी बना विकास दुबे पूरे छह दिनों तक पुलिस को छकाता रहा। हमेशा वह पुलिस से दो नहीं चार कदम आगे रहा। चाहे पुलिस जवानों की हत्या के बाद दो दिनों तक कानपुर में ही छिपे रहने की बात हो या फिर फरीदाबाद पहुंच कर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने की अथवा यूपी पुलिस का पूरा चक्रव्यूह ध्वस्त करके मध्य प्रदेश के उज्जैन में अपनी नाटकीय गिरफ्तारी। हर कदम पर विकास दुबे आगे रहा और पुलिस उसके पीछे-पीछे। छह दिनों की पटकथा पर विराम लगने से पहले यूपी पुलिस को जैसे तैसे उधार की खुशी जरूर मिल गई। उधार की खुशी इस लिये क्योंकि विकास दुबे की गिरफ्तारी में सबसे बड़ा श्रेय मंदिर के सुरक्षा गार्डों और मध्य प्रदेश पुलिस को जाता है। वैसे कुल मिलाकर विकास दुबे मध्य प्रदेश के उज्जैन में नाटकीय तरीके से गिरफ्तारी देकर अपनी जान बचाने में कामयाब हो गया। अब कानून अपना काम करेगा।

एनकाउंटर से पहले एसटीएफ की पूछताछ में प्रभात ने किए कई खुलासे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रभात के कहा पुलिसकर्मियों की हत्या में इस्तेमाल हथियार बिकारू गांव के पास ही कुएं में फेंक दिए थे

एनकाउंटर से पहले फरीदाबाद में बीते बुधवार को हुई गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ की पूछताछ में प्रभात मिश्रा ने कानपुर के बेकरू कांड के संबंध में कई अहम खुलासे किए।

एसटीएफ सूत्रों के अनुसार प्रभात ने बताया था कि घटना के समय विकास दुबे ने फोन करके उसे बुलाया था। उसने कुबूल किया कि विकास के साथ पुलिस कर्मियों पर फायरिंग करने में वह शामिल रहा था। उसने बताया कि पुलिसकर्मी पूरी तरह से घिर गए थे। पुलिसकर्मियों ने कहा था कि मत मारो लेकिन इसके बाद उसने और बाकी लोगों ने विकास के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों को मारा। प्रभात के मुताबिक पुलिसकर्मियों की हत्या में इस्तेमाल हथियार बिकारू गांव के पास ही कुएं में फेंक दिए थे। प्रभात ने खुलासा किया कि पुलिस कर्मियों की हत्या करने के बाद उसने और विकास ने उनकी दो पिस्टलें और कारतूस लूटीं और वहां से शिवली निकल गए। वह लोग शिवली में दो दिन रुके। मोटरसाइकिल और टैक्सी से सफर करते हुए वह लोग फरीदाबाद पहुंच गए। यहां उन्होंने विकास की भाभी शांति मिश्रा के यहां शरण ली। उन्हें शरण देने के मामले में अंकुर और श्रवण को गिरफ्तार किया गया है। फरीदाबाद पुलिस ने इनके पास से दो 9 एमएम पिस्टल और दो देसी पिस्टल 9 एमएम और 45 जिंदा कारतूस बरामद किए। साथ ही प्रभात के पास से तीन हजार रुपए दिए। प्रभात ने बताया कि पुलिस टीम के आने की सूचना मिलने के साथ ही विकास कुछ घंटे पहले फरार हो गया।

फिर धरा रह गया यूपी पुलिस की ट्रैकिंग, ट्रेसिंग व सर्विलांस का पूरा नेटवर्क

विकास दुबे की नाटकीय गिरफ्तारी से प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली व मुस्तैदी पर उठे सवाल

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

आठ पुलिसकर्मियों को मौत की नींद सुला कर पुलिस महकमे को कड़ी चुनौती देने वाले मोस्ट वांटेड अपराधी विकास दुबे की उज्जैन में हुई नाटकीय गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली और उसकी मुस्तैदी पर सवाल उठ रहे हैं। इसके पहले हिंदू महासभा के नेता कमलेश तिवारी की हत्या के मामले में भी यूपी पुलिस खाली हाथ ही रह गई थी। कमलेश तिवारी के हत्यारे को गुजरात पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इस बार भी ट्रैकिंग, ट्रेसिंग और मजबूत सर्विलांस का यूपी पुलिस और एसटीएफ का पूरा का पूरा नेटवर्क धरा का धरा रह गया और इतनी बड़ी जघन्य वारदात को अंजाम देने वाला विकास दुबे कदम कदम पर पुलिस को चकमा देते हुए आखिरकार उज्जैन पहुंच कर अपने इरादों में सफल हुआ।

विकास दुबे की तलाश में पूरे उत्तर प्रदेश की पुलिस जी.जान से जुटी थी। इसके बावजूद न केवल विकास दुबे पुलिस को गच्चा देता रहा, बल्कि वह यूपी, हरियाणा से लेकर मध्य प्रदेश तक घूमता रहा। पिछले सात दिनों में यूपी पुलिस और एसटीएफ की 60 से अधिक टीमें विकास को तलाश कर रही थीं।अन्य राज्यों में भी उसकी तलाश की जा रही थी। यहां तक नेपाल की सीमा पर भी पुलिस अलर्ट थी। कहा जा रहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित आसपास के राज्यों की सीमाओं को सील कर दिया गया है। इस बीच पुलिस ने विकास दुबे गैंग के पांच सदस्यों को एन्काउंटर में मार गिराया। विकास दुबे और उसके गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके रिश्तेदारों को हिरासत में लिया गया लेकिन विकास दुबे को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कानपुर कांड को एक चुनौती मानते हुए विकास दुबे और उसके साथियों के खिलाफकार्रवाई के लिए पुलिस को पूरी तरह से खुली छूट दे दी थी। इसी का नतीजा है कि मात्र 4 दिनों के भीतर विकास दुबे पर घोषित इनाम की धनराशि 25000 से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई। उत्तर प्रदेश पुलिस लगातार विकास दुबे तक पहुंचने की खातिर उसके गुर्गों की धरपकड़ करती रही लेकिन वो लगातार पुलिस को चकमा देता रहा। करीब 6 दिन बीत जाने के बाद भी विकास दुबे का अता.पता नहीं चल पाया। बृहस्पतिवार की सुबह उज्जैन में महाकाल मंदिर के बाहर नाटकीय ढंग से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे में यूपी पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है कि आखिर कड़े पहरे के बावजूद विकास दुबे यूपी पुलिस को छकाते हुए राज्य से बाहर चला कैसे गया। आखिर सात दिनों में यूपी पुलिस पांच लाख के इनामी को क्यों नहीं पकड़ पाई। वह लगातार पुलिस की आंखों से ओझल होता रहा । पहले तो कानपुर में घटना को अंजाम देने के बाद 2 दिन तक वह करीब में ही स्थित शिवली में छुपा रहा और पुलिस को इसकी भनक न लगी। यहां से निकलकर वह फरीदाबाद पहुंच गया। दो दिनों तक फरीदाबाद में अपने रिश्तेदारों और होटल में रहा। पुलिस की छापेमारी में होटल कर्मियों के कमरे खाली ही मिले। इसके बाद पुलिस ने जांच के लिए रजिस्टर और सीसीटीवी के डीवीआर को कब्जे में ले लिया पर पुलिस को खाली हाथ ही लौटना पड़ा। इसके बाद से विकास पुलिस और एसटीएफ को चकमा दे रहा था। जब फरीदाबाद पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने पर ओयो गेस्ट हाउस में छापा मारा तो विकास दुबे वहां से निकल चुका था। बाद में उसकी तस्वीरें सीसीटीवी में कैद भी हो गईं। वो ऑटो में बैठकर कहीं जाता हुआ दिखा। फरीदाबाद में उसकी लोकेशन मिलने के बाद यूपी पुलिस ने अपना पूरा ध्यान दिल्ली और एनसीआर पर केंद्रित कर दिया। यूपी पुलिस यहीं उलझी रही और उसने आश्चर्यजनक ढंग से उज्जैन पहुंच कर अपने को गिरफ्तार करवा दिया।

कानपुर कांड की सीबीआई से जांच कराए प्रदेश सरकार: प्रियंका गांधी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिकरू कांड में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या केस में उत्तर प्रदेश की सरकार पूरी तरह से विफल रही है। इसके साथ ही उन्होंने इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने की मांग की।

उन्होंने मामले के मुख्य आरोपी विकास दुबे की गिरफ्तारी को लेकर दावा किया कि उसका उज्जैन तक पहुंचना मिलीभगत की ओर इशारा करता है। प्रियंका ने ट्वीट किया कि कानपुर के जघन्य हत्याकांड में उत्तर प्रदेश सरकार को जिस मुस्तैदी से काम करना चाहिए था, उसमें वह पूरी तरह विफल साबित हुई।

अलर्ट के बावजूद आरोपी का उज्जैन तक पहुंचना न सिर्फसुरक्षा के दावों की पोल खोलता है बल्कि मिलीभगत की ओर इशारा करता है। उन्होंने दावा किया कि तीन महीने पुराने पत्र पर नो एक्शन और कुख्यात अपराधियों की सूची में विकास का नाम न होना बताता है कि इस मामले के तार दूर तक जुड़े हैं। प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को मामले की सीबीआई जांच करा सभी तथ्यों और संरक्षण देने से जुड़े संबंधों को जगजाहिर करना चाहिए।

मध्य प्रदेश के गृहमंत्री की भूमिका पर लग रहे हैं सवालिया निशानः लल्लू

लखनऊ। कांग्रेस ने कानपुर में पुलिस कर्मियों की जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने वाले विकास दुबे की स्क्रिप्टेड संदिग्ध गिरफ़्तारी पर सवाल उठाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि विकास की गिरफ्तारी के प्रकरण में मध्य प्रदेश के गृहमंत्री जो कि पहले कानपुर के प्रभारी रहे हैं उनके ऊपर सवालिया निशान लग रहा है। यह भी बात सामने आई है कि अचानक महाकाल मंदिर में तैनात पुलिसकर्मियों का तबादला हुआ है। यह क्यों और कैसे हुआ इसकी जांच होनी चाहिये। अक्सर यह देखा जाता है कि किसी भी बड़ी घटना के बाद पुलिस के बड़े अधिकारी प्रेस ब्रीफिंग करते हैं आखिर क्या परिस्थिति थी कि मध्यप्रदेश के गृहमंत्री ने प्रेस ब्रीफिंग की। विकास दुबे की उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर से हुई संदिग्ध गिरफ़्तारी की सीबीआई की मांग उठाते हुए लल्लू ने कहा कि पूरा प्रदेश जंगलराज में तब्दील हो गया है। लल्लू ने कई सवाल उठाते हुए योगी सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि प्रदेश में जंगलराज का यह आलम है कि आला अफ्सर पुलिस के आपराधिक गठजोड़ के चलते अपराध फ्ल फूल रहा है। उन्होंने विकास दुबे की वेल स्क्रिप्टेड संदिग्ध गिरफ़्तारी और उससे जुड़े हुए कुछ सवाल उठाये हैं.जब सूबे पूरी सीमा सीज थी। बड़ी तादात में एजेंसियों और पुलिस टीम लगी थी तो विकास दुबे उज्जैन कैसे पहुंच गया, इसकी जांच होनी चाहिए। प्रदेश सरकार को जवाब देना चाहिए कि विकास दुबे के प्रकरण में जिन लोगों का नाम समाने आया है उनकी जांच होनी चाहिए। विकास दुबे के मोबाइल नेटवर्क की स्थिति सार्वजनिक की जाए।

अब तक बरामद नहीं हुई पुलिस से लूटी एके-47 व इंसास राइफल

लखनऊ। कानपुर कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे के पकड़े जाने और उसके पांच साथियों के एनकाउंटर व आधा दर्जन से अधिक की गिरफ्तारी के बाद भी पुलिस से लूटी एके.47 व इंसास राइफल अब तक बरामद नहीं हो पाई है। प्रदेश के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बुधवार को बताया था कि हरियाणा के फरीदाबाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ में विकास दुबे के जिन तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया है, उनके कब्जे से दो 9 एमएम की पिस्टल भी मिली है। ये दोनों वही पिस्टल हैं जो पुलिसकर्मियों की हत्या करके लूटी गईं थीं। लूटी गई एक ग्लॉक पिस्टल घटना के दिन हुई मुठभेड़ में मारे गए दोनों बदमाशों के कब्जे से ही बरामद हो गई थी। बदमाशों ने पुलिस के कुल पांच हथियार लूटे थे। इसमें से एक एके-47 रायफल व एक इंसास रायफल अभी भी विकास दुबे गैंग के कब्जे में है। माना जा रहा है कि विकास दुबे की गिरफ्तारी के बाद अब इन दोनों असलहों की बरामदगी भी हो सकती है।

सरकारी और राजनीतिक संरक्षकों को भी सजा दिलाए यूपी सरकार

● विपक्षी दल विकास दुबे को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मोस्ट वांटेड अपराधी विकास दुबे की मध्य प्रदेश के उज्जैन में गिरफ्तारी के बाद एक तरफ जहाँ सरकार ने राहत की सांस ली है वहीं विपक्षी दल विकास दुबे को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। मामले को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने टिप्पणी देते हुए कहा है कि विकास के जघन्य अपराधों से जुड़े व सम्बंधित सभी सरकारी व राजनीतिक संरक्षकों एवं षडयंत्रकारियों को भी उत्तर प्रदेश सरकार जल्द से जल्द सख्त सजा जरूर दिलाए। सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए मायावती ने लिखा कि कानपुर काण्ड का दुर्दान्त अपराधी विकास दुबे को काफी लम्बी जद्दोजहद के बाद अन्ततः मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्त में लिए जाने के बाद अब इसके तमाम आपराधिक सांठगांठ व माफियागिरी आदि का पर्दाफाश होने का यूपी व देश की जनता को काफी इन्तजार है। इतना ही नहीं बल्कि जनता को इस बात की भी प्रतीक्षा है कि विकास दुबे के साथ साथ उसके जघन्य अपराधों से जुड़े व सम्बंधित सभी सरकारी व राजनीतिक संरक्षकों एवं षडयंत्रकारियों को भी उत्तर प्रदेश सरकार जल्द से जल्द सख्त सजा जरूर दिलाए।

सार्वजनिक की जाए विकास के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि कानपुर के बिकरू गांव में आठ पुलिस कर्मियों की हत्या के आरोपित विकास दुबे की उज्जैन में जिस तरह गिरफ्तारी दिखाई गई है, वह निश्चित ही एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। चार राज्यों की सीमांए पार कर, सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर कुख्यात अपराधी छह दिनों तक पुलिस की आंखों में धूल झोंकता रहा। इसके पीछे माफिया, पुलिस और सत्ता का गठजोड़ भी रहा होगा। इसलिए उसके मोबाइल की कॉल डीटेल रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए ताकि सभी की मिली भगत का भंडाफोड़ हो सके। उन्होंने कहा कि कानपुर की घटना ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार का चोला भी उतार दिया है और मुखौटा भी।

कानपुर नगर की इस घटना ने पुलिस बल के खुफिया तंत्र की भी पोल खोल दी है। एक बड़ी नृशंस घटना के पहले और बाद में आरोपी को जिस तरह सहयोग मिला वह जाहिर करता है कि व्यवस्था में कितनी सड़ांध पैदा हो गई है। थाना पुलिस अपराधी चलाने लगेंगे और पुलिस कर्मी अपराधी के घर सलामी बजाएंगे तो कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज तो रह नहीं जाएगी। अखिलेश ने कहा कि बिकरू काण्ड के कातिल और इसके सहयोगियों तथा जिनका एनकाउण्टर हो चुका है। उन सभी के पांच वर्ष से अब तक की सीडीआरसरकार जारी कर देगी तो सच्चाई सामने आ जाएगी कि किसके किस नेता, अफसर से सम्पर्क थे, आखिर किसके दबाव में पुलिस बिना तैयारी दबिश डालने रात में पहुंच गई थी। हत्याकाण्ड के बाद हत्यारा दो दिन तक आसपास रहा लेकिन पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी। इसके अलावा भी कई बातें छुपाई जा रही है। इनका खुलासा सार्वजनिक होना चाहिए। जहां तक समाजवादी पार्टी का सम्बंध है उसका इस घटनाचक्र से कोई लेना देना नहीं है। समाजवादी पार्टी को बदनाम करने के अभियान में भाजपा लगी रहती है।

पूरे गैंग की गिरफ्तारी तक जारी रहेगा पुलिस का अभियानः प्रशांत कुमार

लखनऊ। प्रदेश के एडीजी कानून.व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा है कि विकास दुबे गैंग के सभी सदस्यों की गिरफ्तारी होने तक पुलिस का अभियान जारी रहेगा। सभी दोषियों को कानून के हवाले कर कड़ी सजा दिलवाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के तहत विकास दुबे पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर यूपी लाया जा रहा है। विकास दुबे के यूपी में न पकड़े जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पूरे देश की पुलिस एक है। मध्य प्रदेश पुलिस हमसे अलग नहीं है। घटना के दिन से ही यूपी पुलिस लगातार इस गैंग के लोगों का पीछा कर रही है। उज्जैन में विकास के पकड़े जाने के घटनाक्रम पर उन्होंने यह कहते हुए कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि सभी तथ्यों के बारे में पूरी जानकारी मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

कोरोना से प्रभावित शिक्षण व्यवस्था को लेकर रालोद ने सीएम को लिखा पत्र

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद जयन्त चौधरी ने कोरोना महामारी के प्रकोप से देश के नौनिहालों की प्रभावित हो रही शिक्षा के प्रति चिन्ता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के बच्चों की समस्याओं से अवगत कराया है। उन्होंने अपने पत्र में आनलाईन शिक्षण व्यवस्था से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव से अवगत कराते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में इन्टरनेट तथा ब्राडबैंड की सुविधाओं के अभाव की ओर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया है। रालोद उपाध्यक्ष ने अपने पत्र में भारतीय संविधान की धारा के अनुसार शिक्षण व्यवस्था की नीति निर्धारण करने की माँग करते हुए कहा है कि कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए और न ही पिछड़ना चाहिए।

मोदी-योगी सरकार ने आपदा को अवसर में बदला

● वेबिनार के जरिए मीडिया से की बात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने गुरुवार को वेबिनार के जरिए मीडिया से बात करते हुए कहा कि कोरोना काल में मोदी और योगी ने आपदा को अवसर में बदलने का काम किया है। उप्र में जितनी संख्या में कामगार और श्रमिक आए हैं उन्हें रोजगार देने के लिए योगी सरकार तेजी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्कता है तभी हमारी निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और हम मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा कि मोदी जी कुशल नेतृत्व में, जहां एक ओर आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत एमएसएमई के कल्याण के लिए 16 योजनाएँ लागू की गई है वही दूसरी ओर ग़रीबों, दलितों, श्रमिकों और किसानों के लिए भी कई क़दम उठाए जा रहे है जिससे हर क्षेत्र में विकास की एक नई कहानी लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस पैकेज के तहत हमारे देश की अर्थव्यवस्था के बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के कल्याण एवं रोज़गार सृजन करने के लिए तीन लाख करोड़ रुपये के कोलेटरल फ्री लोन की घोषणा की गई थी। 1 जुलाई तक एमएसएमई और अन्य व्यवसायों की 30 लाख से अधिक इकाइयों को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत 1 लाख 10 हज़ार करोड़ से अधिक के ऋण स्वीकृत किए जा चुके है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना संकट की वजह से देशभर में चौथे चरण के लॉकडाउन की घोषणा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब राष्ट्र के नाम संदेश दिया तो उन्होंने वोक़ल फार लोकल की वकालत की। इस नारे का सीधा सा अर्थ यह है कि हम सभी को हमारे देश में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देना होगा। देश की अर्थव्यवस्था को यदि कोरोना संकट से लड़ते हुए भी मज़बूत और आत्मनिर्भर बनाए रखना है तो इसका संकल्प हर एक देशवासी को इसी नारे को अपनाना होगा। इससे स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तो आएगा ही साथ ही स्थानीय उद्यमों को भी लाभ होगा। देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और हमारा भारत आत्मनिर्भर बनेगा।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की बदौलत 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। इससे स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तो आएगा ही साथ ही स्थानीय उद्यमों को भी लाभ होगा। देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और हमारा भारत आत्मनिर्भर बनेगा। भारत फिर से विश्वगुरु बने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी भावना से दो माह पूर्व प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा की थी। बुनियादी ढांचे में बड़े सुधार लाने की दिशा में भी इस योजना के तहत कई काम हुए है। सरकार भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी तन्मयता के साथ जुटी हुई है।

शारीरिक शोषण पर महिला आयोग ने डीएम व एसपी चित्रकूट से तलब की रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट के भरतकूप की खदानों में काम करने वाली महिलाओं-बालिकाओं के शारीरिक शोषण सम्बन्धी खबरों को संज्ञान में लेते हुए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चित्रकूट रिपोर्ट तलब की है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने घटना को गम्भीरता से लेते हुए मुख्य सचिव उप्र शासन एवं पुलिस महानिदेशक को भी पत्र प्रेषित कर उक्त घटना की जांच कराये जाने हेतु एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित कराने का अनुरोध किया है। सुषमा सिंह ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम हेतु एवं प्रभावी कार्रवाई करने के दिशा निर्देश निरन्तर जारी किये जाने के उपरान्त भी ऐसी घटनाओं का संज्ञान में आना अत्यन्त खेदजनक करार दिया है।

गुजरात मॉडल पर हो आंगनवाड़ी केन्द्रों का विकासः राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि गुजरात मॉडल के तर्ज पर प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों को विकसित किया जाए। आंगनवाड़ी केन्द्र सुविधाजनक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुविधानुसार शौचालय, पेयजल का नल, प्लेट रखने का स्टैण्ड तथा डस्टबिन रखने का स्थान बच्चों की ऊंचाई के अनुरूप ही होना चाहिए। राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की बैठक को सम्बोधित कर रहीं थीं।

राज्यपाल ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को पौष्टिक पोषाहार उपलब्ध कराया जाय। पौष्टिक आहार देने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच निश्चित रूप से होनी चाहिए कि इसमें भरपूर पौषक तत्व मौजूद हैं। बच्चों को प्रेरित करने के लिये दीवारों पर उनकी अवस्था के अनुसार सद् वाक्य लिखे जायं। आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवनों को बाहर से आकर्षक रंगों से रंगा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 3 फीट से ऊपर दीवार पर अलग अलग प्रकार की पेन्टिंग करानी चाहिए। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि चित्रों के माध्यम से बच्चे आसानी से व जल्दी सीखते हैं, इस दृष्टि से आंगनवाड़ी केन्द्रों की आन्तरिक व बाह्य दीवारों पर मानव शरीर का चित्र बनाया जाय तथा बाह्य व आंतरिक अंगों का विवरण भी लिखा जाय। बच्चों को पर्यावरण की जानकारी देने के लिये दीवारों पर पर्यावरण संबंधी पेंटिंग बनाई जाय। इसी प्रकार पक्षियों और शाकभाजी आदि के नाम भी लिखे जाएं। प्राथमिक शिक्षा को प्राथमिकता पर लिया जाना चाहिए क्योंकि प्राथमिक शिक्षा सुदृढ़ होने पर ही माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा। उन्होंने कहा कि हिन्दी अंग्रेजी वर्णमाला के साथ गिनती के अंकों को भी दर्शाया जाय। बच्चों की जानकारी हेतु उनके परिवार से संबंधित परिवार वृक्ष भी दीवार पर बनाया जाय। उन्होंने कहा कि एक निश्चित तिथि पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों का प्रवेश उत्सव मनाया जाय। इस प्रवेश उत्सव के अवसर पर गांव के सभी लोग, जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी सम्मिलित हों। राज्यपाल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं का भी ध्यान रखा जाय और पौष्टिक आहार के साथ साथ उन्हें अच्छी कहानियां सुनायी जाय। राज्यपाल ने इसके बाद वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद वाराणसी के आंगनवाड़ी केन्द्रों को गुजरात मॉडल के तर्ज पर सुचारू रूप से चलाने के लिये अपने अनुभव साझा किए। बैठक में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग स्वाती सिंह, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की अपर मुख्य सचिव राधा एस चौहान, निदेशक बाल पुष्टाहार सारिका मोहन, विशेष कार्याधिकारी केयूर सम्पत तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने जम्मू-कश्मीर में छह पुलों का उद्घाटन किया

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में बृहस्पतिवार को छह पुलों का उद्घाटन किया। क्षेत्र के दूरदराज के इलाकों का विकास राजग सरकार की मुख्य प्राथमिकता में बनी रहेगी। रक्षा मंत्री ने थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे, रक्षा सचिव अजय कुमार, सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह समेत अन्य की मौजूदगी में वीडियो कॉन्फ्रेंस से पुलों का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चार पुल अखनूर में अखनूर-पल्लानवाला मार्ग पर और दो पुल कठुआ जिले में तारनाह नाला पर बनाए गए हैं। इन पुलों के निर्माण में कुल लागत 43 करोड़ रूपए आई है। इनका निर्माण सीमा सड़क संगठन ने किया है। इनका उद्घाटन ऐसे समय में किया गया है, जब पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों को ए पुल समर्पित करने के पीछे एक बड़ा संदेश यह है कि शत्रुओं द्वारा प्रतिकूल स्थितियां पैदा करने के बावजूद भारत सीमावर्ती इलाकों में महत्वपूर्ण ढांचागत विकास जारी रखेगा। सिंह ने संक्षिप्त संबोधन में कहा, हमारी सरकार हमारे सीमावर्ती इलाकों में ढांचागत विकास जारी रखने के लिए कृत संकल्प है और इसके लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। हमारी सरकार की जम्मू-कश्मीर के विकास में गहरी रूचि है। जम्मू-कश्मीर की जनता और सैन्य बलों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कई अन्य विकास कार्यों की भी योजना है जिनकी समय आने पर घोषणा की जाएगी। जम्मू क्षेत्र में करीब ।,000 किमी लंबी सड़कें निर्माणाधीन हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि बीआरओ को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार कोविड-19 महामारी के बावजूद सरकार बीआरओ को दिए जाने वाले संसाधनों में कमी नहीं आने देगी। 2008 से 2016 के बीच बीआरओ के लिए सालाना बजट 3,300 करोड़ से 4,600 करोड़ रूपए के बीच था। 2019-2020 में आवंटन बढ़ा कर 8,050 करोड़ रूपए कर दिया गया। 2020-2021 में बीआरओ का बजट 11,800 करोड़ रूपए होने की संभावना है। आवंटन राशि बढ़ने से देश की उत्तरी सीमाओं पर सामरिक सड़कों, पुलों और सुरंगों के निर्माण के कार्य में तेजी आएगी। सिंह ने रिकॉर्ड वक्त में पुलों का निर्माण करने के लिए बीआरओ को बधाई दी। सड़क मार्ग और पुल किसी भी राष्ट्र की जीवन रेखा हैं और दूरदराज के क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन परियोजनाओं की प्रगति पर नियमित निगरानी रख रहे हैं और इन्हें समय पर पूरा करने के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में छह पुलों के नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग से उद्घाटन के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे

किरण बेदी कोरोना वायरस की जांच में संक्रमित नहीं पाई गईं

पुडुचेरी। पुडुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी के कोरोना वायरस जांच में संक्रमित नहीं होने की बृहस्पतिवार को पुष्टि हुई। एक दिन पहले यहां राजभवन का एक कर्मचारी संक्रमित पाया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 जांच के नतीजे की सूचना दी। बुधवार को हुई जांच में उपराज्यपाल संक्रमित नहीं पाई गईं। उपराज्यपाल का कार्यालय संक्रमण को लेकर दिशा-निर्देशों का पालन करेगा और संक्रमित के संपर्क में आए सभी कर्मचारी घर में पृथक-वास के नियम पर अमल करेंगे चाहे जांच में संक्रमित न पाए गए हो। बेदी ने कहा, हम कोई चूक नहीं करना चाहते और इसलिए जांच कराई। कर्मचारी के संक्रमित पाए जाने के बाद राज निवास को सैनिटाइजेशन के लिए 48 घंटों के लिए बंद कर दिया गया। इंदिरा गांधी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की टीम ने बुधवार को जांच के लिए उपराज्यपाल और अन्य कर्मचारियों के मुंह के लार के नमूने एकत्रित किए।

भाजपा के बांदीपुरा जिलाध्यक्ष पर लश्कर ने सुनियोजित तरीके से हमला किया: आईजीपी कश्मीर

श्रीनगर। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा के बांदीपुरा जिलाध्यक्ष वसीम बारी पर आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने सुनियोजित तरीके से हमला किया था और उनकी निजी सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त किया जा रहा है। बारी पर बुधवार को हुए हमले के सिलसिले में तीन और पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है और अब तक कुल 10 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आईजीपी ने उत्तर कश्मीर के बांदीपुरा जिले में संवाददाताओं से कहा, हम यहां आए और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हमने सीसीटीवी कैमरे खंगाले और फुटेज देखने के बाद ऐसा लगता है कि यह सुनियोजित हमला था। बुधवार को बारी की दुकान के बाहर रात करीब नौ बजे आतंकियों ने भाजपा नेता, उनके पिता और भाई पर हमला किया। तीनों को घायल अवस्था में बांदीपुरा जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

कुमार ने कहा कि आतंकवादी लगातार बारी की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे और जब वह अपने घर से बाहर निकले तो उन पर गोली चलाई गई। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने सीसीटीवी फुटेज में देखा कि जब वह अपने घर से ससुराल के लिए निकले तो एक व्यक्ति उन्हें देख रहा था और जब वह लौटे तो वह शख्स वहीं था। जब बारी अपने घर पहुंचे तो उनके निजी सुरक्षा अधिकारी अपने घर चले गए थे और जब वह दुकान पर पहुंचे तो उनके भाई और पिता वहां थे। एक आतंकी आया और करीब से गोली चला दी। तीनों के सिर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी मौत हो गई। आईजीपी ने कहा कि पुलिस ने गोली चलाने वाले आतंकवादियों की पहचान कर ली है और वे लश्कर-ए-तैयबा के हैं।

केंद्रीय एजेंसियों ने फरार महिला का पता लगाने के लिए केरल पुलिस से मदद मांगी

कोच्चि। केंद्रीय एजेंसियों ने सोने की तस्करी के सनसनीखेज मामले में वांछित महिला का पता लगाने को लेकर केरल पुलिस से मदद मांगी है। महिला राज्य में स्थित एक वाणिज्य दूतावास की पूर्व कर्मचारी है। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों ने राज्य पुलिस को पत्र लिखकर इस मामले में वांछित फरार महिला और उसके दोस्त का पता लगाने के लिए तकनीकी सहायता मांगी है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर उनसे तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक राजनयिक के सामान से करोड़ों रुपए के सोने की जब्ती के मामले में एक प्रभावी जांच के लिए हस्तक्षेप का आग्रह किया था। इस बीच, मामले में फरार चल रही संदिग्ध मुख्य आरोपी महिला ने अग्रिम जमानत के लिए केरल उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। महिला ने बुधवार रात को ऑनलाइन माध्यम से जमानत की अर्जी दी।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के खिलाफ मुहिम में नागरिकों की हो भागीदारी : मुख्यमंत्री

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 के खिलाफ मुहिम में सभी शहरों को नागरिकों की भागीदारी के साथ कोरोना सतर्कता समिति बनाना चाहिए और जमीनी हालात की निगरानी के लिए स्थानीय प्रशासन की मदद करनी चाहिए। ठाणे जिले में विभिन्न नगर निकायों के आयुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि जिले में कोविड-19 से मुकाबले के लिए व्यापक इंतजाम को लेकर लगातार निर्देशों के बावजूद स्थानीय प्रशासन अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं पाया।

मुंबई से लगे ठाणे जिले में कोविड-19 के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, नागरिकों की भागीदारी के बिना सरकार कोविड-19 के खिलाफ अकेले जंग नहीं लड़ सकती। आजादी के आंदोलन के दौरान आजादी पाने के संकल्प को तब बढ़ावा मिला जब इसमें लोग शामिल हुए। हाल में लोगों ने खुद चीन के सामानों का बहिष्कार कर संदेश देने का काम किया।

उन्होंने कहा कि निकाय प्रशासन को कोविड-19 के खिलाफ जंग में नागरिकों को शामिल करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, शहरों में कोरोना सतर्कता समिति गठित की जानी चाहिए। इस मुहिम में नागरिकों, समाज सेवा संगठनों, युवाओं को शामिल करें। उन्होंने कहा, वरिष्ठ नागरिकों की बीमारियों, उनके ऑक्सीजन स्तर, क्षेत्र में साफ-सफाई, आस-पड़ोस में लोगों की बीमारियां, मास्क लोग लगा रहे हैं या नहीं, इन सब चीजों पर वे नजर रखेंगे।

ठाकरे ने कहा कि जमीनी हालात की निगरानी में समितियां स्थानीय प्रशासन की मदद कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 से मुकाबले के लिए ठाणे में बृहत स्वास्थ्य केंद्र बनाने को लेकर लगातार निर्देश दिए गए लेकिन स्थानीय प्रशासन ने अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं किया।

उन्होंने कहा सरकार ने मार्च से ही बृहत कोविड देखभाल केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रखा है। मुंबई में जिस तरह का स्वास्थ्य ढांचा तैयार किया गया उसी तरह मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी यही सुविधा तैयार करने की जरूरत थी। उन्होंने निगम आयुक्तों को महामारी और सुरक्षा को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के पालन पर नजर रखने को कहा। ठाणे जिले में बुधवार तक कोविड-19 के 47,063 मामले आए और संक्रमण से 1404 लोगों की मौत हो चुकी है।

क्विक न्यूज

बेंगलुरु में कोविड-19 से निपटने के लिए हर जोन में प्रभारी के तौर पर मंत्री होंगे नियुक्त

बेंगलुरु। बेंगलुरु में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को मंत्रियों को शहर में प्रत्एक जोन के लिए प्रभारी के तौर पर नियुक्त करने का फैसला किया ताकि इस महामारी से प्रभावी तौर से निपटा जा सके। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री जे सी मधुस्वामी ने कहा, मंत्रिमंडल ने कोरोना वायरस स्थिति पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु में प्रत्एक जोन के लिए प्रभारी के तौर पर एक मंत्री नियुक्त करने का फैसला किया है जिसकी जानकारियां बाद में साझा की जाएंगी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाले राज्य के मंत्रियों और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव एस आर विश्वनाथ को प्रत्एक जोन के लिए नियुक्त किया जाएगा। बेंगलुरु में वृहद बेंगलुरु महानगरपालिका के तहत आठ प्रशासनिक जोन है। बुधवार शाम तक कर्नाटक में कोविड-19 के 28,877 मामले सामने आए है जिनमें से 12,509 मामले बेंगलुरु शहरी क्षेत्र के है। राज्य में बुधवार को आए 2,062 में से।,148 मामले राजधानी बेंगलुरु से सामने आए। मधुस्वामी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने मामले बढ़ने पर और इसे फैलने से रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी चर्चा की। तालुक और जिला स्तर पर कोविड अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन उपकरणों और जांच की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह के लॉकडाउन के संबंध में कोई चर्चा नहीं की गई।

विकास दुबे की गिरफ्तारी की दिग्विजय ने की जांच की मांग

भोपाल। उत्तर प्रदेश के कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी और कुख्यात अपराधी विकास दुबे को बृहस्पतिवार सुबह मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर परिसर से गिरफ्तार किए जाने के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश सरकार से पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग की है। सिंह ने ट्वीट किया, यह तो उत्तरप्रदेश पुलिस के एनकाउंटर से बचने के लिए प्रायोजित सरेण्डर लग रहा है। मेरी सूचना है कि मध्यप्रदेश भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के सौजन्य से यह संभव हुआ है। जय महाकाल। उन्होंने दूसरे ट्वीट में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से दुबे की गिरफ्तारी पर न्यायिक जांच की मांग करते हुए लिखा, मैं शिवराज जी से विकास दुबे की गिरफ्तारी या सरेंडर की न्यायिक जांच कराने की मांग करता हूँ। इस कुख्यात गैंगस्टर के किसकिस नेता और पुलिसकर्मियों से सम्पर्क है, (इसकी) जांच होना चाहिए। सिंह ने कहा, विकास दुबे को न्यायिक हिरासत में रखते हुए इसकी पुख्ता सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए ताकि सारे राज़ सामने आ सकें। इससे पहले मुख्यमंत्री चौहान द्वारा दुबे के उज्जैन में गिरफ्तार होने एवं उसके द्वारा उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में दर्शन करने पर ट्वीट किया, जिनको लगता है कि महाकाल की शरण में जाने से उनके पाप धूल जाएंगे तो उन्होंने महाकाल को जाना ही नहीं। हमारी सरकार किसी भी अपराधी को बख्शने वाली नहीं है...विकास दुबे की गिरफ्तारी के लिए उज्जैन पुलिस को बधाई। चौहान के इस ट्वीट को टैग करते हुए सिंह ने लिखा, शिवराज जी आप बिना किसी कारण श्रेय ले रहे है। इसका श्रेय तो आपके गृह मंत्री को देना चाहिए।

ईडी ने कांग्रेस नेता अहमद पटेल से चौथी बार की पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने संदेसरा बंधु बैंक धोखाधड़ी एवं धन शोधन मामले में बृहस्पतिवार सुबह वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल से उनके आधिकारिक आवास पर चौथे दौर की पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ईडी का तीन सदस्ईय दल राज्य सभा सांसद के 23, मदर टेरेसा क्रीसेंट आवास पर सुबह करीब 11 बजे पहुंचा। इससे पहले पटेल (70) से इस मामले में दो जुलाई को करीब 10घंटे तक पूछताछ की गई थी। उन्होंने संवाददाताओं को बताया था कि ईडी के जांचकर्ताओं ने तीन सत्रों में उनसे 128 प्रश्न पूछे है। पटेल ने कहा था, यह मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न है और मुझे नहीं पता कि किसके दबाव में वे (जांचकर्ता) काम कर रहे है। अब तक कांग्रेस कोषाध्यक्ष से 27 जून, 30 जून और दो जुलाई को हुए सत्रों में ईडी 27 घंटे तक पूछताछ कर चुकी है। पटेल ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण वरिष्ठ नागरिकों के बाहर नहीं निकलने के दिशा-निर्देश का हवाला देते हुए ईडी कार्यालय जाने से मना किया था जिसके बाद उनसे घर में पूछताछ की इजाजत दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कांग्रेस नेता के बयान धन शोधन निरोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किए जा रहे है। पटेल से वडोदरा की कंपनी स्टर्लिंग बायोटेक फार्मास्यूटिकल कंपनी के प्रमोटर संदेसरा बंधुओं से कथित संबंधों के बारे में और नेता के परिजन के उनके साथ कथित लेन देन के बारे में पूछताछ की जा रही है। एजेंसी ने पटेल के पुत्र फैसल और दामाद इरफान अहमद सिद्दीकी से इस संबंध में पिछले साल पूछताछ की थी और उनके बयान दर्ज किए थे। इन दोनों से संदेसरा समूह के एक कर्मचारी सुनील यादव के बयान के संदर्भ में पूछताछ की गई जिसने एजेंसी के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए थे। ईडी को दिए अपने बयान में यादव ने कहा कि उसने स्टर्लिंग बायोटेक के प्रमोटरों में से एक, चेतन संदेसरा के निर्देशों पर एक पार्टी के लिए 10 लाख रुपए का खर्च वहन किया था।

बांदीपोरा में भाजपा के युवा नेता शेख वसीम बारी, उनके भाई और पिता के अन्तिम संस्कार में शिरकत करते हुए लोग

नक्सली दंपत्ति ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में चल रहे लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर नक्सली दंपत्ति ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने गुरूवार को बताया कि बुधवार को विशिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों के समाने नक्सली प्रकाश करटामी और उसकी पत्नी हड़मे करटामी ने आत्मसमर्पण कर दिया।

पल्लव ने बताया कि प्रकाश प्लाटून नंबर 24 का सदस्य है। वह बस्तर क्षेत्र में कई नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है और उसके खिलाफ वर्ष 2015 में चोलनार गांव के करीब पुलिस वाहन को बारूदी सुरंग में उड़ाने की घटना में शमिल होने का आरोप है। इस घटना में पांच जवान शहीद हो गए थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रकाश के सर पर दो लाख रूपए का इनाम है। प्रकाश की पत्नी हड़मे पड़ोसी सुकमा जिले की निवासी है। वह चेतना नाट्य मंच की सदस्य है और वह वर्ष 2012 से नक्सली संगठन में शामिल है।

उसके खिलाफ माओवादियों का प्रचार प्रसार करने, माओवादियों के साथ ग्रामीणों की बैठक बुलाने समेत अन्य कार्यों में शामिल होने का आरोप है। पल्लव ने बताया कि नक्सलियों ने पुलिस को बताया है कि उन्होंने माओवादियों की खोखली विचारधारा और हिंसा से तंग आकर तथा जिले में चल रहे लोन वर्राटू (घर वापस लौट आओ) अभियान से प्रेरित होकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि 10-10 हजार रूपए प्रदान किया गया है। नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले की पुलिस ने जिले में नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल होने के लिए लोन वर्राटू अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत गांव में वहां के निवासी इनामी नक्सलियों का बैनर पोस्टर लगाया गया है। जिले में इस अभियान के बाद 28 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

सरकार ने दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन का प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ाने का फैसला लिया

नई दिल्ली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत आने वाले दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन करके छोटी आर्थिक गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के अपने प्रस्ताव पर आगे नहीं बढ़ने का फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने पिछले महीने चेक बाउंस और ऋण वापसी में चूक आदि सहित 19 कानूनों के तहत छोटी गलतियों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रस्ताव रखा था। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने पिछले सप्ताह अपनी वेबसाइट पर दिव्यांगजन अधिकार कानून में संशोधन का एक प्रस्ताव अपलोड कर उस पर 10 जुलाई तक प्रतिक्रिया मांगी थी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने कहा कि सलाह-मश्विरे की प्रक्रिया के दौरान उसे विभिन्न पक्षों से प्रतिक्रिया मिली कि दिव्यांगजन अधिकार कानून, 2016 के प्रावधान दिव्यांजनों की सुरक्षा और कानून को लागू करने के लिए पर्याप्त हैं।

भारत में कोरोना वायरस के 90 प्रतिशत इलाजरत मरीज आठ राज्यों में

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 के कुल इलाजरत मरीजों में से लगभग 90 प्रतिशत मरीज महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक और तेलंगाना सहित आठ राज्यों में है और ऐसे 80 प्रतिशत मरीज देश के महज 49 जिलों में हैं। इसके बारे में कोविड-19 पर गठित मंत्री समूह (जीओएम) को बृहस्पतिवार को जानकारी दी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, मंत्री समूह को बताया गया कि देशभर में कोविड-19 के कारण हुई मौतों में से 86 प्रतिशत मौतें छह राज्यों- महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हुई हैं। देश में 80 प्रतिशत मौतें 32 जिलों में हुई हैं।

मंत्रालय ने बताया कि बृहस्पतिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन की अध्यक्षता में मंत्री समूह की 18वीं बैठक हुई, जिसमें उसे बताया गया कि उच्च मृत्यु दर वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति के बारे में मंत्री समूह को जानकारी दी गई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पांच सबसे अधिक प्रभावित देशों के बीच एक वैश्विक तुलना में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि भारत में प्रति दस लाख आबादी पर संक्रमण के सबसे कम मामले हैं। भारत में प्रति दस लाख आबादी में संक्रमण के 538 मामले हैं और 15 मौतें हुई हैं, जबकि इसका वैश्विक औसत क्रमश: ।,453 और 68.7 है।

देश में कोरोना वायरस के उचपचाराधीन मामलों के लगभग 90 प्रतिशत मामले आठ राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात में हैं। भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य सेवाएं संबंधी बुनियादी ढाँचा के बारे में, जीओएम को सूचित किया गया कि देश भर में कोविड-19 के इलाज के लिए 3,914 अस्पताल हैं, जिनमें 3,77,737 पृथक-वास बिस्तार (आईसीयू सुविधा के बिना), 39,820 आईसीयू बिस्तर, ।,42,415 ऑक्सीजन सुविधा वाले बेड और 20,047 वेंटिलेटर मौजूद हैं।

जीओएम को बताया गया कि 21.3 करोड़ से अधिक एन95 मास्क, 1.2 करोड़ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और 6.12 करोड़ हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की गोलियां अब तक वितरित की जा चुकी हैं। बैठक में हर्षवर्धन ने कहा, जैसा कि हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान रोकथाम के सख्त उपाय और निगरानी तंत्र के माध्यम से कोविड-19 के बेहतर प्रबंधन पर है। पूर्ण जांच क्षमता के उपयोग, बीमार व्यक्ति और बुजुर्ग लोगों की निगरानी, संभावित हॉटस्पॉट के अनुमान, अरोग्य सेतु ऐप जैसे डिजिटल उपकरण के इस्तेमाल, अस्पतालों में रोगी को भर्ती करने की निर्बाध प्रक्रिया और स्वास्थ्य सुविधाएं (क्रिटिकल-केयर बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और लॉजिस्टिक्स) संबंधी बुनियादी ढांचे की तैयारियों को सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ, हमारा उद्देश्य मरीजों की जल्द पहचान कर और प्रभावी उपचार प्रबंधन के जरिए मृत्यु दर को कम करना है। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के निदेशक डॉ. सुजीत के सिंह ने महामारी के दौरान भारत में किए गए निगरानी प्रयासों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विदेश मंत्री एस जयशंकर, नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे और रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बैठक में भाग लिया।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद पॉल भी वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। देश में एक दिन में कोरोना वायरस के सर्वाधिक 24,879 मामले सामने आने के साथ ही बृहस्पतिवार को संक्रमितों की कुल संख्या 7,67,296 पर पहुंच गई। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश से करीब 75 फीसदी नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार 487 और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 21,129 हो गई। देश में 4,76,377 लोग स्वस्थ हुए हैं जबकि 2,69,789 संक्रमित लोगों का उपचार किया जा रहा है।

बेंगलुरू में महानगर पालिका के संविदा कर्मचारी सदस्य अपने पारिश्रमिक को बढ़ाने की मांग को लेकर धरना देते हुए

कुछ पाठ हटाए जाने पर गलत विमर्श फैलाया जा रहा है: रमेश पोखरियाल

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीबीएसई के पाठ्यक्रम से कुछ टॉपिक्स हटाए जाने पर मनगढ़ंत टिप्पणियां कर गलत विमर्श फैलाया जा रहा है।

मंत्री का यह बयान कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पैदा हुए हालात के चलते सीबीएसई के पाठ्यक्रम को कम करने संबंधी विवाद के बीच आया है। विपक्ष का आरोप है कि एक खास तरह की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए भारत के लोकतंत्र और बहुलतावाद संबंधी पाठों को हटाया जा रहा है। निशंक ने इस संबंध में कई ट्वीट किए। उन्होंने लिखा, सीबीएसई के पाठ्यक्रम में कुछ टॉपिक्स को हटाए जाने के बारे में बहुत सी टिप्पणियां बिना जाने की जा रही हैं। इन टिप्पणियों के साथ समस्या यह है कि वे गलत विमर्श पेश करने के लिए चुनिंदा विषयों को जोड़कर सनसनीखेज बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, राष्ट्रवाद, स्थानीय सरकार, संघवाद आदि तीन-चार टॉपिक्स को छोड़े जाने का गलत मतलब निकाल कर मनगढंत विमर्श बनाना आसान है, विभिन्न विषयों को व्यापक तौर पर देखा जाए तो दिखाई देगा कि सभी विषयों में कुछ चीजों को छोड़ा गया है। मंत्री ने दोहराया कि पाठ्यक्रम में टॉपिक्स को छोड़ना कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर उठाया गया कदम हैं। उन्होंने कहा, जैसा सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों को एनसीईआरटी वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करने की सलाह दी गई है, और उक्त सभी टॉपिक्स को उसके तहत लाया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण उठाया गया यह एक बार का कदम है।

उन्होंने कहा, इसका एकमात्र उद्देश्य सिलेबस को 30 प्रतिशत तक कम करके छात्रों के तनाव को कम करना है। यह कदम हमारे सिलेबसफॉरस्टूडेंट्स 2020 अभियान के माध्यम से शिक्षाविदों से प्राप्त सुझावों पर विचार करके और विभिन्न विशेषज्ञों की सलाह और सिफारिशों पर उठाया गया है। मंत्री ने शिक्षा को राजनीति से दूर रखने की भी अपील की। निशंक ने कहा, यह हमारा विनम्र अनुरोध है। शिक्षा हमारे बच्चों के प्रति हमारी पवित्र जिम्मेदारी है। शिक्षा को राजनीति से दूर रखें और अपनी राजनीति को और शिक्षित बनाएं।

एचआरडी मंत्री ने कहा कि टॉपिक्स को हटाना केवल कुछ विषयों तक सीमित नहीं है जैसा की दिखाया जा रहा हैं बल्कि सभी विषयों में टॉपिक्स छोड़े गए हैं। उन्होंने कहा, उदाहरण के तौर पर अर्थशास्त्र में मेजर्स ऑफ डिस्पर्शन, भुगतान संतुलन का घाटा आदि, भौतिकी में हीट इंजन और रेफ्रिजरेटर, हीट ट्रांसफर, कन्वेक्शन और विकिरण आदि को छोड़ा गया है।

रांची में मानसून के मौसम में एक खेते में धान के पौधे लगाते हुए कुछ किसान

अखिल भारतीय कोटा में ओबीसी आरक्षण लागू करने को कदम उठा रहे हैं: तमिलनाडु सरकार

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मेडिकल और डेंटल सीटों पर अखिल भारतीय कोटा (आरक्षण) के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लागू करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभास्कर ने कहा कि राज्य सरकार ने अखिल भारतीय कोटा में ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए सलोनी कुमारी के मामले में खुद को उच्चतम न्यायालय में खुद को एक पक्षकार बनाया है। इससे पहले सरकार ओबीसी आरक्षण को लागू करने के लिए केंद्र सरकार को भी दो बार पत्र लिख चुकी है। उन्होंने एक बयान में कहा कि तमिलनाडु सरकार द्वारा अखिल भारतीय कोटा में तमिलनाडु के लिए दी गई सीटों के लिए उच्चतम न्यायालय में अलग से याचिका दायर की गई है। इस याचिका में ओबीसी के लिए 50 फीसदी आरक्षण करने के राज्य का मॉडल (ओबीसी के लिए 30 फीसदी आरक्षण और बेहद पिछड़े समुदाय के लिए 20 फीसदी आरक्षण) लागू करने की मांग की गई है। इस याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को उच्च न्यायालय से संपर्क करने का निर्देश दिया था, और उसी अनुरूप याचिका दायर की गई। मंत्री ने कहा कि इस कानूनी पहल के साथ ही राज्य सरकार ने दोबारा उच्चतम न्यायालय में दो जुलाई को 50 फीसदी आरक्षण की मांग करते हुए एक याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार लगातार नीट का कड़ाई से विरोध कर रही है और बुधवार को मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि कोविड-19 को देखते हुए नीट परीक्षा का आयोजन कराना मुश्किल है। इसलिए 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही दाखिला दिया जाए। उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी ने मोदी से अपील की है कि वह ओबीसी समुदाय के भीतर क्रीमी लेयर की पहचान के लिए वेतन और कृषि आय को शामिल न करें। केंद्र सरकार मद्रास उच्च न्यायालय को यह बता चुकी है कि जब तक उच्चतम न्यायालय विस्तारपूर्वक लंबित मामलों का निपटारा नहीं कर देती है तब तक सभी सरकारी संस्थानों में मेडिकल सीटों पर ऑल इंडिया कोटा के तहत ओबीसी छात्रों को लेना संभव नहीं है।

बिहार के मोतिहारी में नहाने के दौरान पांच लड़कों की डूब कर मौत

भाषा। मोतिहारी

बिहार के पूर्वी चंपारण जिला के चकिया नगर पंचायत अंतर्गत फुलवरिया गांव में पांच लड़कों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार की शाम एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार के बाद जलाशय में नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले जाने से पांच लड़कों की डूबने से मौत हो गई। चकिया के पुलिस उपाधीक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि डूबने से परवेश कुमार(12), दीपक कुमार (18), आशिक कुमार (12), विशाल कुमार (12) एवं रवि कुमार (16) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की टीम के सहयोग से स्थानीय पुलिस ने सभी शवों को बृहस्पतिवार को निकाल लिया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित सदर अस्पताल भेजा गया है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान आधुनिक भारत की पहचान का परिचायक: सीएम

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान कोविड-19 से उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने के साथ ही आधुनिक भारत की पहचान का भी परिचायक है। रावत ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा किए जाने के केवल डेढ़ माह की अवधि में ही इसके सकारात्मक प्रभाव दिखने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल एंड मेक इट ग्लोबल के आह्वान को सभी देशवासियों का समर्थन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र को कई तरह की रियायतों से मजबूती प्रदान की गई है और साथ ही गरीबों, किसानों और श्रमिकों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रावत ने कहा कि कोविड-19 की परिस्थितियों में गरीबों, किसानों और मजदूरों की सहायता करने के लिए प्रधानमंत्री ने 1.70 लाख करोड़ रुपए की घोषणा की जिसके तहत प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि की तीन माह की अग्रिम राशि किसानों के खातों में जमा की गई। महिला जन-धन खाताधारकों के खाते में 500-500 रुपए की तीन किस्त जमा की गईं, उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को तीन गैस सिलेंडर मुफ्त दिए गए और दिव्यांगों, विधवाओं और बुजुर्गों को भी एक-एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में देश के 80 करोड़ लोगों को राहत देने के लिए तीन महीने यानी अप्रैल, मई और जून में नि:शुल्क खाद्यान्न दिया गया। अब इस योजना को नवंबर तक बढ़ा दिया गया है जिसमें हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम गेहूं या चावल और प्रति परिवार एक किलोग्राम चना नि:शुल्क मिलेगा।

इस योजना पर लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा में केंद्र सरकार ने 40 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त आवंटन किया है जिसके तहत उत्तराखण्ड में ही मनरेगा के तहत 36 हजार नए लोगों को काम उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि छह राज्यों के 116 जिलों में प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिए गरीब कल्याण रोजगार योजना शुरू की गई है। इसके अलावा, किसानों के हित में अनेक सुधार किए गए हैं जिसमें किसानों को फसल पर लागत मूल्य का कम से कम डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का निर्णय लिया गया।

छात्रा ने प्रथम श्रेणी में पास कर परिवार के फुटपाथ से फ्लैट में पहुंचाया

भाषा। इंदौर (मप्र)

मध्यप्रदेश के इंदौर में भारती खांडेकर ने फुटपाथ पर पढ़ाई कर 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 68 फीसद अंक हासिल किए। उसके इस कठिन संघर्ष और कामयाबी की सराहना करते हुए इंदौर नगर निगम (आईएमसी) ने उसके बेघर परिवार को फ्लैट आवंटित किया है।

इंदौर नगर निगम की आयुक्त प्रतिभा पाल ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा को बताया, हमने आर्थिक रूप से कमजोर तबके के उत्थान की एक सरकारी योजना के तहत भारती के परिवार को शहर के भूरी टेकरी क्षेत्र के बहुमंजिला परिसर में फ्लैट क्रमांक सी-307 आवंटित किया है। इस फ्लैट में एक-एक बेडरूम, हॉल और किचन है। पाल ने कहा, वैसे तो बेघर लोगों को घर मुहैया कराना हमारा काम है। लेकिन फुटपाथ पर रहने वाली भारती और उसके परिवार के संघर्ष की कहानी हमें मीडिया के माध्यम से पता चली। जब मैं उससे मिली, तो उसका आत्मविश्वास देखकर दंग रह गई। अधिकारियों ने बताया कि आईएमसी के फ्लैट आवंटन आदेश में भारती का नाम सह आवेदक और उसकी मां लक्ष्मी का नाम आवेदक के रूप में दर्ज किया गया है। आवंटन आदेश में मां-बेटी की तस्वीर भी लगाई गई है।

उन्होंने बताया कि भारती के पिता दशरथ खांडेकर ठेला चलाकर मजदूरी करते हैं, जबकि उसकी मां घरों में झाड़ू-पोंछा कर परिवार का पेट पालने में मदद करती हैं। इस होनहार छात्रा के दो छोटे भाई हैं। आईएमसी की ओर से फ्लैट मिलने से पहले उसका बेघर परिवार शिवाजी मार्केट के फुटपाथ पर रहता था। उल्लेखनीय है कि भारती, शहर के एक सरकारी स्कूल की छात्रा है। वह फुटपाथ पर ही पढ़कर मध्यप्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मण्डल की आयोजित कक्षा 10 की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में हाल ही में उत्तीर्ण हुई है। अपने परिवार के साथ फुटपाथ छोड़ फ्लैट में पहुंचने से खुश भारती ने कहाकि बड़ी होकर मैं आईएएस अफसर बनना चाहती हूं।

चेन्नई में राजस्थान और पश्चिम बंगाल के प्रवासी चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अनलॉक-2.0 के दौरान ट्रेन का इंतजार करती महिला

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने एनएलसी इंडिया पर पांच करोड़ का जुर्माना लगाया

भाषा। नई दिल्ली

नेवेली बॉयलर विस्फोट

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने तमिलनाडु के नेवेली लिग्नाइट बिजली घर के बॉयलर में हुए विस्फोट के सिलसिले में एनएलसी इंडिया लिमिटेड पर पांच करोड़ रुपए का अंतरिम जुर्माना लगाया है। गौरतलब है कि एक जुलाई को हुए इस हादसे में 13 कामगारों की मौत हो गई थी जबकि 10 अन्य घायल हो गए थे। अधिकरण के प्रमुख, न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि दुर्घटना के तथ्यों का स्वतंत्र सत्यापन आवश्यक है और सम्पूर्ण जवाबदेही के सिद्धांत के तहत औद्योगिक ईकाई को अंतरिम मुआवजा देना होगा। बुधवार को एक आदेश में अधिकरण ने कहा कि अंतिम आकलन होने तक प्रत्एक मृतक के परिजन को 30-30 लाख रुपए की अंतरिम अनुग्रह राशि दी जाएगी। पीठ ने कहा, मृतकों के परिजन को अनुग्रह राशि देने के अलावा घायलों को भी सहायता राशि दी जानी है। हमने तय किया है कि घायलों में से सात लोग, जो करीब एक सप्ताह से अस्पताल में हैं।

ऑनलाइन कक्षा पर पाबंदी लगाने के सरकार के आदेश पर रोक

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने स्कूलों द्वारा ऑनलाइन कक्षा आयोजित करने पर पाबंदी लगाने के कर्नाटक सरकार के आदेश पर रोक लगाते हुए कहा है कि यह प्रतिबंध जीवन और शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। राज्य सरकार ने पिछले दिनों एक आदेश जारी किया और एलकेजी से कक्षा दसवीं की ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने पर पाबंदी लगा दी।

अदालत की एक पीठ ने अपने अंतरिम आदेश में कहा, राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश अनुच्छेद 21 और 21 ए के तहत मिले हुए मौलिक अधिकारों का हनन करता है। अदालत ने कहा कि शैक्षणिक सत्र पहले ही शुरू हो चुका है और ऑनलाइन तरीके से ही शिक्षा दी जा सकती है।

पीठ ने कहा कि ऑनलाइन कक्षाओं पर इस आधार पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती कि समाज के किसी खास वर्ग के पास सुविधा उपलब्ध नहीं है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि आदेश का यह मतलब नहीं निकालना चाहिए कि स्कूलों के लिए ऑनलाइन शिक्षा मुहैया कराना जरूरी हो गया है या वे ऑनलाइन कक्षा के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूल सकते हैं। दो दिन पहले, कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था पर गौर करने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

इसमें ऑनलाइन कक्षाओं के लिए समय तय करने तथा कुछ अन्य सिफारिशें की गई थी। रिपोर्ट मिलने के बाद कर्नाटक के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री एस सुरेश कुमार ने कहा कि सरकार सिफारिशों की समीक्षा करेगी और इसके तहत कदम उठाएगी।

पेज एक का शेष

विकास दुबे...

ने कहा, बाद में सारे पहचान करते गए। मंदिर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार होने से पहले दुबे आज सुबह महाकाल मंदिर के गेट पर पहुंचा था और मंदिर में वीआईपी गेट से प्रवेश करने के लिए मंदिर परिसर स्थित एक पुलिस पोस्ट के पास से 250 रुपए की रसीद भी कटवाई थी। बाद में वह पास के ही एक दुकान पर गया था और वहां से महाकाल मंदिर में चढ़ाने के लिए प्रसाद खरीदा था। इस दौरान इस दुकानदान ने उसे पहचान लिया और पुलिस को अलर्ट किया। इसी बीच, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास दुबे की गिरफ्तारी के लिए उज्जैन पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार किसी भी अपराधी को बख्शने वाली नहीं है...विकास दुबे की गिरफ्तारी के लिए उज्जैन पुलिस को बधाई। चौहान ने अगले ट्वीट में लिखा, मैंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से बात की है। शीघ्र आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो और...

सुबह कानपुर पुलिस की टीम फरीदाबाद में गिरफ़्तार कानपुर पुलिस हत्याकांड में शामिल एवं कुख्यात विकास दुबे के निकट सहयोगी कार्तिकेय उर्फ प्रभात मिश्रा निवासी बिकरू थाना चौबेपुर को ट्रांज़िट रिमांड पर लेकर कानपुर आ रही थी। एसटीफ की टीम पुलिस की गाड़ी को इस्कॉर्ट कर रही थी तब पनकी थाना क्षेत्र में गाड़ी पंक्चर होने पर मौका पाकर अभियुक्त प्रभात ने पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया और पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायर किया जिसमें एसटीफ के दो आरक्षी गम्भीर रूप से घायल हो गए। पुलिस पार्टी द्वारा आत्मरक्षार्थ किए गए फायर में बदमाश प्रभात घायल हो गया जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले ज़ाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि कल फरीदाबाद पुलिस ने प्रभात को 2 अन्य लोगों के साथ गिरफ़्तार किया था और इसके पास से 4 पिस्टल बरामद हुए थे जिसमें से 9 एमएम की 2 पिस्टल बिकरू कांड में पुलिस से लूटी हुई थी। दूसरी मुठभेड़ के संबंध में एडीजी ने बताया कि जनपद इटावा में बृहस्पतिवार की भोर में लगभग 3 बजे थाना बकेवर क्षेत्र अंतर्गत कस्बा महेवा के पास 4 स्कार्पियो सवार अज्ञात बदमाशों द्वारा एक स्विफ्ट डिजायर कार को लूट लेने के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। कंट्रोल रूम से प्रसारित सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान थाना सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत कचौरा घाट रोड पर पुलिस एवं बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें बदमाशों द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई। पुलिस पार्टी द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में एक बदमाश को गोली लगी जिसे उपचार हेतु जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों द्वारा उसको मृत घोषित कर दिया गया एवं उसके अन्य साथी भागने में सफल रहे। मृतक बदमाश की शिनाख्त प्रवीण उर्फ बउआ दुबे के रूप में हुई। जो विकास दुबे का साथी है। इसका संबंध कानपुर की घटना से है एवं जनपद कानपुर से 50 हजार का इनामी बदमाश है। बदमाशों के कब्जे से एक पिस्टल व एक दुनाली बंदूक 12 बोर एवं पर्याप्त मात्रा में कारतूस मौके से बरामद किए गए।

भारत, चीन...

यह भी दृष्टिकोण साझा किया कि द्विपक्षीय समझौते और प्रोटोकॉल के अनुसार पूर्ण शांति बहाली के लिए भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में एलएसी पर तनाव कम करने के साथ सैनिकों की जल्द से जल्द वापसी किए जाने की आवश्यकता है। इस बीच, दोनों पक्षों के कोर कमांडर अगले सप्ताह की शुरुआत में तनाव वाली जगहों से सेनाओं की वापसी की स्थिति पर चर्चा के लिए बैठक कर सकते हैं। पिछले दो महीने में इन जगहों पर एलएसी पर अपनी तरफदोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिकों और हथियारों का जमावड़ा लगा दिया था।

सवालों के...

गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। वारदात के वक्त बारी व अन्य अपनी दुकान जो कि उनका कार्यालय भी था, में बैठे हुए थे। यहां से बांदीपोरा पुलिस स्टेशन कुछ ही कदमों की दूरी पर है। इस बीच, जम्मू कश्मीर पुलिस ने बांदीपोरा के पूर्व जिला अध्यक्ष के आवास पर ड्यूटी पर तैनात दस निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को निलंबित व गिरफ्तार करने के बाद घटना की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि जवानों के खिलाफ यह कार्रवाई सुरक्षा संबंधी लापरवाही के लिए की गई है। सुरक्षा ड्यूटी पर दस पीएसओ (आठ जिला पुलिस और दो सुरक्षा विंग से) की तैनाती पर्याप्त है, यदि इनमें से दो जवान भी उनके (बारी परिवार) साथ होते तो आतंकियों को मार गिराते। विजय कुमार ने पुलिस स्टेशन भवन के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगलाने के लिए वरिष्ठ सैन्य व सीआरपीएफ अधिकारियों के साथ मौका ए वारदात का दौरा भी किया। आईजी ने रिपोर्टरों को बताया कि भाजपा नेता शाम के करीब 7.45 मिनट पर अपने आवास से बाहर निकले और अपने ससुराल जाकर लौट भी आए। वे पहले घर में गए फिर दुकान जहां उनके पिता व भाई पहले से मौजूद थे। उन लोगों की सुरक्षा में तैनात जवान ऊपर की मंजिल पर गए तभी एक आतंकी दुकान में घुसा और तीनों के सिर में बेहद करीब से गोली मार दी। सीसीटीवी फुटेज देखने से यह तो साफ हो गया कि भाजपा नेता पर नजर रखी जा रही थी। शाम को घर से निकलते वक्त एक आदमी नजर आया जो वापसी के समय भी वहां था। यह योजनाबद्ध हमला था। आतंकियों की पहचान हो गई है, उन्हें जल्द ही मार गिराएंगे। भाजपा नेता बारी कश्मीर घाटी में पार्टी की गतिविधियों में बेहद सक्रिय थे और स्थानीय लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय भी। भाजपा का नेटवर्क मजबूत बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते थे और उन्हें कश्मीर घाटी में भाजपा का टाइगर कहा जाता था। जाहिर है कि उनकी मौत भाजपा के लिए बड़ा झटका है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना और महासचिव अशोक कौल समेत भारी संख्या में पार्टी नेता व कार्यकर्ता शोक की इस घड़ी में अपने टाइगर के घर पहुंचे। बारी को उनके पिता व भाई के शवों को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच गुरुवार की दोपहर घर के पास ही सुपुर्दे खाक कर दिया गया।

नेपाल ने...

ओली और उनकी सरकार की आलोचना वाली खबरें प्रसारित करने के बाद यह कदम आया है। नेपाल सरकार ने हालांकि आधिकारिक रूप से भारतीय समाचार चैनलों का प्रसारण रोके जाने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। वित्त, सूचना एवं संचार मंत्री युवराज खातीवाड़ा ने भारतीय समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित कुछ खबरों की निंदा की। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यहां कहा, नेपाल सरकार ऐसे कृत्यों की आलोचना करती है। सरकार ऐसे आपत्तिजनक कृत्य के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी पहलुओं पर विचार करेगी।

राणा कपूर...

कपिल और धीरज वधावन की 1,411.9 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की गई हैं। इनमें मुंबई के खार (पश्चिम) क्षेत्र में एक दर्जन फ्लैट, न्यूयॉर्क में एक फ्लैट, लंदन में दो फ्लैट, पुणे और मुल्शी के पास दो जमीन के टुकड़े, ऑस्ट्रेलिया में एक व्यावसायिक संपत्ति, पांच लक्जरी वाहन और 344 बैंक खाते शामिल हैं। ईडी ने तीनों के खिलाफ इस साल के शुरू में पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था। ईडी का आरोप है कि कपूर और उनके परिवार के सदस्यों तथा अन्य लोगों ने बैंक के जरिए बड़े कर्ज देने के लिए घूस ली। इन लोगों ने करीब 4,300 करोड़ रुपए की अपराध की कमाई का धन इधर-उधर किया। बाद में यह कर्ज गैर निष्पादित आस्ति (एनपीए) बन गया। ईडी द्वारा यस बैंक और डीएचएफएल के बीच कथित संदिग्ध संबंध की भी जांच की जा रही है।

यूएई जाने...

अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को 23 मार्च को निलंबित कर दिया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, कुल 6,61,352 व्यक्तियों ने भारत वापस आने के लिए रजिस्ट्रेषन कराया था। इनमें से वंदे भारत मिषन के तहत 5,80,000 से अधिक लोगों को वापस लाया जा चुका है।

प्राचीन स्मारकों...

उन्हें कहा कि हम शूटिंग के लिए उन्हें 15-20 दिन में अनुमति प्रदान करेंगे। उन्हें केवल ऑनलाइन आवेदन करना होगा। भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण (एएसआई) के 3,000 से अधिक संग्रहालय और स्थल हैं, जिन्हें कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू लॉकडाउन के बाद छह जुलाई से दोबारा खोला गया है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में एएसआई स्थलों पर शूटिंग की अनुमति है लेकिन इसके लिए काफी कागजी कार्यवाही करनी पड़ती है, जिसमें बहुत समय लग जाता है।

भारत में...

के एक अधिकारी ने बताया भारत में औसतन प्रतिदिन 2.6 लाख से अधिक लोगों की जांच की जा रही है। देश में जांच की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। भूषण ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हुए लोगों की संख्या उपचाराधीन संक्रमित लोगों की संख्या से 1.75 गुणा अधिक है। उन्होंने बताया कि भारत में कोविड-19 के कारण मारे गए 53 प्रतिशत लोगों की आयु 60 साल से अधिक है। डब्ल्यूएचओ के एक प्रवक्ता के, वायरस के हवा में फैलने के संकेत मिलने संबंधी बयान के बारे में पूछे जाने पर भूषण ने कहा, हम विशेष रूप से इस पहलू पर डब्ल्यूएचओ मुख्यालय से मिल रही सूचना पर नजर रख रहे हैं, लेकिन आप इस बात की सराहना करेंगे और इस बात पर गौर करेंगे कि संक्रमण के शुरुआती दौर में भी हमने और प्रधानमंत्री ने दो गज दूरी पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, इससे हवा में लंबे समय तक रहने वाली छोटी बूंदों के संपर्क में आने से बचाव होता है।

देश में...

हुए हैं जबकि फिलहाल संक्रमित 2,69,789 लोगों का उपचार किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया, अभी तक करीब 62.08 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हुए हैं। संक्रमितों की कुल संख्या में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। कोविड-19 से जिन 487 और लोगों की मौत हुई है उनमें से महाराष्ट्र में 198, तमिलनाडु में 64, कर्नाटक में 54, दिल्ली में 48, पश्चिम बंगाल में 23, उत्तर प्रदेश में 18, गुजरात में 16, आंध्र प्रदेश में 12, तेलंगाना में 11, राजस्थान में 10, मध्य प्रदेश में सात, जम्मू कश्मीर और ओडिशा में छह-छह, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में तीन-तीन तथा असम में दो लोगों ने जान गंवाई है। अभी तक इस वैश्विक महामारी से कुल 21,129 लोगों की मौत हुई है। इनमें से सबसे अधिक 9,448 लोगों ने महाराष्ट्र में जान गंवाई। इसके बाद दिल्ली में 3,213, गुजरात में।,993, तमिलनाडु में 1,700, उत्तर प्रदेश में 845, पश्चिम बंगाल में 827, मध्य प्रदेश में 629, राजस्थान में 482 और कर्नाटक 470 लोगों की मौत हुई। तेलंगाना में कोविड-19 से 324, हरियाणा में 282, आंध्र प्रदेश में 264, पंजाब में 178, जम्मू कश्मीर में 149, बिहार में 107, ओडिशा में 48, उत्तराखंड में 46 और केरल में 27 लोगों की मौत हुई।

खाली स्टेडियम में आईपीएल फंतासी खेल के लिए फायदेमंद : मल्होत्रा

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज मल्होत्रा को लगता है कि खाली स्टेडियमो मे इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन फंतासी खेलो के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जो ऑनलाइन खेलो के बाजार मे तेजी से अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है और जिसने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 750 करोड़ रुपए से अधिक का कर भुगतान किया।

पेलेग्रिनी की स्पेन में वापसी, रीयाल बेटिस के कोच होंगे

मैड्रिड। मैनुएल पेलेग्रिनी दो साल के अनुबंध पर अगले सत्र से रीयाल बेटिस को कोचिंग देने के लिए राजी हो गए है। स्पेन के क्लब ने गुरुवार को यह जानकारी दी। चिली के 66 साल के मैनेजर पेलेग्रिनी के मार्गदर्शन मे मैनचेस्टर सिटी ने 2014 मे इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब जीता था।

डिवाइन न्यूजीलैंड महिला टीम की कप्तान नियुक्त

वेलिंगटन। आलराउंडर सोफी डिवाइन को न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वह एमी सटरवेट की जगह लेंगी जो मातृत्व अवकाश से लौटने के बाद उप कप्तान की भूमिका निभाएंगी। सोफी डिवाइन व्हाइट फर्न्स (न्यूजीलैंड महिला टीम) की कप्तान होंगी जबकि एमी सटरवेट मातृत्व अवकाश से लौटने के बाद उप कप्तान की भूमिका निभाएगी।

चीन ने इस साल सारी खेल प्रतियोगिताएं रद्द की

बीजिंग। चीन ने कहा है कि वह इस साल बाकी बचे समय मे किसी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन नही करेगा और सिर्फ बीजिंग तथा पड़ोसी शहर झांगजियाकू मे 2022 शीतकालीन ओलंपिक खेलो के ट्रायल का आयोजन करेगा। खेल प्रशासको के इस आदेश के बाद कम से कम दह डब्यूटीए टेनिस प्रतियोगिताएं प्रभावित होंगी जिसमे नवंबर मे शेनझेन मे होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स भी शामिल है।

सीएसए पता करेगा नस्लवाद विरोधी अभियान की भूमिका : ग्रीम स्मिथ

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के निदेशक ग्रीम स्मिथ ने कहा कि उनका बोर्ड अगले कुछ दिनो मे यह पता लगाएगा कि वे अपने देश मे ब्लैक लाइव्स मैटर (बीएलएम) मे कैसे प्रभावी भूमिका निभा सकते है। दक्षिण अफ्रीका का इतिहास रंगभेद से जुड़ा रहा है। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम मे अश्वेत क्रिकेटरो का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है लेकिन 1970 मे देश को अलग थलग किए जाने से पहले परिस्थितियां भिन्न थी जब टीमो मे केवल श्वेत खिलाड़ियो को ही जगह दी जाती थी। इसे देखते हुए यह अभियान अधिक महत्वपूर्ण बन जाता है। एनगिडी पहले ही स्पष्ट कर चुके है कि वह वेस्टइंडीज और इंग्लैड के क्रिकेटरो की तरह ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान का समर्थन करेंगे। इन देशो के क्रिकेटरो ने वर्तमान टेस्ट श्रृंखला मे अपनी कॉलर पर बीएलएम का लोगो लगाया है ।

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट रद्द

● जून 2021 में होंगे

भाषा। नई दिल्ली

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशियाई क्षेत्र में कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए गुरूवार को इस साल सितंबर में होने वाले एशिया कप टूर्नामेंट को जून 2021 तक स्थगित कर दिया।

इस फैसले से इंडियन प्रीमियर लीग के लिए रास्ता साफ हो गया जिसे आयोजक सितंबर से नवंबर तक कराने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि टी20 विश्व कप के भी टलने की उम्मीद है। इसके मेजबानी अधिकार पाकिस्तान के पास थे। एशिया कप के एक साल स्थगित होने के बाद अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भी टी20 विश्व कप के स्थगित होने की घोषणा करने की उम्मीद है जिसका आयोजन अक्टूबर-नवंबर में होना है। एशियाई क्रिकेट परिषद ने ट्वीट किया, कोविड-19 महामारी के असर पर काफी सोच विचार और मूल्यांकन के बाद एसीसी कार्यकारी बोर्ड ने एशिया कप टूर्नामेंट को स्थगित करने का फैसला किया जिसे सितंबर 2020 में आयोजित किया जाना था। एसीसी ने बयान में कहा, एसीसी के कार्यकारी बोर्ड ने एशिया कप टूर्नामेंट पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए कई मौकों पर मुलाकात की। गांगुली और बीसीसीआई सचिव जय शाह एसीसी बोर्ड का हिस्सा हैं। एसीसी बोर्ड टूर्नामेंट की मेजबानी से होने वाले स्वास्थ्य जोखिम की अनदेखी नहीं कर सकता था।

यात्रा सुरक्षित होने पर ही घरेलू क्रिकेट : गांगुली

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि भारतीय घरेलू सत्र तभी शुरू होगा जब युवा खिलाड़ियो का रणजी ट्रॉफी मैचो के लिए देश के अंदर यात्रा करना सुरक्षित होगा।भारत के घरेलू टूर्नामेंटो को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि कोरोना वायरस महामारी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग अगर अक्टूबर मे होती है तो सत्र मे मैचो की संख्या कम करनी पड़ेगी। घरेलू सत्र 2020-2021 की शुरुआत अगस्त के अंत मे विजय हजारे ट्रॉफी के साथ होनी थी जबकि इसके बाद रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन होना था। पिछले सत्र मे लॉकडाउन की शुरुआत के कारण ईरानी ट्रॉफी को रद्द किया गया था। घरेलू और जूनियर क्रिकेट के बारे मे पूछने पर गांगुली ने स्पोर्ट्स तक से कहा, ये जरूरी है लेकिन कोरोना वायरस महामारी के नियंत्रित होने के बाद ही ये होंगे। हालात सुरक्षित होने के बाद ही, विशेषकर जूनियर क्रिकेट। भारत बड़ा देश है और मैचो के लिए टीमो को एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करनी होती है और इसलिए घरेलू क्रिकेट तब तक शुरू नही होगा जब तक कि सब कुछ सुरक्षित नही होता। बीसीसीआई प्रमुख ने कहा, हम युवा खिलाड़ियो को लेकर जोखिम नही लेना चाहते। हमारा देश इतना बड़ा है और हमारा घरेलू क्रिकेट इतना मजबूत है कि सभी को खेलने के लिए यात्रा करनी पड़ती है। इसलिए जब तक यह सुरक्षित नही होगा तब तक इसका आयोजन नही होगा। इसी तरह आयु वर्ग के टूर्नामेंटो का आयोजन भी फिलहाल नही होगा।

आईपीएल की मेजबानी की पेशकश नहीं की: एनजेडसी

भाषा। वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा कि उसने इस साल आईपीएल की मेजबानी करने की पेशकश नहीं की है और इस तरह की रिपोर्टों को केवल अटकलबाजी करार दिया जबकि भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एनजेडसी के प्रवक्ता रिचर्ड बूक ने पुष्टि की कि क्रिकेट बोर्ड ने कभी आईपीएल की मेजबानी में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। यह रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलबाजी है। न्यूजीलैंड से अगर आईपीएल की मेजबानी के लिए कहा जाता है तो हम इस स्थिति में नहीं होंगे। हमने आईपीएल की मेजबानी की पेशकश नहीं की और ना ही हमारे पास किसी ने ऐसा प्रस्ताव रखा। इसकी तारीखों और न्यूजीलैंड की अपने भविष्य दौरा कार्यक्रम को सम्मान देने की प्रतिबद्धता का मतलब है कि समय के कारण हम ऐसा नहीं कर सकते।

2021 में ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा

भाषा। तोक्यो

तोक्यो ओलंपिक के आयोजकों को पूरी उम्मीद है कि कोरोना वायरस के कारण एक साल के लिए स्थगित किए गए ओलंपिक खेल 2020 का अगले साल आयोजन होगा। आयोजकों की तरफ से यह बयान इसलिए आया है क्योंकि हाल में जापान में कराए गए एक सर्वे के अनुसार 77 प्रतिशत लोगों का मानना है कि उन्हें नहीं लगता कि अगले साल इन खेलों का आयोजन हो पाएगा। जापान न्यूज नेटवर्क द्वारा करवाए गए इस सर्वे के अनुसार केवल 17 प्रतिशत प्रतिभागियों को लगता है कि कोरोना वायरस महामारी के बावजूद अगले साल तोक्यो ओलंपिक खेलों को कराया जा सकता है। तोक्यो ओलंपिक के प्रवक्ता मासा ताकाया ने गुरूवार को तोक्यो ओलंपिक के बारे में यह बात कही। तोक्यो शहर की सरकार ने गुरूवार को कोरोना वायरस के एक दिन में रिकार्ड 224 संक्रमित मामले दर्ज किए जिससे अप्रैल में 204 मामलों का रिकार्ड टूट गया। हालांकि यह कई मानकों के हिसाब से काफी कम हैं लेकिन जापान की राजधानी में पिछले हफ्ते से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि तोक्यो की एकमात्र योजना खेलों को 23 जुलाई 2021 में शुरू करने की है।

ब्राड को शुरूआती टेस्ट से बाहर किए जाने से हैरान हैं गॉ

साउथम्पटन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉ ने कहा कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरूआती टेस्ट में स्टुअर्ट ब्राड को नहीं देखने से काफी हैरान हैं। उनका मानना है कि बीते समय में जिम्मी एंडरसन की अनुपस्थिति में हमेशा टीम के लिए डटे रहने वाले ब्राड को शामिल नहीं करना हैरानी भरा फैसला है। इंग्लैंड ने बुधवार से शुरू हुए पहले टेस्ट में एंडरसन, मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर के साथ कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स और स्पिनर डॉम बेस को चुना जबकि ब्राड को शामिल नहीं किया।

फेडरर ने प्रतिद्वंद्वी नडाल को प्रगति करते देखा

वाशिंगटन। दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और रफेल नडाल के बीच कोर्ट पर प्रतिद्वंद्विता जितनी कड़ी है, उससे कहीं अधिक ए दोनों कोर्ट के बाहर एक दूसरे का सम्मान करते हैं। फेडरर ने पिछले साल एपी को दिए साक्षात्कार में कहा था, मैंने अपनी आंखों के सामने उसे प्रगति करते हुए देखा है। मुझे हमेशा लगता है कि टेनिस खिलाड़ियों में वह एक व्यक्ति है जिसे मैं अगर कुछ बताऊंगा तो यह हम दोनों के बीच गोपनीय रहेगा।

असमंजस में हूं कि मुझे टीम में कैसे चुना गया : आर्चर

साउथम्पटन। इंग्लैंड के स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कहा कि अंतिम एकादश में अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड की जगह चुने जाने से वह अब भी असमंजस में है और उम्मीद जताई कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे शुरूआती टेस्ट के दौरान अपनी काबिलियत साबित कर सकेंगे। इंग्लैंड ने बुधवार को ब्राड को शुरूआती टेस्ट के लिए नहीं चुना जिन्होंने 485 विकेट चटकाए हैं जबकि जिम्मी एंडरसन, मार्क वुड और आर्चर को कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स और स्पिनर डॉम बेस के साथ शामिल किया।

लाकडाउन में फिटनेस बढ़ी लेकिन लय प्रभावित हुई : शमी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कलात्मक तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि कोरोना वायरस लॉकडाउन में थके हुए शरीर को आराम और मजबूत होने का समय जरूर मिला लेकिन उन्हें डर है कि लंबे ब्रेक से उनकी लय पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। शमी ने कहा कि महानगरों में रहने वाले दूसरे भारतीय क्रिकेटरों की तुलना में वह बेहतर स्थिति में हैं और साहसपुर में अपने पैतृक घर के खुले आंगन में अभ्यास करते रहे हैं। उन्होंने घर के भीतर ही एक छोटा क्रिकेट मैदान बना रखा है। उन्होंने कहा , इसे दो तरीके से देख सकते हैं।भारतीय टीम का कार्यक्रम हमेशा व्यस्त रहता है और इस ब्रेक से थके हुए शरीर को आराम का समय मिला।

महिला स्पीड शतरंज टूर्नामेंट में हम्पी और हरिका हारीं

चेन्नई। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और डी हरिका के क्वार्टरफाइनल में हारने से गुरूवार को फिडे महिला स्पीड शतरंज चैम्पियनशिप ग्रां प्री के तीसरे चरण में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। हम्पी रूस की एलेक्सांद्रा कोस्तेनियुक की बराबरी नहीं कर सकीं और 2-9 से पराजित हो गईं। वहीं हरिका को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी चीन की होऊयिफान ने अंतिम आठ बाजी में 7-3 से मात दी। अब हम्पी और हरिका 15 जुलाई से शुरू होने वाले चैम्पियनशिप के चौथे और अंतिम चरण में हिस्सा लेंगी। वहीं एक अन्य भारतीय आर वैशाली ने सात अंक से अपना अभियान समाप्त किया जो पहले चरण में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, दूसरे में क्वार्टर तक और तीसरे दौर में शुरूआती दौर में हम्पी से हारकर बाहर हो गईं।

होल्डर के छह विकेट

● वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट दूसरा दिन : 204 पर सिमटी इंग्लैंड की पारी

भाषा। साउथम्पटन

जैसन होल्डर ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट चटकाए जिसकी बदौलत वेस्टइंडीज ने पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड को 204 रन पर आउट कर दिया। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स का टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला गलत साबित होता नजर आया। उनके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शेनोन गैब्रियल और जैसन होल्डर की गेंदों का सामना नहीं कर सके। गैब्रियल ने 62 रन देकर चार और होल्डर ने 42 रन देकर छह विकेट चटकाए। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। एक समय पर इंग्लैंड के नौ विकेट 174 रन पर गिर गए थे और लग रहा था कि टीम 200 तक भी नहीं पहुंच सकेगी लेकिन डोम बेस ने नाबाद 31 रन बनाए और तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के साथ 30 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड की पारी खत्म होते ही चाय का ब्रेक समय से पहले ले लिया गया। लंच से पहले स्टोक्स को 14 के स्कोर पर लांग लेग में केमार रोच ने जीवनदान नहीं दिया होता तो इंग्लैंड की हालत और खराब होती। लंच के बाद भी उन्हें 32 के स्कोर पर जीवनदान मिला जब रोच की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर में शामार ब्रूक्स ने उनका कैच छोड़ा। स्टोक्स और बटलर ने मिलकर 67 रन बनाए। बटलर 35 के स्कोर पर होल्डर का शिकार हुए जिनका कैच विकेट के पीछे शेन डोरिच ने लपका। जोफ्रा आर्चर के रूप में होल्डर ने पांचवां विकेट चटकाया। मार्क वुड उनका छठा शिकार बने जिनका कैच गली में शाइ होप ने लपका। होल्डर ने 20 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट चटकाए। इससे पहले इंग्लैंड ने कल के स्कोर एक विकेट पर 35 रन से आगे खेलना शुरू किया था।

बार्सिलोना ने एस्पेनयॉल को हराकर खिताब की उम्मीद बरकरार रखी

भाषा। मैड्रिड

बार्सिलोना ने शहर के अपने प्रतिद्वंद्वी एस्पेनयॉल को ।-0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला लिगा में खिताब की अपनी उम्मीदें बरकरार रखी। इस हार से एस्पेनयॉल का लगभग पिछले तीन दशक में पहली बार दूसरी डिवीजन में खिसकना तय हो गया। लुई सुआरेज ने दूसरे हाफ के शुरू में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे बार्सिलोना शीर्ष पर चल रहे रीयाल मैड्रिड से केवल एक अंक पीछे रह गया है लेकिन उसने अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी से एक मैच अधिक खेला है। रीयाल मैड्रिड के 34 मैचों में 77 जबकि बार्सिलोना के 35 मैचों में 76 अंक हैं। एस्पेनयॉल लगातार 26 सत्र तक शीर्ष डिवीजन में खेलने के बाद पहली बार दूसरी डिवीजन में खिसका है। वह 35 मैचों में 24 अंक के साथ तालिका में 20वें और आखिरी स्थान पर है। रीयाल मैड्रिड शुक्रवार को अलावेस के खिलाफ जीत दर्ज करके बार्सिलोना पर फिर से अपनी बढ़त चार अंकों की कर सकता है। सुआरेज ने बार्सिलोना की तरफ से अपना 195वां गोल किया और लैडिस्लाओ कुबाला को पीछे छोड़ा। वह अब बार्सिलोना के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में लियोनेल मेस्सी (630) और सीजर रोड्रिग्ज (232) के बाद तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। अन्य मैचों में विल्लारीयाल ने गेटाफे पर 3-। की जीत से चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। वह तीसरे स्थान पर काबिज सेविला से तीन अंक पीछे है।

लिवरपूल की एक और जीत, रिकार्ड अंक के करीब

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का खिताब पहले ही अपने नाम पर सुनिश्चित कर चुके लिवरपूल ने ब्राइटन को 3-। से हराकर एक सत्र में सर्वाधिक अंक हासिल करने का नया रिकार्ड बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर सिटी ने 2018 में 100 अंक हासिल किए थे लेकिन जर्गेन क्लॉप की अगुवाई वाली लिवरपूल की टीम अगर बाकी बचे अपने चार मैचों में से तीन में जीत दर्ज करती है तो वह इस रिकार्ड को तोड़ देगी। लिवरपूल को अभी बर्नले, आर्सनल, चेल्सी और न्यूकास्टल से मैच खेलने हैं। स्ट हैम को।-0 से पराजित किया।

लोजानो के गोल से नैपोली जीता, अटलांटा तीसरे स्थान पर

रोम। मैक्सिको के स्ट्राइकर हिर्विंग लोजानो ने मैदान में उतरने के बाद दूसरे मिनट में ही गोल दागा जिससे नैपाली ने इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए में जेनोआ को 2-1 से हराया। पांच फुट नौ इंच के लोजानो ने अपनी तेजी से सभी को हैरान करके 66वें मिनट में यह गोल दागा। यह सेरी ए की वापसी के बाद उनका दूसरा गोल है। इससे पहले ड्राइस मर्टन्स ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में नैपोली को शुरुआती बढ़त दिलाई थी लेकिन एडुआर्डो गोल्डानिगा ने दूसरे हाफ के चौथे मिनट में ही बराबरी का गोल कर दिया था। इस जीत से नैपोली 51 अंकों के साथ छठे स्थान पर पहुंच गया है। रोमा के भी इतने ही अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर के कारण नैपोली से आगे है।

मजदूरी संहिता सितंबर तक लागू होने की उम्मीद, श्रम मंत्रालय ने नियमों का मसौदा जारी किया

नई दिल्ली। श्रम सुधारों से जुड़ा पहला कानून मजदूरी संहिता सितंबर तक लागू होने की उम्मीद है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने विभिन्न पक्षों की राय जानने के लिए इसे सार्वजनिक किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। संसद ने प्रत्एक कर्मचारी के लिए न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने तथा कामगारों के भुगतान में देरी जैसे मसलों के समाधान को लेकर पिछले साल अगस्त में संहिता को मंजूरी दे दी थी। श्रम मंत्रालय ने सात जुलाई को जारी मसौदा नियमों को सरकारी राजपत्र में जारी किया।

सरकार मांग को गति देने के लिए और वित्तीय, मौद्रिक उपायों की कर सकती है घोषणा: सान्याल

नई दिल्ली। प्रधान आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक गतिविधियां धीरे-धीरे पटरी पर आ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मांग बढ़ाने के लिए कदम उठाएगी और इसके लिए मौद्रिक तथा राजकोषीय गुंजाइश दोनों उपलब्ध हैं। सान्याल ने संकेत दिया कि रिजर्व बैंक मांग को गति देने के लिए मौद्रिक नीति पहल के तहत नीतिगत दर में कटौती कर सकता है। हमने विभिन्न पैकज की घोषणा की है और अब तक ज्यादातर पैकेज वास्तव में मांग के झटकों को झेलने को लेकर है।

11 राज्य, एक केंद्रशासित प्रदेश बिजली संशोधन विधेयक के खिलाफ

नई दिल्ली। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 11 राज्यों एवं एक केंद्र शासित प्रदेशों ने बिजली संशोधन विधेयक, 2020 के प्रावधानों का विरोध किया है। एआईपीईएफ के अनुसार बिजली क्षेत्र में तथाकथित सुधारों को लाने वाला बिजली (संशोधन) विधेयक 2020 से संघवाद के सिद्धांतों को खतरा है। एआईपीईएफ के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने एक बयान में कहा, बिजली मंत्रियों के तीन जुलाई को वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिए सम्मेलन में 11 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश ने बिजली (संशोधन) विधेयक, 2020 के मसौदे के कई उपबंधों को लेकर पुरजोर विरोध जताया और इसे लाने से मना किया।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Kabirul Sardar, S/o Azizar Rhaman Sardar of A-26 Jamiya Nagar, Okhla Vihar, New Delhi-110025 through an affidavit has changed my name Kabir Sardar and will be known as "Kabirul Sardar" for all future purposes.

PD(8894)A

सेंसेक्स 409 अंक उछला

● एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर चमके

भाषा। मुंबई

एक दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को फिर तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 409 अंक की अच्छी बढ़त के साथ 36,737.69 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच निवेशकों ने वित्तीय और बैंक शेयरों में जोरदार लिवाली की जिससे बाजार में मजबूती आई।

बंबई शेयर बाजार का तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 36,806.30 अंक के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन बाद में यह थोड़ा नीचे आया और अंत में 408.68 अंक यानी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 36,737.69 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 345.51 अंक की गिरावट के साथ 36,329.01 अंक पर बंद हुआ था। इससे पहले, पांच कारोबारी सत्रों में इसमें तेजी रही थी। नेशनल स्टॉक एक्सचेचंज का निफ्टी भी 107.70 अंक यानी 1.01 प्रतिशत मजबूत होकर 10,813.45 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांक का यह चार महीने का उच्चतम स्तर है। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में बजाज फाइनेंस रही। इसमें 3.93 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा एसबीआई, टाटा स्टील, एचडीएफसी, बजाज फिनसर्व, एचसीएलटेक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी बढ़त में रहे।

मूल्य के हिसाब से एचडीएफसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक का सेंसेक्स की तेजी में सर्वाधिक योगदान रहा। दूसरी तरफ ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचयूएल और मारुति के शेयरों में 1.66 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे अधिक खुली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिसमें निवेशकों को अनुकूल और प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल के साथ साथ व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

घरेलू शेयर बाजारों की बढ़त के बीच रुपया सुधरकर 74.99 पर पहुंचा

मुंबई। डॉलर की नरमी तथा घरेलू शेयर बाजारो की तेजी के दम पर बृहस्पतिवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार मे रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 74.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबारियो ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारो की तेजी और विदेशी बाजारो मे डॉलर की नरमी ने रुपए को समर्थन दिया। हालांकि विदेशी निवेशको की निकासी तथा कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलो मे वृद्धि ने रुपए पर नकारात्मक असर डाला। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 74.94 पर खुला, लेकिन बाद मे इसने शुरुआती तेजी खो दी और प्राथमिक आंकड़ो के हिसाब से 74.99 रुपए प्रति डॉलर पर रहा। यह पिछले दिवस की तुलना मे तीन पैसे ऊपर है।

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में तीन प्रतिशत गिरावट का अनुमान: बोफा

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी की मार से चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीन प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी बोफा सिक्योरिटीज ने यह अनुमान लगाया है। बोफा सिक्योरिटीज ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसका यह अनुमान इस बात पर आधारित है कि अगले महीने से अर्थव्यवस्था पूरी तरह खुल जाएगी। बोफा ने कहा कि रिजर्व बैंक मुक्त बाजार परिचालन के जरिए 95 अरब डॉलर तक के सरकारी बांड की खरीद के जरिए राजकोषीय घाटे का मौद्रिकरण करेगा। इसके अलावा उसके 127 अरब डॉलर के पुनर्मूल्यांकन आरक्षित कोष का इस्तेमाल भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुन: पूंजीकरण के लिए किया जा सकता है।

दायची-रैनबैक्सी: दिल्ली उच्च न्यायालय ने रोक लगाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रैनबैक्सी के एसआरएल ट्रेडमार्क की बिक्री या इस पर किसी तीसरे पक्ष के खरीदने मे रुचि दिखाने पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने ऐसा जापानी कंपनी दायची सान्यको के इसे बेचकर रैनबैक्सी के पूर्व प्रवर्तक मलविंदर मोहन सिंह और शिविंदर मोहन सिंह से बकाया वसूली करने की अनुमति मांगने के चलते किया है।

टीसीएस का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 14 प्रतिशत गिरा

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को जून मे समाप्त तिमाही मे एकीकृत आधार पर 7,008 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। यह साल भर पहले की इसी तिमाही से 13.8 प्रतिशत कम है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही मे 8,131 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनियों, ई-कॉमर्स कारोबारियों को उत्पादों पर उनके मूल उद्गम स्थल को अंकित करना होगा: पासवान

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि राज्य सरकारों को उन प्रावधानों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया जिनके तहत कंपनियां और ई-कॉमर्स कारोबारियों को सभी उत्पादों पर उनके मूल उद्गम स्थल को अंकित करना आवश्यक है। सभी उत्पादों पर उसके उत्पत्ति स्थल का उल्लेखन करने का प्रावधान जनवरी 2018 से लागू है और यह कानून सभी विनिर्माताओं, आयातकों, पैकर्स और ई-कॉमर्स कारोबारियों के लिए है। वाणिज्य मंत्रालय से अब यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि ई-कॉमर्स कंपनियां भी इस नियम का सख्ती से पालन करें। हमने बार बार कहा है कि हमारे पास इस तरह का प्रावधान है। हमने राज्य सरकारों को प्रावधान को सख्ती से लागू करने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्वाई करने का निर्देश दिया है। ऑफलाइन या ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बेचे जाने वाले किसी भी उत्पाद पर उसके उद्गम स्थल का ब्यौरा होना चाहिए। इसके अलावा उस उत्पाद पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), उपयोग करने की सुरक्षित अवधि, उत्पाद की कुल मात्रा और उपभोक्ता देखभाल जैसे अन्य विवरणों को प्रकाशित करना भी अनिवार्य है।

भारतीय मूल के 58 कार्यपालक दुनिया भर में 36 लाख से अधिक लोगों को देते हैं रोजगार

भाषा। वाशिंगटन

● कुल मिलाकर 1000 अरब डॉलर की कमाई होती है

अमेरिका, कनाडा और सिंगापुर सहित 11 देशों की कंपनियों के भारतीय मूल के 58 कार्यपालकों का एक समूह दुनिया भर में 36 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है और कुल मिलाकर 1000 अरब डॉलर की कमाई करता है।

अमेरिका स्थित भारतीय मूल के एक शीर्ष संगठन ने यह बात कही। वैश्विक स्तर पर भारतीय मूल के दिग्गज पेशेवरों के संगठन इंडियास्पोरा ने कहा कि भारतीय मूल के कारोबारी नेता पहले से कहीं अधिक संख्या में कॉरपोरेट सफलता के शिखर पर पहुंच रहे हैं और इनमें से कई अपने मंचों का इस्तेमाल सामाजिक परिवर्तन की पैरोकारी के लिए कर रहे हैं। इंडियास्पोरा बिजनेस लीडर्स लिस्ट में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और सिंगापुर सहित 11 विभिन्न देशों की कंपनियों के अगुवाई करने वाले 58 कार्यपालक शामिल हैं और उनके कार्यकाल के दौरान इन कंपनियों ने 23 प्रतिशत का वार्षिक प्रतिफल दिया। ये प्रतिफल एसएंडपी 500 कंपनियों के मुकाबले काफी अधिक है। ये कंपनियां सामूहिक रूप से दुनिया भर में 36 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देती है और।,000 अरब डॉलर से अधिक की कमाई करती हैं। इनका बाजार पूंजीकरण 4,000 अरब डॉलर से अधिक है। इंडियास्पोरा के संस्थापक और सिलिकॉन वैली स्थित उद्यमी एम आर रंगास्वामी ने कहा, व्यापार में भारतीय प्रवासियों का प्रभाव उल्लेखनीय है।

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Sanjiv Swarup son of Late Shri Keshav Kumar Swarup, resident of D-12, Keshav Villa, Kalindi Colony, New Delhi, am the owner and in physical possession of Property bearing Shop No.A-2, New Shopping Centre, Opposite Mool Chand Hospital, Defence Colony, New Delhi, which is allotted by DDA vide File No.F/54(96)1980/CE and has applied for conversion from lease hold into free hold of said Shop in D.D.A. The original Demand cum Bid Form, Possession Letter, Possession Slip, Bank Challan, and NOC for Water & Electric connection of said Shop has been lost. An F.I.R. to this effect has been lodged. Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write/contact with above named person at above address/Phone No.9810011056 within 7 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this flat can personally inform or write to Dy. Director (CE) or Director (CE) A Block 2ND Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is to inform to all general public and all concerned that my clients Smt Ranju Jha W/o Sri Raghav Jha & Sri Raghav Jha S/O Sri Kali Kant Jha both residents of 468,GF,PKT-1,Paschim Puri,Delhi -63 after being neglected, humiliated and ill treated by their son Sri Gautam Jha ,aged 25 years ,have disowned him from all their movable and immovable proper

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी में फूट पड़ने के आसार

भाषा। काठमांडो

नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के भीतर पैदा हुए मतभेद समाप्त होते नहीं दिख रहे हैं। बृहस्पतिवार को आई मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच सप्ताह भर में आधा दर्जन से अधिक बैठकें होने के बाद भी कोई आम सहमति नहीं बन सकी है।

बुधवार को एनसीपी की 45 सदस्ईय स्थाई समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार तक के लिए टाल दी गई। यह लगातार चौथा मौका था जब पार्टी की बैठक टाल दी गई थी ताकि पार्टी के दो अध्यक्षों को

● ओली व प्रचंड बातचीत में नहीं बन सकी सहमति

मतभेदों को दूर करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

उम्मीद की जा रही है कि 68 वर्षीय ओली के राजनीतिक भविष्य के बारे में शुक्रवार को स्थाई समिति की बैठक के दौरान फैसला किया जा सकता है। इस बीच नेपाल में चीनी राजदूत होउ यान्की की सक्रियता बढ़ गई है ताकि ओली की कुर्सी को बचाया जा सके। प्रचंड खेमे को वरिष्ठ नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों माधव कुमार नेपाल तथा झालानाथ खनल का समर्थन हासिल है। यह खेमा ओली के इस्तीफे की मांग कर रहा है और उसका कहना है कि ओली की हालिया भारत विरोधी टिप्पणी न तो राजनीतिक रूप से सही थी और न ही राजनयिक रूप से उचित थी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के दो धड़ों के बीच मतभेद उस समय बढ़ गया जब प्रधानमंत्री ने एकतरफा फैसला करते हुए संसद के बजट सत्र का समय से पहले ही सत्रावसान करने का फैसला किया। काठमांडो पोस्ट की खबर के अनुसार ओली और प्रचंड के बीच कई दौर की बातचीत होने के बाद भी कोई सहमति नहीं बन सकी। इस बीच विरोध प्रदर्शनों के लिए निर्देश नहीं देने के संबंध में प्रचंड के साथ समझौता होने के बावजूद बुधवार को देश भर में ओली के समर्थन में छिटपुट प्रदर्शन हुए।

थाईलैंड में समलैंगिक प्रेम संबंधों को मंजूरी देने वाला विधेयक पारित

बैंकॉक। थाईलैंड के मंत्रिमंडल ने उन दो विधेयकों के मसौदों को मंजूरी दे दी है जिनसे समलैंगिक प्रेम संबंधों को कानूनी मान्यता दी जा सकेगी। सरकार की उप प्रवक्ता रत्चदा थानदिरेक ने बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि सिविल पार्टनरशिप एक्ट और सिविल एंड कर्मशियल कोड में संशोधनों को मंजूरी के लिए जल्द ही संसद के पास भेजा जाएगा। सिविल पार्टनरशिप एक्ट से समलैंगिक जोड़ों को अपनी शादी पंजीकृत कराने की मंजूरी मिल जाएगी अगर वे दोनों कम से कम 17 वर्ष के हैं और उनमें से कोई एक थाइलैंड का नागरिक है। हालांकि उनके प्रेम संबंधों को विवाह के तौर पर परिभाषित नहीं किया गया है लेकिन इससे कई कानूनी अधिकार मिल जाएंगे जो विपरीत लिंग के दंपत्तियों को दिए जाते हैं जैसे कि बच्चे को गोद लेने का अधिकार। इस विधेयक को तैयार करने में मदद करने वाले रेनबो स्काई ऑफ थाईलैंड के अध्यक्ष कित्तिनन धरमाधज ने कहा कि बुधवार को जिस मसौदे को मंजूरी दी गई वो पहले के विधेयकों में संशोधन है लेकिन एलजीबीटीक्यू समुदाय के कुछ सदस्यों का मानना है कि इसमें पर्याप्त रूप से समान अधिकार सुनिश्चित नहीं किए गए हैं।

जापान के हितोपोशी शहर में भारी बारिश से शहर प्रभावित हुए जन-जीवन को सामान्य बनाने में लगे स्थानीय कर्मचारी

नए वीजा नियमों से भारतीय छात्रों को हो सकती है परेशानियां: अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने कहा कि एफ-। वीजाधारक कुछ विदेशी छात्रों के लिए वीजा संबंधी नए दिशा निर्देश अनिश्चितता और मुश्किलें पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस दिशा-निर्देशों के मुताबिक विदेशी छात्रों को कम से कम एक पाठ्यक्रम ऐसा लेना होगा जिसमें वह व्यक्तिगत रूप से कक्षा में उपस्थित रह सकें अन्यथा उन्हें निर्वासित होने के जोखिम का सामना करना होगा।

भारतीय दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, ऐसे वक्त में जब अमेरिकी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने नए अकादमिक वर्ष के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा नहीं की है तो इन नए दिशा निर्देशों से अमेरिका में अपनी पढ़ाई जारी रखने के इच्छुक कुछ भारतीय छात्रों के लिए अनिश्चितता के हालात बन सकते हहैं और मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। सवालों के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिका के संबंधित अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया है। सात जुलाई को भारत-अमेरिका विदेश कार्यालय विचार गोष्ठी में विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने राजनीतिक मामलों के उप विदेश मंत्री डेविड हेल के समक्ष भारत की चिंताओं को उठाया।

हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल जनवरी में अमेरिका के विभिन्न अकादमिक संस्थानों में।,94,556 भारतीय छात्रों ने पंजीकरण कराया। इनमें से।,26,132 पुरुष और 68,405 महिलाएं हैं। प्रवक्ता ने उम्मीद जताई कि अमेरिकी अधिकारी कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुई असाधारण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय छात्रों के लिए अपने वीजा नियमों में पर्याप्त नरमी दिखाएंगे।

चीन के खिलाफ कुछ और कदम उठा सकता है अमेरिका: व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका चीन के खिलाफ और कदम उठाने की तैयारी कर रहा है हालांकि राष्ट्रपति के इन कदमों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के फैलने के बाद से अमेरिका एवं चीन के बीच संबंधों में तनाव बहुत बढ़ गया है। कोविड-19 को लेकर ट्रंप ने चीन पर कई आरोप लगाए हैं। हांगकांग में नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने को लेकर भी दोनों देशों के बीच मतभेद हैं। इसके अलावा दोनों देशों के बीच तनाव के अन्य मुद्दे अमेरिकी पत्रकारों पर पाबंदी, उईगर मुस्लिमों के प्रति चीन का बर्ताव और तिब्बत में उसके कदम हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायले मैकनेनी ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, कुछ कदम उठाए जाएंगे जो चीन से संबंधित होंगे। इसकी मैं पुष्टि कर सकती हूं। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश मंत्री समेत ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने हाल में ऐसे बयान दिए थे जिनसे संकेत मिलते हैं कि राष्ट्रपति आगामी दिनों में चीन के खिलाफ कुछ और कदम उठा सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने कहा था कि राष्ट्रपति की नजर टिकटॉक, वीचैट और कुछ अन्य एप्लिकेशन पर है जिनका इस्तेमाल चीन की सरकार कथित तौर अमेरिकियों के निजी और व्यक्तिगत डेटा हासिल करने के लिए कर रही है। सांसद मैट गेट्ज ने एक ट्वीट में कहा कि अमेरिका को इस तथ्य को देखते हुए और अधिक तैयार, सावधान और सतर्क रहना चाहिए कि चीन एक शत्रु है।

अमेरिकी सांसदों ने चीन द्वारा कोरोना का फायदा उठाने के प्रयासों की जांच की मांग की

वाशिंगटन। अमेरिका के 14 सांसदों के एक समूह ने संसद में एक विधेयक पेश किया है जिसमें सरकार से चीन सरकार द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 का कथित इस्तेमाल अपने हितों के लिए करने के प्रयासों को पहचानने, उनका विश्लेषण करने तथा उनसे निपटने की मांग की गई है। विधेयक कोविड-19 का लाभ उठाने से चीन को रोकना अधिनियम जारेड गोल्डमैन और 14 अन्य सांसदों ने पेश किया है। इसके तहत राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) से उन तरीकों की जांच करने को कहा गया है जिनके जरिए चीन की सरकार कोविड-19 का फायदा उठाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपने हितों को साधने का इरादा रखती है। इसमें अमेरिका को इससे पेश खतरों का आकलन करने को भी कहा गया है। गोल्डमैन ने कहा, ए साक्ष्य हैं कि जब से कोविड-19 शुरू हुआ है तब से चीन इस वैश्विक महामारी के कारण उपजे संकट का इस्तेमाल साइबर-चोरी करके और भ्रामक जानकारियां फैला कर अमेरिकियों के खिलाफ कर रहा है।

ट्रंप ने अमेरिकी स्कूलों को दी चेतावनी: फिर से खोलो या निधि में कटौती के लिए तैयार रहो

वाशिंगटन। कोरोना वायरस संकट के बावजूद अमेरिका में स्कूलों को फिर से खोलने के दृढ़ निश्चय के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को चेताया कि अगर पतझड़ के मौसम तक स्कूल नहीं खुलते हैं तो उनको दी जाने वाली संघीय निधि रोक ली जाएगी। राष्ट्रपति ने शिकायत की कि उनके खुद के जन स्वास्थ्य अधिकारियों के सुरक्षा दिशा निर्देश अव्यावहारिक हैं। इसके फौरन बाद उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने घोषणा की कि रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र अगले हफ्ते नए दिशा निर्देश जारी करेगा जिससे हमारे स्कूलों को सभी नए तौर-तरीकों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सिफारिशों से छात्र सुरक्षित रहेंगे लेकिन राष्ट्रपति ने आज कहा है कि हम दिशा निर्देश बहुत सख्त नहीं चाहते हैं। इस बीच न्यूयॉर्क शहर ने एलान किया कि उसके ज्यादातर छात्र हफ्ते में केवल दो या तीन दिन कक्षाओं में आएंगे और बाकी के समय ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे। मेयर बिल डे ब्लासियो ने कहा, ज्यादातर स्कूलों में एक समय में सभी छात्र नहीं आ पाएंगे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य चिंताओं के बजाय चुनावों की वजह से स्कूलों को बंद रखना चाहते हैं। उन्होंने स्कूलों को फिर से खोलने वाले दिशा निर्देशों के लिए सीडीसी अधिकारियों को आगाह करते हुए ट्वीट किया, मैं उनसे मुलाकात करूंगा। उन्होंने कहा, स्कूलों को फिर से खोलना छात्रों और उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है। अगर स्कूल नहीं खुले तो उनके वित्त पोषण में कटौती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने ट्विटर पर दलील दी कि जर्मनी, डेनमार्क और नोर्वे समेत कई देशों ने बिना किसी दिक्कतों के स्कूलों को फिर से खोला है।

ट्रंप के वित्तीय रिकॉर्ड पर उच्चतम न्यायालय दे सकता है आदेश

वाशिंगटन। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय इस बारे में आदेश दे सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप के कर तथा अन्य वित्तीय रिकॉर्ड को कांग्रेस और मैनहट्टन जिले के अटॉर्नी देख सकते हैं या नहीं जिसे राष्ट्रपति अब तक उजागर न करने का प्रयास करते रहे हैं। व्हाइट हाउस और कांग्रेस के बीच शक्ति परीक्षण से जुड़े इस विवाद तथा ट्रंप के इस दावे का भी बृहस्पतिवार को समाधान हो सकता है कि राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके बारे में जांच नहीं की जा सकती। यह स्पष्ट नहीं है कि यदि आदेश ट्रंप के खिलाफ जाता है तो उनसे जुड़ी रिकॉर्ड सामग्री का कितना हिस्सा सार्वजनिक किया जाएगा क्योंकि कुछ रिकॉर्ड गोपनीय ग्रांड ज्यूरी जांच के लिए जाएंगे और शेष रिकॉर्ड डेमोक्रेटिक नियंत्रित प्रतिनिधि सभा की समितियों ने मांगे हैं जिनमें न सिर्फ ट्रंप के बारे में, बल्कि उनके परिवार के अन्य सदस्यों तथा कारोबार के बारे में अत्यंत संवेदनशील जानकारी हो सकती है। कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से ट्रंप से जुड़े इस मामले में फोन के जरिए जिरह हुई थी। उच्चतम नयायालय ने बुधवार को कहा कि सभी शेष मामलों में बृहस्पतिवार को फैसला किया जाएगा।

जापान में भारी बारिश के कारण टूटी हुई सड़क को बनाने में लगे श्रमिक

भारी बारिश, बाढ़ से मध्य जापान के पर्यटक स्थलों पर सैंकड़ों लोग फंसे

तोक्यो। मध्य जापान में खूबसूरत गर्म पानी के झरने और पर्वतीय क्षेत्रों में बाढ़ और कीचड़ धंसने की वजह से सैंकड़ों लोग फंस गए हैं। वहीं, दक्षिणी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को भी बचावकर्मी आपदा की वजह से लापता हुए लोगों की तलाश में जुटे रहे। यहां अब तक यहां करीब 60 लोगों की मौत हो चुकी है। नगानो और गीफू समेत खूबसूरत पर्वत और गर्म पानी वाले इलाकों में बारिश की वजह से बाढ़ आई हुई है। प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि होटल कर्मचारी और पर्यटकों समेत 300 से ज्यादा लोग कमीकोची में फंसे हैं क्योंकि इस स्थान को नगानो के अन्य पर्यटन स्थल माटसुमोटो से जोड़ने वाली मुख्य सड़क कीचड़ धंसने से प्रभावित है। हालांकि यहां फंसे सभी लोग सुरक्षित हैं। वहीं पड़ोसी गीफू के गीरो और ओन्तेक में सैकड़ों लोग गर्म झरनेवाले क्षेत्र में अलग-थलग हो गए हैं। बृहस्पतिवार तक बारिश की वजह से मरनेवालों की संख्या बढ़कर 59 हो गई। बारिश पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुई थी। मरनवालों में ज्यादातर लोग बेहद प्रभावित कुमामोटो प्रांत से हैं।

सियोल के मेयर लापता, तलाश अभियान जारी

सियोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के मेयर लापता बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश चल रही है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अधिकारी सियोल के उस स्थान पर मेयर पार्क वोन-सुन की तलाश कर रहे हैं जहां आखिरी बार उनके मोबाइल फोन का सिग्नल पाया गया। उनकी बेटी ने बृहस्पतिवार को पुलिस को फोन किया था और कहा था कि उनके पिता लापता हैं। पार्क के कार्यालय ने बताया कि वह बृहस्पतिवार को कार्यालय नहीं आए।

भारत, अमेरिका में कोरोना वायरस से बचाव के लिए आयुर्वेदिक दवाओं का क्लिनिकल परीक्षण शुरू होगा

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका में आयुर्वेदिक चिकित्सक और शोधकर्ता कोरोना वायरस के खिलाफ बचाव के लिए आयुर्वेदिक दवाओं का संयुक्त क्लिनिकल परीक्षण शुरू करने की योजना बना रहे हैं। प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिकों, विद्वानों और डॉक्टरों के समूह से बुधवार को डिजीटल संवाद में संधू ने कहा कि संस्थागत भागीदारी के व्यापक नेटवर्क से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में दोनों देशों के वैज्ञानिक समुदाय एक साथ आ गए हैं। उन्होंने कहा, हमारे संस्थान संयुक्त शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए आयुर्वेद का प्रचार करने के लिए एक साथ आ गए हैं। दोनों देशों के आयुर्वेदिक चिकित्सक और शोधकर्ता कोविड-19 के खिलाफ बचाव के लिए आयुर्वेदिक दवाओं का संयुक्त क्लिनिकल परीक्षण शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे वैज्ञानिक इस मोर्चे पर ज्ञान और अनुसंधान के संसाधनों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। संधू ने कहा, भारतीय दवा कंपनियां किफायती दवाओं और टीके बनाने में अग्रणी हैं और इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभाएंगी। अमेरिका स्थित संस्थानों के साथ भारतीय दवा कंपनियों की कम से कम तीन साझेदारी चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल भारत और अमेरिका को फायदा मिलेगा बल्कि दुनियाभर के अरबों लोगों को भी लाभ मिलेगा।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 240,000 के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 3,359 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 240,000 के पार हो गई। वहीं इस खतरनाक वायरस से 61 और लोगों की मौत के बाद कुल मृतकों की संख्या 4,983 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार देश में अब तक स्वस्थ हो चुके मरीजों की संख्या 145,311 है। मंत्रालय ने बताया कि 2,193 मरीजों की हालत नाजुक है और इनमें से 435 मरीज वेंटेलेटर पर हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में 61 लोगों की मौत के बाद कुल मृतकों की संख्या 4,983 हो गई। कुल संक्रमितों में से सिंध प्रांत में 99,362, पंजाब में 84,587, खैबर पख्तुनख्वा में 29,052, इस्लामाबाद में 13,731, बलूचिस्तान में 11,052, गिलगित-बाल्तिस्तान में।,605 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में।,459 लोग संक्रमित हैं। डॉन की खबर के अनुसार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने ईद उल अजहा और मुहर्म के दौरान मानक संचालन प्रक्रिया को कड़ाई से लागू करने के लिए कहा है। ईद उल अजहा 12 अगस्त को है, वहीं मुहर्म के महीने की शुरुआत एक सितंबर से होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने हांगकांग के साथ प्रत्यर्पण संधि स्थगित की, छात्रों, कुशल श्रमिकों के लिए 10 हजार वीजा की पेशकश

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बृहस्पतिवार को विवादित चीनी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लेकर हांगकांग के साथ देश की प्रत्यर्पण संधि को स्थगित करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व ब्रिटिश क्षेत्र के 10,000 छात्रों और अस्थाई कुशल श्रमिकों के लिए वीजा की पेशकश की, ताकि वे यहां नया जीवन शुरू सकें। पूर्व ब्रिटिश क्षेत्र हांगकांग में नया कानून थोपे जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने यह कदम उठाया है। मॉरिसन ने कहा कि चीन द्वारा हांगकांग में थोपा गया नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून दुनियाभर की कई सरकारों के लिए ैपरिस्थितियों में मूलभूत परिवर्तनै को दर्शाता है। उन्होंने कैनबरा में कहा, हांगकांग के साथ प्रत्यर्पण समझौते को स्थगित करने का हमारा निर्णय नए सुरक्षा कानून की वजह से हांगकांग के संबंध में परिस्थितियों के मूलभूत परिवर्तन की स्वीकारोक्ति को दर्शाता है। हमारे विचार में नया कानून एक देश, दो व्यवस्था की रूपरेखा और हांगकांग के अपने बुनियादी कानून और चीन-ब्रिटिश संयुक्त घोषणा में प्रदत्त उच्च स्वायत्तता की अनदेखी करता है। उन्होंने कहा कि आव्रजन ऑस्ट्रेलिया की शक्ति का एक स्तंभ रहा है और यह दुनियाभर के ऐसे लोगों के लिए स्वागत करने वाला देश रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया सरकार हांगकांग स्थित कारोबार को यहां स्थापित करने का स्वागत करेगी।

कोविड-19 के संदिग्ध इलाज का बोलसोनारो बने पोस्टर ब्वॉय

भाषा। रियो डी जिनेरियो

कई महीनों से मलेरिया की दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को कोविड-19 के इलाज में इस्तेमाल की बात करने वाले ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने सोशल मीडिया पर लाखों लोगों के सामने खुद इस दवा का सेवन करके खुद को मिसाल बना रहे हैं और दूसरों को इसके लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जबकि कोविड-19 इलाज में इस दवा के सटीक होने की बात अब तक साबित नहीं हुई है।

बोलसोनारो ने इस सप्ताह बताया था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं लेकिन हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की वजह से पहले से अच्छा महसूस कर रहे हैं। इसके कुछ घंटे बाद उन्होंने एक वीडियो साझा किया जिसमें वह इस दवा का सेवन करते हुए नजर आए। उन्होंने बताया है कि वह तीसरी खुराक ले रहे हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन पर भरोसा करता हूं, और आप? वह बुधवार को एक बार फिर फेसबुक पर इस दवा के फायदे बता रहे थे और दावा कर रहे थे कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी उनकी नाकामी की कामना कर रहे हैं। ब्रिटेन और अमेरिका और साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के कई अध्ययनों में यह पाया गया कि क्लोरोक्वीन और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन कोविड-19 के इलाज में अप्रभावी है और कभी-कभी यह हृदय पर विपरित प्रभावों की वजह से जानलेवा भी साबित हो सकता है। विपरित प्रभावों की वजह से कई अध्ययनों को रोक दिया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन का प्रचार कोविड-19 के इलाज के रूप में किया था। इसके बाद बोलसोनारो ने इस दवाई के और भी घातक रूप, क्लोरोक्वीन को इस बीमारी के इलाज के रूप में प्रचार किया। हालांकि बोलसोनारो तो यहां तक कह चुके हैं कि यह वायरस कोई गंभीर चिकित्सकीय समस्या ही नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रासीलिया के राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर पाउलो कालमोन ने कहा, वह हाइड्रोक्सीक्लोक्वीन से कोविड का इलाज के पोस्टर ब्वॉय बन गए हैं। बोलसोनारो ने घोषणा की थी कि वह देश की सेना को क्लोरोक्वीन का निर्माण तेज करने का निर्देश दे रहे हैं। ब्राजील की सेना ने इसके बाद 20 लाख गोलियां बनाईं जो कि देश के सालाना सामान्य उत्पादन से 18 गुणा ज्यादा है। हालांकि ब्राजील के गहन चिकित्सा दवा संघ ने यह दवा नहीं लेने की सलाह दी है और डॉक्टर इसका पालन कर रहे हैं।

मिसिसिपी में कम से कम 26 सांसद कोरोना वायरस से संक्रमित

जैकसन (अमेरिका)। अमेरिका के मिसिसिपी में कई सांसद कोविड-19 से पीड़ित हैं। जन स्वास्थ्य अधिकारी ने बुधवार को बताया कि कम से कम 26 सांसद और मिसिसिपी की राजधानी में काम करने वाले अन्य 10 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। मिसिसिपी सदन का वार्षिक सत्र एक जुलाई को ही खत्म हुआ है।इनमें से लेफ्टिनेंट गवर्नर डेल्बर्ट होज़मैन और हाउस स्पीकर फिलिप गुन कोरोना वायरस से संक्रमित होने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। वे घर पर पृथक रह रहे हैं। यहां लोगों का मास्क नहीं पहनना और सामाजिक दूरी के नियम का पालन नहीं करना तेजी से बढ़ते मामलों की मुख्य वजह है। संक्रमितों की संख्या इससे अधिक होने की आशंका है।राज्य के शीर्ष लोक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. थोमस डोब्स ने कहा कि ए आंकड़े केवल उन मामलों से जुड़ें हैं, जिनकी जैकसन में हाल ही में जांच की गई। कई सांसद अपने गृह निवास लौटने के बाद भी जांच करा रहे हैं।डोब्स ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कृपया अपनी रक्षा करें , अपने प्रियजनों की रक्षा करें। मास्क पहनें। जितना हो सके घर में रहने की कोशिश करें।स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को बताया कि 30 लाख की आबादी वाले मिसिसिपी में मंगलवार शाम तक कोविड-19 के कम से कम 32,888 पुष्ट मामले थे और।,188 लोगों की इससे जान जा चुकी थी।

वैज्ञानिकों ने खोजा कोरोना वायरस से जुड़ी गंभीर बीमारियों से बच्चों के बचे रहने का राज

ह्यूस्टन (अमेरिका)। बच्चों में फेफड़ों के काम करने के तौर-तरीके और रोग प्रतिरक्षा प्रणाली के कामकाज में थोड़े अंतर से पता चल सकता है कि वयस्कों के मुकाबले कोविड-19 से जुड़ी गंभीर बीमारियों से बच्चे कैसे ज्यादा बचे रहते हैं। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंस सेंटर के वैज्ञानिकों ने कहा कि अमेरिका की 22 प्रतिशत आबादी 18 साल तक के बच्चों की है लेकिन देश में कोविड-19 के पहले।,49,082 मामलों में करीब 1.7 फीसदी मामले ही इस आयु वर्ग से जुड़े हैं।यह अनुसंधान अमेरिकी पत्रिका लंग सेलुलर एंड मोलेक्यूलर फिजियोलॉजी में प्रकाशित हुआ है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि मनुष्यों में पाया जाने वाला अणु एंजियोटेन्सिन या एसीई2 किशोरों के मुकाबले बच्चों में कम संख्या में पाया जाता है। यह अणु कोरोना वायरस को कोशिकाओं तक पहुंचने में मदद करता है। अध्ययन के सह-लेखक मैथ्यू हार्टिंग ने कहा, एसीई2 विषाणु के प्रवेश के लिए अहम होता है और यह बच्चों में कम संख्या में पाया जाता है क्योंकि ए उम्र के साथ बढ़ते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों में रोग प्रतिरक्षा प्रणाली किशोरों के मुकाबले अलग तरीके से काम करती है जिससे बच्चों में गंभीर बीमारी होने का खतरा कम रहता है।

पाक के धार्मिक मामलों के मंत्री ने इस्लामाबाद में मंदिर निर्माण के लिए मांगी इस्लामी इकाई से राय

इस्लामाबाद। मुस्लिम संगठनों के विरोध के बीच इस्लामाबाद में पहले हिन्दू मंदिर निर्माण के लिए सरकार की ओर से पैसा दिए जाने को लेकर पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्री नूर उल हक कादरी ने एक इस्लामी इकाई को पत्र लिखकर उसकी राय मांगी है। कृष्ण मंदिर पाकिस्तान की राजधानी के प्रशासनिक प्रखंड-9 में 20 हजार वर्ग फुट के प्लॉट में बनेगा। कादरी ने बुधवार को कहा कि मंदिर निर्माण को लेकर कोई समस्या नहीं है, लेकिन वास्तविक मुद्दा यह है कि क्या इसे सरकारी पैसे से बनाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने मंदिर निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। डॉन अखबार के मुताबिक, कादरी ने मामला अब काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआईआई) को भेज दिया है। कादरी ने पत्र लिखकर सीआईआई से राय मांगी है कि क्या सरकार को शहर में मंदिर निर्माण के लिए धन आवंटित करने की अनुमति है।

‘एनिमेशन स्टोरीज़ में सहयोग कर मुझे प्रसन्नता होगी’

निर्माता-निर्देशक फिरोज़ अब्बास खान पहले भी मुगल-ए-आज़म जैसे नाटक निर्देशित कर चुके हैं। पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक विशेष बातचीत में उन्होंने अपनी नई परियोजना, एक एनीमेटेड सीरीज़ के अलावा अन्य बातों पर भी प्रकाश डाला। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश...

◆ आपकी नई सीरीज़ ‘कोरोना की अदालत’ में आप क्या दिखाने वाले हैं?

ये एक एनीमेटेड सीरीज़ है जिसमें हमने एक कोटरूम ड्रामा तैयार किया है। इसमें हम कोविड 19 जैसी महामारी को कलंक, पूर्वाग्रह या फिर इसे मिथक मानने जैसी बातों के विरुद्ध एक जनमत तैयार करने का काम कर रहे हैं। ये केवल 90 सेकेंड की लघु फिल्में होंगी और इसमें कई रोचक चरित्र दिखाई देंगे। दर्शकों को हर बार इसमें एक नया टॉपिक दिखेगा।

◆ आपको ऐनीमेशन सीरीज़ बनाने का विचार आया कहां से?

सच बात तो ये है कि लॉकडाउन में हम सब घरों में बंद थे और जीवित अभिनेताओं के साथ हम शूटिंग स्टूडियो या दूसरे स्थानों पर कर नहीं सकते थे। ऐसे में हमारे पास एक यही माध्यम बचा था और हमनें फिर इसी पर काम करने का निश्चय कर लिया।

◆ आप थियेटर और म्यूज़िकल कार्यक्रम निर्देशित करते रहे हैं लेकिन एनिमेटेड सीरीज़ निर्देशित करने के अपने अनुभव के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रारंभ में मैं इसे करने की अधिक इच्छा नहीं रखता था क्योंकि मैंने पहले इस प्रकार का काम कभी किया नहीं था। लेकिन जैसे जैसे मैं अपने लेखक इकबाल राज तथा एनिमेशन रचनाकार डब्लेक्स स्टूडियोज़, के साथ व्यस्त होता गया, मुझे इसमें रोचकता और सहजता आती चली गई, क्योंकि कहानी कहने की आधारभूत बातें सभी माध्यमों-टीवी या फिल्म, में एक जैसी होती हैं। बस उन्हें नए माध्यम के अनुरूप ढालना भर होता है। हमारा पहला कदम अवधारणा की स्पष्टता होती है, फिर कलाकारों का सही चयन भी महत्वपूर्ण होते हैं। एक बार जब इन सब पहलुओं पर विस्तृत व्याख्या हो जाती है तो फिर लेखन और एनिमेशन की आती है और फिर हम सभी को उसपर अपना ध्यान केन्द्रित करना होता है।

◆ एनिमेशन वीडियो का निर्देशन करने के लिए आप कैसे इस सीरीज़ से जुड़ गए?

मैं पॉप्यूलेशन फाउंडेशन ऑफइंडिया के साथ पिछले आठ सालों से विभिन्न परियोजनाओं में सहयोग करता आ रहा हूं। आप इनमें से चर्चा का विषय रह चुकी सीरीज़ ‘मैं कुछ भी कर सकता हूं’ भी की थी जिसने मनोरंजन में शिक्षा पिरोते हुए इसे रोचक बनाने के लिए काफी काम किया था। उन्हें महामारी के इर्दगिर्द प्रचार सामग्री बनाने के लिए कहा गया था, उन्होंने मुझसे संपर्क किया और मैं उन्हें सहयोग करने के लिए तैयार हो गया। मैं उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं कि उन्होंने मुझसे सार्थक सहयोग करने के लिए कहा।

◆ क्या भविष्य में भी आप ऐसी परियोजनाओं में काम करना पसंद करेंगे?

मैं एनिमेशन के माध्यम से चुनौतीपूर्ण तथा रोचकतापूर्ण एवं मनोरंजक कहानियों में सहयोग करता रहूंगा। मुझे इन्हें करने में मजा आ रहा है और भविष्य में भी में ऐसे किसी प्रोजेक्ट में सहयोग करके प्रसन्नता का अनुभव करूंगा।

◆ वैसे तो स्थितियां सामान्य नहीं हुई हैं, लेकिन क्या आप किसी थियेटर प्रस्तुति पर भी काम कर रहे हैं?

वर्तमान में मैं किसी भी नई थियेटर प्रस्तुति संबंधी परियोजना पर काम नहीं कर रहा हूं।

◆ पीएफआई के साथ आपने किस प्रकार से सहयोग किया था?

देखिये पीएफआई मुझसे विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रचार सामग्री बनाने के लिए कह रहा था। इसमें फिल्म और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी पोस्ट भेजी जानी थी। गहन अध्ययन पर मुझे समझ में आया कि कोरोना पर पहले भी सामग्री बन चुकी है तो कहीं ऐसा न हो कि वो ही दोहरा दी जाए। लेकिन ये अधिकांशत: नैतिकता का पाठ पढ़ाने या फिर उबाऊ होती थी। ऐसे में लोग इनमें अधिक रुचि ले ही नहीं रहे थे। हम एक ऐशा शो बनाना चाहते थे जो मनोरंजक होने के साथ ही नाटकीयतापूर्ण भी हो और जिसे देखकर लोग एक दूसरे से साझा करना चाहें।

कारों में रुचि हो तो देखने की सोचें

लॉस्ट बुलेट
प्लेटफॉर्म : नेटलिक्स
कलाकार: अल्बन लेनॉयर, निकोलस डुवॉशेल, रामज़ी बेडिया आदि
रेटिंग: 5/10

जैसा कि हमें पता ही है कि परिस्थितियां चाहे कुछ भी हों लेकिन बुरे लोग हमेशा बाद में पछताते हैं जबकि हम जिसे बुरा समझते हैं वो ही अंतत: हमारा सहारा बन जाता है। परेशान करने वाली बात ये है कि लेखक वर्तमान परिस्थितियों में ऐसी कहानी कैसे लिख सकता है जिसमें बुरे लोगों को पकड़ने के लिए भी बुरा व्यक्ति ही काम आता है। हालांकि ऐसी कहानियां बॉलिवुड में भी हमें देखने को मिलती रहती हैं।

अब हो सकता है कि चेहरे समान न हों लेकिन कुछ न कुछ समानता तो है ही। इसके अलावा फिर प्रारंभ होती है भागमभाग, यद्यपि हमें पता रहता है कि बुरे लोग अपनी गति को प्राप्त होंगे लेकिन वे कैसे होंगे, बस यही देखने के लिए मन अटका रहता है। हालांकि ये भी सभी फिल्मों में समान ही होता है, बस चेहरे अलग हो सकते हैं। फ्रेंच में बनी और अंग्रेजी में डब हुई इस 1 घंटे और 33 मिनट की फिल्म में कई रोचक और रोमांचक पल भी आते हैं। लेकिन इसे आप फास्ट एंड यूरियस जैसा नहीं कह सकते। इसमें कारों की स्पीड भी बिजली की तेजी लिए दिखती हैं।

लेकिन यदि आपकी रुचि कारों में है और आप कार इंजन कैसे काम करता है आदि के बारे में कुछ जानकारी रखते हैं आप ये फिल्म देखने के बारे में सोच सकते हैं।

समीक्षा: शालिनी सक्सेना

ट्रेंड बाजार

राजकुमार राव ने बड़े सपने देखने हेतु किया प्रेरित

अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि उन्होंने जीवन में बड़े सपने देखे हैं और वो दूसरों की ऐसी ही महत्वाकांक्षाओं को भी उचित सम्मान देते हैं।

इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपने घर की बालकनी में खड़े होकर ली गई फोटो साझा की जिसकी पृष्ठभूमि में ऊंची बिल्डिंग दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ‘इन ऊंची ऊंची इमारतों से भी ऊंचे सपने देखे हैं मैंने। आपके, मेरे, हम सबके सपनों को सलाम।’

उनकी महिला मित्र पत्रलेखा ने इस पोस्ट के कमेंट सेगमेंट में दिल और हग करने वाला इमोजी पोस्ट किये।

वाणी कपूर ने माना, तैयारी का महत्व बढ़ा है

अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि ‘मेरे अनुसार जीवन का सबसे बड़ी सीख है तैयारी के महत्व को समझना, कम से कम अपने निकट भविष्य के लिए तो ऐसा किया ही जा सकता है, हो सकता है कि ऐसा कुछ फिर से घटित हो जाए। मेरा मानना है कि हम सभी ने अपने जीवन और प्रिय जनों की प्रशंसा करना सीख लिया है। हम सभी को अनेक लोगों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिये।

रणदीप हुड्डा ने वरसोवा समुद्र तट पर सफाई की

महामारी के दौरान अभिनेता रणदीप हुड्डा ने वरसोवा बीच पर एक स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। सोशल मीडिया में रणदीप ने अपनी पिक्चर पोस्ट की जिनमें वो वरसोवा बीच पर सफाई करते दिख रहे हैं। ये भी दिख रहा है कि घर से बाहर निकलने के लिए उन्होंने सभी जरूरी सावधानियों का भी पालन किया। वो मास्क और ग्लव्ज़ पहने हैं। यही नहीं, उन्होंने हर किसी से प्रकृति के लिए अपना सहयोग देने की अपील भी की। परदे की बात करें तो रणदीप को सलमान खान की फिल्म राधे में भूमिका मिली है। फिल्म जल्दी ही रिलीज़ की जाएगी।

ब्यूटी प्रोडक्ट्स के लिए रिहाना ने टाला नया एलबम

पॉप स्टार रिहाना अपने स्किन केयर प्रोडक्ट्सकी रेंज पर अधिक ध्यान देने के लिए अपनी नए संगीत की रिलीज़ को टाल दिया है। सूत्रों के अनुसार, ‘रिहाना ने अपना नौवां एलबम अभी रोक दिया है। वो अभी अपने ब्यूटी प्रोडक्ट्स के माध्यम से कमाई में जुटी हैं और इसी क्रम में वो एक नई स्किन केयर लाइन लाने की योजना पर काम कर रही हैं जो उनकी पूर्व की रेंज ‘फेंटी कॉस्मेटिक्स’ के साथ प्रस्तुत की जाएगी। उनकी लिंजेरी रेंज भी सफल रही है और उनके लिए ये सही समय है और वो इसका पूरा लाभ लेना चाहती हैं। जब भी वो अपने प्रोडक्ट्स की मॉडलिंग की फोटो साझा करती हैं, उनकी सेल बढ़ जाती है।

अपने संगीत और फेंटी नामक अपने ब्रांड के बल पर रिहाना ने 60,00,00,000 डॉलर का साम्राज्य खड़ा कर लिया है।

बॉलीवुड हस्तियों ने जगदीप को किया याद

भाषा। मुंबई

शोले फिल्म में सह-अभिनेता रहे अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र समेत फिल्म जगत की कई हस्तियों ने अभिनेता जगदीप के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जगदीप कॉमेडी के अपने अनूठे अंदाज के लिए मशहूर थे।

सूरमा भोपाली के नाम से मशहूर हुए जगदीप के साथ बच्चन ने शोले और शहंशाह फिल्म में काम किया था। बच्चन ने कहा कि जगदीप ने अभिनय की अपनी अनूठी शैली विकसित की थी। जगदीप का बुधवार को उनके आवास पर निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे।

अमिताभ बच्चन ने कहा, अभिनेता ने अभिनय की अपनी एक अनूठी शैली बनाई थी मुझे कई फिल्मों में उनके साथ काम करने का सम्मान मिला था। इनमें से दर्शकों की नजरों में सबसे महत्वपूर्ण शोले और शहंशाह है। अभिनेता धर्मेंद्र ने कहा कि जगदीप के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ।

धर्मेंद्र ने कहा, मैं बहुत-बहुत दुखी हूं। मैंने कुछ फिल्मों में उनके साथ काम किया। वह न केवल कॉमेडियन थे बल्कि एक प्रतिभाशाली अभिनेता भी थे। उनके जैसे अभिनेता को भुलाया नहीं जा सकता।

गीतकार **जावेद अख्तर** ने सलीम खान के साथ मिलकर शोले की कहानी लिखी थी और उसमें जगदीप का किरदार एक ऐसे शख्स पर आधारित था, जिसे वह भोपाल में जानते थे। उन्होंने कहा कि जगदीप ने इस किरदार में जान फूंक दी और इसे मशहूर बना दिया। अख्तर ने कहा, उन्होंने भोपाली जुबां पर कड़ी मेहनत की और इसे बेहतरीन तरीके से निभाया।

जगदीप का वास्तविक नाम सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी था और उन्होंने सिनेमा की दुनिया में बाल कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत बी आर चोपड़ा की बतौर निर्देशक पहली फिल्म अफसाना से की थी और इसके बाद वह भाभी और बरखा जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिका में सामने आए। इसके बाद शम्मी कपूर अभिनीत फिल्म ब्रह्मचारी से हास्य कलाकार के रूप में दर्शकों के सामने आए।

हास्य फिल्में गली गली चोर है (2012) और लाइफ पार्टनर (2009) में जगदीप के साथ काम करने वाले पटकथा लेखक रूमी जाफरी ने कहा कि अभिनेता के साथ उनका रिश्ता काम से भी कहीं आगे का था।

जाफरी ने कहा, वह मेरे लिए परिवार की तरह थे। भोपाल से मुंबई आने से पहले मैं कुछ दिनों तक उनके घर में रुका। वह बेहद प्यारे इंसान थे। पर्दे पर उनकी छवि एक हास्य कलाकार की थी लेकिन असल जिंदगी में वह गंभीर, विचारशील व्यक्ति थे। वह सम्मानित शख्सियत थे।

फिल्मकार **महेश भट्ट** ने ट्विटर पर शानदार अभिनेता को याद किया। भट्ट ने लिखा, वह हमारे आसमान के इंद्रधनुष थे। हमारी जिंदगी को ठहाकों से भर दिया। अलविदा सर।

जगदीप के पोते **मीजान** के साथ हाल ही में हंगामा 2 में काम करने वाली शिल्पा शेट्टी ने 2002 में आई फिल्म रिश्ते में अभिनेता के साथ किए काम को याद किया।

शेट्टी ने ट्वीट किया, जगदीप जी के निधन की खबर सुनकर बेहद दुखी हूं। मुझे रिश्ते में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला, अपने अनोखे अंदाज में हास्य की शानदार टाइमिंग और उससे भी कहीं अधिक एक बेहतरीन इंसान।

माधुरी दीक्षित नेने ने कहा, उन्होंने हमें ब्लैक एंड व्हाइट युग की मजेदार कहानियां सुनाई। दशकों तक हंसाने और मनोरजंन करने के लिए आपका शुक्रिया। जावेद और उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। माधुरी ने उनके बेटे जावेद जाफरी के साथ 100 डेयज फिल्म में काम किया।

अभिषेक बच्चन ने भी अभिनेता को याद किया। वहीं, **आशुतोष गोवारिकर** ने कहा कि जगदीप का शोले फिल्म का डायलॉग पैसे? ऐसे कैसे पैसे मांग रहे हो, ऐसा डायलॉग है जिसे वह आज भी बोलते हैं।

अजय देवगन, मनोज वाजपेयी, आयुष्मान खुराना, संजय मिश्रा, जॉनी लीवर, हंसल मेहता समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने भी सोशल मीडिया पर जगदीप को श्रद्धांजलि दी।

कब्रिस्तान में सुपुर्दे-खाक किया गया

मुंबई। मशहूर हास्य कलाकार-अभिनेता जगदीप को बृहस्पतिवार को यहां एक कब्रिस्तान में परिवार के सदस्यों और नजदीकी मित्रों की मौजूदगी में सुपुर्दे-खाक कर दिया गया। 81 वर्षीय जगदीप का बुधवार रात में मुंबई उपनगरीय क्षेत्र स्थित उनके आवास पर निधन हो गया था। उन्होंने शोले फिल्म में सूरमा भोपाली के अपने किरदार से लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी।

परिवार के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अभिनेता जगदीप को अपराह्न करीब ढाई बजे दक्षिण मुंबई के बाईकुला स्थित एक कब्रिस्तान में सुपुर्दे-खाक किया गया। इस मौके पर 10-12 लोग मौजूद थे जिसमें उनके पुत्रों अभिनेता जावेद, निर्माता नावेद, पोते मीजान और अभिनेता जॉनी लीवर शामिल थे। जगदीप ने बाल कलाकार, मुख्य कालाकार और उसके बाद हास्य कलाकार के तौर पर फिल्मों में काम किया। जगदीप ने करीब 400 फिल्मों में काम किया लेकिन 1975 में आई फिल्म शोले के सूरमा भोपाली के उनके किरदार को प्रशंसक आज भी याद करते हैं। जगदीप ने खिलौना , ब्रह्मचारी , पुराना मंदिर , अंदाज अपना अपना , फूल और कांटे आदि फिल्मों में यादगार किरदार निभाया।

क्लब, बार में संगीत देने वाले कलाकार ऑनलाइन कक्षाओं से कर रहे गुजर

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति से क्लब, बार और संगीत उत्सवों में प्रस्तुति देने वाले कलाकार भी अछूते नहीं रहे। लॉकडाउन के कारण कई कलाकारों के सामने रोज़ी-रोटी का मसला खड़ा हो गया। ए कलाकार अपनी जमापूंजी और ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए अपना गुज़र बसर कर रहे हैं।

ए कलाकार बेसब्री से लाइव शो के लिए मंच पर लौटने का इंतजार कर रहे हैं। कोलकाता के पियानोवादक प्रद्युमन सिंह मनोत ने व्हाट्सऐप पर बातचीत के दौरान पीटीआई-भाषा से कहा, मेरी सारी बुकिंग रद्द हो गई हैं। मैं जूम के जरिए सिर्फ एक ऑनलाइन प्रस्तुति दे पाया हूं। कोई प्रस्तुति नहीं होने से आर्थिक तौर पर बड़ी हानि है।

मनोत ने अपनी आखिरी प्रस्तुति मार्च में दी थी और लॉकडाउन के दौरान हालांकि अपने परिवार को पर्याप्त समय दे पाए। क्या संगीत मे पूर्णकालिक कैरियर व्यवहार्य है? इस सवाल ने मनोट और उन जैसे अन्य कलाकारों को फिलहाल परेशान किया क्योंकि उन्हें अनिश्चित भविष्य की चिंता है। प्रस्तुति देने वाले स्थल बंद होने और उनके जल्दी खुलने का कोई संकेत नहीं है।

मदर इंडिया में बिरजू का किरदार निभाने के लिए पहले लिया गया था जगदीप को

भाषा। मुंबई

भारतीय सिनेमा की चर्चित फिल्म मदर इंडिया में बगावती चरित्र बिरजू से सुनील दत्त को काफी प्रसिद्धी मिली लेकिन उस किरदार को पहले जगदीप निभाने वाले थे।

लेखक-फिल्म निर्माता रूमी जाफरी ने बताया कि इस फिल्म के निर्देशक महबूब खान के रिकॉर्डिस्ट पांडू दादा से उन्होंने यह बात सुनी थी।

जाफरी ने कहा, महबूब खान के रिकॉर्डिस्ट पांडू दादा के साथ जब मैं आ अब लौट चले में एक लेखक के तौर पर काम कर रहा था तो उन्होंने मुझे बताया कि जब मदर इंडिया में बिरजू का किरदार पहले जगदीप भाई निभाने वाले थे। मैं यह सुनकर चौंक गया।

जगदीप ने अभिनेत्री नरगिस अभिनीत इस फिल्म में कुछ दिन शूटिंग भी की लेकिन निर्देशक महबूब खान को लगा कि उनके अंदर किरदार वाला गुस्सा नहीं आ रहा है। इसके बाद दत्त इस फिल्म में आए।

जाफरी ने कहा, जब मैंने जगदीप भाई से इसके बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्हें न केवल यह किरदार मिला था बल्कि उन्होंने कुछ दिन तक इसकी शूटिंग भी की। लेकिन महबूब खान को लगा कि उनके चेहरे पर वह गुस्सा नहीं आ रहा है और इसके बाद सुनील दत्त को लिया गया।

उन्होंने कहा, कोई कभी विश्वास नहीं करेगा कि जगदीप भाई को पहले बिरजू का किरदार दिया गया था। मैं इस बात को रिकॉर्ड करना चाहता था। लेकिन दुख की बात है कि अब वह हमारे बीच नहीं हैं।

शोले फिल्म में सूरमा भोपाली का किरदार अदा करने के लिए मशहूर जगदीप का 81 साल की उम्र में बुधवार को निधन हो गया।

जाफरी ने कहा कि वह अभिनेता से पहली बार 1988 में तब मिले थे जब वह सूरमा भोपाली की शूटिंग कर रहे थे। उन्होने कहा कि उनका संबंध अभिनेता के साथ काम से ऊपर था। उन्होंने कहा कि जगदीप काफी गर्मजोशी से भरे और प्यारे इंसान थे और फिल्मों में भले ही उनकी छवि हास्य कलाकार की रही हो लेकिन वास्तविक जीवन में वह गंभीर और विचारशील व्यक्ति थे।